{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 20 दिसम्बर 2025
पौस शुक्ल 01 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 88
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	84,929.36
निफ्टी	-	25,966.40
सोना	-	1,34,180
चांदी	-	2,09,000
डॉलर	-	89.55

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

एटीएम काटकर 23.52 लाख की चोरी

बेतिया। बेतिया में गुरुवार रात चोरों ने एक साथ दो जगहों पर एसबीआई एटीएम को निशाना बनाया है। नगर थाना क्षेत्र के आलोक भारती स्कूल के पास और नौतन थाना क्षेत्र के गहीरी चौक पर एटीएम से 23 लाख 52 हजार रुपए की चोरी हुई है। चोरों ने दोनों जगह गैस कटर की मदद से मशीन को काटा है। नौतन थाना क्षेत्र के गहीरी चौक के एटीएम में चोरों ने रात करीब 11 बजे घटना को अंजाम दिया। यहां से लगभग 11 लाख रुपए की चोरी होने की बात सामने आई है। वहीं नगर थाना क्षेत्र के आलोक भारती स्कूल के पास वाले एटीएम को चोरों ने रात करीब 1 बजे गैस कटर से काटकर 12 लाख 52 हजार रुपए निकाल लिए। दोनों घटनाओं के बीच समय का अंतर कम होने के कारण पुलिस को एक ही गिरोह के शामिल होने की आशंका है। पुलिस को शक है कि पहली वारदात के बात चोरों ने दूसरी को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि अपराधी इनोवा कार से आए थे।

दिल्ली-पंजाब समेत कई राज्यों में ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली। डंकी रूट के जरिए भारत से युवाओं को अमेरिका भेजने के मामले में ईडी ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की। ईडी ने दिल्ली-पंजाब समेत कई राज्यों में दर्जन भर से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की। इस छापेमारी में ईडी ने चार करोड़ रुपये से ज्यादा नकद और 300 किलो से ज्यादा चांदी और छह किलो सोने के बिस्किट जब्त किए। ये छापे गुरुवार को दिल्ली, पंजाब (जालंधर) और हरियाणा (पानीपत) में एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर मारे गए। अधिकारियों ने दावा किया कि दिल्ली के एक ट्रैवल एजेंट के ठिकाने से 4.62 करोड़ रुपये कैश, 313 किलो चांदी और 6 किलो सोने के बिस्किट जब्त किए हैं। जांचकर्ताओं ने छापों के दौरान मिले फोन और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से कुछ आपत्तिजनक चैट भी बरामद की हैं। अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा में एक मुख्य आरोपी के ठिकाने से डंकी बिजनेस से जुड़े रिकॉर्ड और दस्तावेज मिले हैं। आरोप है कि एजेंट अवैध रूप से अमेरिका जाने वाले लोगों के प्रॉपर्टी के दस्तावेज अपने कमीशन की रकम की गारंटी के तौर पर रखते थे।

सुप्रीम कोर्ट में 22 दिसंबर से 2 जनवरी विंटर वेकेशन

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने शुक्रवार को कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट की क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के पहले दिन, 22 दिसंबर को जरूरी मामलों की सुनवाई के लिए बैठने को तैयार हैं। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली वाली बेंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री मामलों की अर्जेंसी की जांच करेगी और उसी के अनुसार उन्हें लिस्ट करेगी।

कुछ ना कहना

अखबार, दो न्यूज चैनल और आवामी लीग के दफ्तर फूंके

बांग्लादेश-विद्रोह के अगुवा हादी की मौत के बाद देश भर में तनाव

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में शेख हसीना के विरोधी नेता उस्मान हादी की गुरुवार रात मौत हो गई है। उनकी मौत के बाद बांग्लादेश में हालात बिगड़ गए हैं और कई जगह हिंसा फैल गई है। प्रदर्शनकारियों ने देश के सबसे बड़े अखबार डेली स्टार और प्रोथोम आलो के ऑफिस में जबरन घुसकर तोड़फोड़ और आगजनी की। आग लगाने के बाद से करीब 25 पत्रकार अंदर फंस गए थे, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकाला गया। हादी 2024 के छात्र आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से भारी अराजकता एक थे। उन्हें 12 दिसंबर को सिर में भारत विरोधी नारे गोली मारी गई थी। ढाका में चुनाव प्रचार के दौरान उन पर गोली चलाई गई थी। गोली लगने के बाद उन्हें पास के अस्पतालों में ले जाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी। प्रदर्शन के दौरान भारत विरोधी नारे भी लगाए गए। हमले से कुछ घंटे पहले उस्मान हादी ने ग्रेटर बांग्लादेश का मैप शेयर किया था, इसमें भारतीय इलाके (7 सिस्टर्स) शामिल थे। हमले के चलते प्रोथोम आलो और द डेली स्टार अखबारों का बंद रहेंगे। दोनों मीडिया संस्थानों की ऑनलाइन सेवाएं भी लगभग ठप हो गई हैं। दोनों अखबारों के शीर्ष अधिकारियों ने बीबीसी बांग्ला को इस जानकारी की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि रात में हुए अचानक हमले, तोड़फोड़ और आगजनी के बाद सभी कर्मचारियों को तुरंत कार्यालय छोड़ने का आदेश दिया गया है।

न्यूज एज अखबार के एडिटर पर भीड़ ने हमला किया

ढाका में डेली स्टार फॉर्म गेट ऑफिस में न्यू एज के संपादक नूरुल कबीर पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। कबीर गुरुवार रात को तोड़फोड़ और आग लगाने के बाद ऑफिस पहुंचे थे। उन्होंने हमलावरों को रोकने की कोशिश की जिसके बाद भीड़ ने उन्हें हिंसक धमकियां दी। बांग्लादेश में पिछले वर्ष जुलाई में हुए विद्रोह के प्रमुख नेताओं में से एक शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन और हिंसा की घटनाएं हुई, जिससे देशभर में तनाव व्याप्त है। हालांकि शुक्रवार सुबह किसी हिंसक घटना की जानकारी नहीं मिली। इससे पूर्व प्रदर्शनकारियों ने पहले ही ध्वस्त हो चुके, बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान के आवास 32 धानमंडी पर तोड़फोड़ की। देश के विभिन्न हिस्सों में बृहस्पतिवार रात को हमलों और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं, जिनमें चटगांव में भारतीय सहायक उच्चायुक्त के आवास पर पत्थरबाजी भी शामिल है। ये घटनाएं मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस द्वारा हुए इंकलाब मंच के नेता हादी की मौत की पुष्टि करने के बाद हुई। इससे पहले इंकलाब मंच ने हादी शव शाम तक घर लाया जाएगा। हादी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनावों में एक उम्मीदवार थे। छह जंग दिन तक जिंदगी मौत के बीच लड़ने के बाद सिंगापुर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

नीतीश के खिलाफ इल्तिजा मुफ्ती की बेटी ने कराई एफआईआर

श्रीनगर। बिहार में एक महिला डॉक्टर का हिजाब हटाने को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूसरे राज्यों में भी आलोचना हो रही है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती की बेटी और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने शुक्रवार को बिहार सीएम के खिलाफ श्रीनगर में एफआईआर दर्ज कराई। इल्तिजा मुफ्ती ने मीडिया से बात करते हुए नीतीश कुमार को चेतावनी दी और कहा कि आपको (नीतीश) कोई हक नहीं बनता कि आप हमारे नकाब या हिजाब को हाथ लगाए। अगली बार आपने हमारे हिजाब को हाथ लगाया तो हम मुसलमान औरतें आपको ऐसा सबक सिखाएंगी कि जिंदगी भर भूलेंगे नहीं। इल्तिजा ने कहा कि नीतीश कुमार ने जो हरकत की, उसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। लेकिन माफी की बजाय भाजपा के नेता अश्लील बयानबाजी कर रहे हैं। गिरिराज सिंह कहते हैं कि मुसलमान भाड़ में जाए। हम भाड़ में क्यों जाए। अगर आपने मुसलमान महिला का हिजाब छुआ है तो अंजाम भुगतने को तैयार रहिए।

अनिश्चितकाल के लिए लोकसभा स्थगित

शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन विपक्ष का जोरदार हंगामा

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को लोकसभा में भारी हंगामे के चलते कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल सकी। लोकसभा को अंततः अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करना पड़ा। विपक्षी दलों ने वीबी-जी राम जी बिल को लेकर सरकार के खिलाफ तीखा विरोध दर्ज कराया, जिसके कारण सदन की चंद मीनिट भी नहीं चल सकी। लोकसभा की कार्यवाही जैसे ही शुरू हुई, विपक्षी सदस्य वीबी-जी राम जी बिल के विरोध में नारेबाजी करते हुए वेल में आ गए। हंगामे के बावजूद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल की कार्यवाही शुरू कराने का प्रयास किया और विपक्षी सदस्यों से अपनी सीटों पर लौटने की अपील की। हालांकि, विपक्ष के तेवर नरम नहीं पड़े और नारेबाजी जारी रही। हंगामें के चलते लोकसभा की कार्यवाही महज तीन मिनट में ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा की कार्यवाही स्थगित करने से पहले स्पीकर ओम बिरला ने शीतकालीन सत्र के दौरान हुए कामकाज का ब्यौरा भी सदन के समक्ष रखा। उन्होंने बताया कि इस सत्र में कुल 15 बैठकें आयोजित की गईं और सदन की उत्पादकता 111 प्रतिशत रही। उन्होंने सभी सांसदों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सदस्यों ने देर रात तक बैठकर महत्वपूर्ण विधायी कार्यों को पूरा करने में योगदान दिया। इसके बाद उन्होंने लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा कर दी।

संसद में विपक्ष ने एकजुट होकर किया वीबी-जी राम जी विधेयक का विरोध

विपक्ष संसद में विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) बिल पास होने पर लगातार विरोध कर रहा है। शुक्रवार को एकजुट विपक्ष ने बिल पास होने के विरोध में संसद के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया, जबकि टीएमसी सदस्यों ने सदन में एंट्री की सीढ़ियों पर अपना विरोध जारी रखा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जो अभी जर्मनी में हैं, उन्होंने भी बिल के खिलाफ आवाज उठाई और दावा किया कि यह डिजाइन से ही राज्य विरोधी और गांव विरोधी है।

मनी लॉनड्रिंग केस में ईडी का शिकंजा युवराज, सोनू सूद, उर्वशी की करोड़ों की संपत्ति अटैच

नई दिल्ली। ऑनलाइन सट्टेबाजी 1×बेट ऐप मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा समेत कई बॉलीवुड सेलिब्रिटिज की करोड़ों की संपत्ति जब्त कर ली है। 1×बेट मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने नए प्रोविजनल अटैचमेंट किए हैं, जिन लोगों की संपत्तियां अटैच की गई हैं, उनमें युवराज सिंह, रॉबिन उथप्पा, उर्वशी रौतेला, सोनू सूद, मिमी चक्रवर्ती, अंकुश हाजरा और नेहा शर्मा के नाम शामिल हैं। यह जांच कथित अवैध बेटिंग ऐप्स से जुड़ी है, जिन लोगों पर आरोप है कि उन्होंने लोगों और निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी की है या बड़े पैमाने पर टैक्स की चोरी की है। कंपनी का दावा है कि 1×बेट एक वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त बुकी है, जो पिछले 18 सालों से बेटिंग इंडस्ट्री में है। इसके ग्राहक हजारों खेल आयोजनों पर दांव लगा सकते हैं। कंपनी की वेबसाइट और ऐप 70 भाषाओं में उपलब्ध है। ईडी ने कुल 7.93 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच की है।

मुक्की के बिशनपुरा रेंज में मैदान में बैठी दिखी मादा बाघीन!!

कान्हा दक्षिण बालाघाट में सर्वे शुरू,बाघों के मिले साक्ष्य से संख्या 160 पार होने की उम्मीद

एक्सप्रेस विशेष
पद्मेश न्यूज।
बैहर-बालाघाट ।

बाघों की गणना का आज दूसरा दिन था.कान्हा टाइगर रिजर्व में अखिल भारतीय बाघ आंकलन गुरुवार से शुरू हो गया है। इसके तहत कान्हा के कोर, बफर और फेन अभ्यारण्य क्षेत्र में साइन सर्वे किया जा रहा है। 2184 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली 182 बीट में मांसाहारी एवं बड़े शाकाहारी वन्यप्राणियों के साक्ष्य जुटाए गए हैं, जिन्हें ईकोलॉजिकल मोबाइल एप में रियल टाइम डाटा के रूप में फीड किया जा रहा है। पहले ही दिन साइन सर्वे में टाइगर के साक्ष्य मिलने से विभाग में उत्साह है। इससे कान्हा में बाघों की संख्या बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। टाइगर रिजर्व क्षेत्र में 23 दिसम्बर तक वन्यप्राणियों की गणना की जाएगी। जानकारी के मुताबिक एनटीसीए (राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण) द्वारा अखिल भारतीय बाघ आंकलन 2026 कराया जा रहा है। कान्हा लैंडस्केप में बाघ आंकलन के लिए कान्हा टाइगर रिजर्व को नोडल बनाया गया है। लगभग 6 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में यह आंकलन किया जा रहा है। प्रथम चरण में 2 दिसम्बर से कान्हा लैंडस्केप में साइन सर्वे शुरू किया गया था। वहीं अब 18 दिसम्बर से 23 दिसम्बर तक कान्हा टाइगर रिजर्व के कोर, बफर और फेन अभ्यारण्य क्षेत्रों में गणना की जा रही है। इस गणना कार्य में करीब 500 वनकर्मी एवं अधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा 44 स्वयंसेवक भी गणना कार्य में सहयोग कर रहे हैं। साइन सर्वे के दौरान प्रशिक्षित स्टाफ द्वारा बीट स्कैन की जा रही है, जिसमें वन्यप्राणियों के पगमार्ग, विष्ठा, खरोंच के निशान सहित अन्य साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। स्टाफ को प्रतिदिन करीब 5 किलोमीटर ट्रेल पर चलना होता है तथा तीन दिन तक अलग-अलग ट्रेल पर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

क्षेत्र संचालक को दिखी फीमेल टाइगर उप-संचालक ने देखे पगमार्क

गुरुवार से शुरू हुए साइन सर्वे के दौरान मुक्की क्षेत्र में क्षेत्र संचालक रविंद्रमणि त्रिपाठी को बिसनपुरा में एक फीमेल टाइगर प्रत्यक्ष दिखाई दी, जो मैदान में बैठी हुई थी। वहीं डिप्टी डायरेक्टर पुनीत गोयल को खापा रेंज में शर्मीली और उसके शावकों के पगमार्क मिले हैं। चिमटा कैंप के पास भी फीमेल टाइगर के पगमार्क देखे गए हैं। सूत्रों के अनुसार गणना के दौरान ट्रेंड स्टाफ को बाघों के साक्ष्य बड़ी संख्या में मिले हैं, जिससे बाघों की संख्या बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। अनुमान है कि कान्हा में बाघों की संख्या 160 के पार जा सकती है।

आज से दक्षिण बालाघाट में ट्रांजिट लाइन सर्वे

कान्हा लैंडस्केप में प्रथम चरण के तहत मांसाहारी वन्यप्राणियों का साइन सर्वे 2 दिसम्बर से किया गया था। इसके अलावा मंडला सामान्य वनमंडल, उत्तर बालाघाट एवं लामता प्रोजेक्ट में ट्रांजिट लाइन सर्वे पूर्ण किया जा चुका है। अब आज से दक्षिण बालाघाट में ट्रांजिट लाइन सर्वे शुरू किया जाएगा। यहां 19 से 21 दिसम्बर तक सर्वे किया जाएगा, जबकि मोहगांव प्रोजेक्ट और डिंडोरी में 26 से 29 दिसम्बर तक ट्रांजिट लाइन सर्वे किया जाएगा।

बदल गया पर्यटन का समय

कान्हा टाइगर रिजर्व में 18 से 23 दिसम्बर तक चल रही वन्यप्राणी गणना को ध्यान में रखते हुए सुबह की पाली में पर्यटन का समय बदला गया है। सुबह 7 बजे से पर्यटक वाहन पार्क में भ्रमण के लिए जा रहे हैं, जबकि शाम की पाली का समय यथावत रखा गया है। सुबह की पाली में यह परिवर्तन गणना अवधि तक ही रहेगा। इसके बाद पुनः सुबह 6.30 बजे से पर्यटक वाहनों को प्रवेश दिया जाएगा।

राहुल को 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक के बारे में खुद की जानकारी बढ़ानी चाहिए-भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संसद द्वारा पारित 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक के बारे में 'गलत सूचनाएं प्रसारित करने के बजाय खुद की जानकारी बढ़ानी चाहिए। इससे पहले राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि सरकार ने 20 साल पुराने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को एक ही दिन में खत्म कर दिया और नया रोजगार गारंटी विधेयक ले आई। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "जी राम जी विधेयक को मनरेगा के बदले स्वरूप में पेश नहीं किया गया है। यह अधिकार-आधारित, मांग-आधारित गारंटी को खत्म कर इसे एक सीमित योजना में बदल देता है, जिसे दिल्ली से नियंत्रित किया जाएगा। कांग्रेस सांसद ने कहा, "यह डिजाइन से ही राज्य-विरोधी और गांव-विरोधी है। प्रतिक्रिया में भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) विधेयक सामाजिक सुरक्षा नेट को हटाने के बारे में नहीं है, बल्कि उन्हें आधुनिक बनाने के बारे में है। मालवीय ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "रोजगार, कौशल, बुनियादी ढांचे और जवाबदेही को मिलाकर, यह मनरेगा से आगे एक दूरदर्शी विकास का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा, "गलत जानकारी फैलाने के बजाय, राहुल गांधी को विकसित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) के बारे में खुद को शिक्षित करना चाहिए। विपक्ष के जोरदार विरोध के बीच, संसद ने बृहस्पतिवार देर रात ग्रामीण रोजगार गारंटी विधेयक पारित कर दिया, जो मनरेगा की जगह लेगा और जिसमें हर साल 125 दिन के ग्रामीण रोजगार का वादा है।

श्रीमती अनुभा मुंजारे
विधायक-बालाघाट

भाऊराम गाडेश्वर
पूर्व ब्लाक अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी लालबर्रा

मनीराम भोयर
नवनियुक्त कांग्रेस कमेटी ब्लाक अध्यक्ष लालबर्रा

नवनियुक्त अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा मनोनीत होने पर
श्री मनीराम भोयर जी को अनंत शुभकामनाएं

शुभेच्छु :- अशोक तितरमारे कार्यकर्ता एवं समस्त पदाधिकारीगण व कार्यकर्तागण ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा जिला बालाघाट

चेतावनी : बस स्टैंड में बसें तय समय से आधा घंटा पहले ही पहुंचेगी, घंटों खड़ी नहीं रहेंगी!!

बस स्टैंड में अव्यवस्था पर सख्ती, बस ऑपरेटरों के साथ यातायात थाना प्रभारी ने की बैठक

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के बस स्टैंड में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से यातायात थाना प्रभारी यीना रहांगडाले द्वारा बस ऑपरेटरों के साथ एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बस स्टैंड में लगने वाले जाम, अव्यवस्थित खड़ी बसों और यात्रियों को होने वाली परेशानियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान निर्णय लिया गया कि बस स्टैंड परिसर में किसी भी बस को अनावश्यक रूप से घंटों तक खड़ा नहीं किया जाएगा। सभी बसों को उनके निर्धारित समय और तय स्थान के अनुसार ही बस स्टैंड में खड़ा किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वाली बसों पर चालानी कार्रवाई की जाएगी। यातायात थाना प्रभारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि बस स्टैंड में अनुशासन बनाए रखना सभी बस ऑपरेटरों की जिम्मेदारी है। इससे न केवल यातायात व्यवस्था सुचारू रहेगी, बल्कि यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी। बैठक में उपस्थित बस ऑपरेटरों ने प्रशासन को सहयोग देने का आश्वासन दिया।

बस स्टैंड में लगातार बिगड़ती यातायात व्यवस्था और अव्यवस्थित संचालन को लेकर यातायात विभाग सख्त नजर आ रहा है। इसी कड़ी में यातायात थाना प्रभारी यीना रहांगडाले ने 19 दिसंबर को यातायात थाने में शहर के बस ऑपरेटरों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की। बैठक में स्थानीय बस संचालक उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए यातायात थाना प्रभारी ने कहा कि हाल के दिनों में यह लगातार देखा जा रहा है कि कई ऐसी बसें, जिनका न तो कोई निर्धारित समय होता है और न ही तय रूट, वे घंटों तक बस स्टैंड परिसर में खड़ी रहती हैं। इससे न केवल बस स्टैंड में यातायात अव्यवस्था उत्पन्न हो रही है, बल्कि यात्रियों को भी बसों के आवागमन में भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने बताया कि बस स्टैंड में अनावश्यक रूप से खड़ी बसों के कारण अन्य बसों के प्रवेश और निकास में बाधा उत्पन्न होती है, जिससे जाम की स्थिति बन जाती है। यातायात थाना प्रभारी ने बस ऑपरेटरों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिन बसों का संचालन निर्धारित समय और नंबर के अनुसार है, वे अपनी तय समय सीमा से अधिकतम आधा घंटा पहले ही बस स्टैंड परिसर में प्रवेश करेंगी और निर्धारित समय पर अपने गंतव्य के लिए रवाना होंगी। किसी भी परिस्थिति में बसों को बिना कारण लंबे समय तक बस स्टैंड में खड़ा नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि नियमित निरीक्षण के दौरान कई बार ऐसी बसें पाई गई हैं, जो घंटों तक बस स्टैंड में खड़ी रहकर अव्यवस्था फैलाती हैं। इस प्रकार की लापरवाही को अब किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भविष्य में यदि कोई भी बस बिना वैध कारण के बस स्टैंड परिसर में खड़ी पाई गई, तो संबंधित बस के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जायेंगीं। बैठक के दौरान यातायात थाना प्रभारी ने बस संचालकों से अपील की कि वे यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियमों का सख्ती से पालन करें। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रशासन और बस ऑपरेटरों के बीच सहयोग बेहद आवश्यक है। इस अवसर पर बस ऑपरेटरों ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि वे यातायात विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन करेंगे और बस स्टैंड की व्यवस्था सुधारने में प्रशासन का सहयोग करेंगे।

नगर के मेन रोड में सड़क दुर्घटना में महिला घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के मेन रोड स्थित मॉडल साइकिल स्टोर्स के पास सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक महिला घायल हो गई। घायल महिला सारिका पति सुभाष डोंगरे 45 वर्ष ग्राम हट्टा थाना हट्टा निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सारिका डोंगरे घरेलू काम करती है। जिसका पति सुभाष डोंगरे कपड़े का धंधा करते है और कपड़े की खरीदी बालाघाट में करते हैं। 19 दिसंबर को 4:00 बजे करीब सारिका डोंगरे अपने पति सुभाष डोंगरे के साथ मोटरसाइकिल में कपड़े खरीदने के लिए बालाघाट आए थे और महावीर चौक से राजघाट चौक होते हुए काली पुती चौक तरफ आ रहे थे। तभी नगर के मॉडल साइकिल स्टोर के पास गली में एक मोटरसाइकिल मोड रही थी । तभी सुभाष डोंगरे की मोटरसाइकिल इस मोटरसाइकिल के पीछे टकरा गई। जिससे सारिका डोंगरे और उसका पति सुभाष डोंगरे मोटरसाइकिल सहित गिर गए। इस दुर्घटना में सारिका डोंगरे सिर में चोट लगने से घायल हो गई। घायल सारिका डोंगरे को उसके पति सुभाष डोंगरे के साथ उसी मोटरसाइकिल वाले ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया। जिला अस्पताल पुलिस ने सारिका डोंगरे का बयान लेकर को अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

मोटरसाइकिल की टक्कर से साइकिल सवार घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा रोड पर स्थित ग्राम कनकी के पास मोटरसाइकिल की ठोकर से साइकिल सवार एक व्यक्ति घायल हो गया।घायल व्यक्ति रामेश्वर पिता पांडुरंग चौरे 55 वर्ष ग्राम छतेरा थाना लालबर्रा है। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामेश्वर चौरे मजदूरी करता है। 18 दिसंबर रामेश्वर चोरे किसी काम से साइकिल में ग्राम कनकी आया था। शाम 7:00 बजे करीब रामेश्वर चौरे साइकिल में ग्राम कनकी से अपने घर छतेरा जा रहा था तभी लालबर्रा रोड ग्राम कनकी के पास पीछे से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने रामेश्वर चोरे की साइकिल को पीछे से ठोस मार दी। जिससे रामेश्वर चोरे साइकिल सहित गिरने से घायल हो गया। घायल रामेश्वर चोरे को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया। मोटरसाइकिल चालक ग्राम बोट्टे निवासी बताया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने घायल रामेश्वर चौरे का बयान देकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना लालबर्रा भिजवा दी है।

ओलंपियाड प्रतियोगिता में शासकीय मॉडल स्कूल बैहर का उत्कृष्ट प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित ओलंपियाड प्रतियोगिता 2025-26 के प्रथम चरण में शासकीय मॉडल स्कूल बैहर के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में विद्यालय के कुल 13 विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट श्रेणी में स्थान प्राप्त किया। कक्षा 10वीं की छात्रा डेजी बिसेन (पिता

लिकेश बिसेन) ने गणित विषय में प्रथम स्थान तथा वैशाली पटले (पिता सुनील पटले) ने विज्ञान विषय में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय की उपलब्धियों में उल्लेखनीय योगदान दिया। इसी क्रम में माध्यमिक स्तर के कुल 11 विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा 8वीं से गुनगुन (शैलेंद्र परवार), पलक (सुरेन्द्र ओडिचार), काव्या (सुरेन्द्र उके), राशि (महेंद्र पारथी) एवं आराध्या (सुंदरलाल डहाटे), कक्षा 7वीं से मुकुल टेंभरे (संतोष टेंभरे), फैजिका (हेमेंद्र पटले), लतिका (देवेंद्र बिसेन) तथा कक्षा 6वीं से सागर (उत्तम सिंह परते), अनन्या (रामस्वरूप कमलेश) एवं लक्ष्य (राकेश पारधी) शामिल हैं। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री सुनील कुमार खोब्रागड़े ने बताया कि कक्षा 7वीं के छात्र मुकुल टेंभरे ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सभी विषयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों की कड़ी मेहनत, अनुशासन एवं सतत मार्गदर्शन को दिया। इस उपलब्धि में विद्यालय की शिक्षक-शिक्षिकाओं श्रीमती पूजा पाटीदार, श्रीमती लक्ष्मीलता बघेल, श्रीमती वर्षा ठाकरे, राहुल मासुरकर, श्रीमती सुजाता चौरे, रूस्तम अमुले, कैलाश ऊईके, निर्वाण गजभिये, शैलेंद्र खोब्रागड़े, श्रीमती जागेश्वरी राहंगडाले, श्रीमती प्रियंका कुकवासे, श्रीमती पूर्णलता चौरे, किशोर गोहिया, राजकुमार अधेकर सहित अन्य शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं। जिला शिक्षा अधिकारी श्री उपाध्याय ने विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार को बधाई देते हुए कहा कि कठिन परिश्रम और समर्पण का परिणाम आज इस उत्कृष्ट सफलता के रूप में सामने आया है।

एनएच-34 पर गड्ढों की भरमार

बालाघाट-नैनपुर मार्ग की बदहाल स्थिति से लोग परेशान, गड्ढों से बढ़ा हादसों का खतरा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट से नैनपुर को जोड़ने वाला मार्ग, जो कि नेशनल हाईवे-34 के अंतर्गत आता है, बीते कुछ महीनों से बदहाल स्थिति में है। मार्ग पर जगह-जगह बड़े और गहरे गड्ढे हो गए हैं, जिससे यहां से आवागमन करने वाले स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क पर बने गड्ढों के कारण वाहन चालकों को आए दिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कुछ पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने भी बताया कि मार्ग की जर्जर स्थिति के चलते न केवल यातायात प्रभावित हो रहा है, बल्कि दुर्घटनाओं की संख्या में भी लगातार वृद्धि हो रही है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग बेहद खतरनाक साबित हो रहा है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि सड़क की स्थिति का तत्काल निरीक्षण कर गड्ढों की मरम्मत कराई जाए, ताकि आवागमन सुचारू हो सके और दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

इन दिनों बालाघाट से नैनपुर को जोड़ने वाला मार्ग, विशेषकर बालाघाट से समनापुर तक का हिस्सा, अत्यंत खराब हालत में पहुंच गया है। यह मार्ग बालाघाट से भटेरा,खैरी, कुमारी, धापेवाडा सहित कई अन्य ग्रामों से होकर गुजरता है, जहां सड़क की स्थिति और भी अधिक खस्ताहाल बनी हुई है। स्थानीय निवासियों के अनुसार यह मार्ग नेशनल हाईवे होने के कारण 24 घंटे आवागमन के लिए उपयोग में रहता है। ग्रामीण क्षेत्र का एक बड़ा वर्ग प्रतिदिन इसी मार्ग से बालाघाट शहर आता-जाता है, लेकिन सड़क की जर्जर हालत के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि मार्ग पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बन चुके हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग बेहद जोखिम भरा हो गया है, वहीं बरसात के दौरान स्थिति और भी भयावह हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस उद्देश्य से इस मार्ग को नेशनल हाईवे का दर्जा दिया गया था, उसके अनुरूप न तो सड़क का चौड़ीकरण किया गया और न ही इसे मजबूती के साथ निर्मित किया गया। जबकि यह मार्ग क्षेत्र के व्यस्ततम मार्गों में से एक है और इसे गुणवत्ता युक्त बनाया जाना आवश्यक था। कई बार वाहन खराब हो जाते हैं और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि मार्ग की बदहाल स्थिति का संज्ञान लेते हुए तत्काल प्रभाव से सड़क पर बने गड्ढों को भरवाया जाए तथा मार्ग की मरम्मत कर आवागमन को सुरक्षित और सुचारू बनाया जाए।

गड्ढों से बढ़ रहा हादसों का खतरा - भोरसिंह

मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत भटेरा के सरपंच भोरसिंह मोहारे ने नेशनल हाईवे की खराब स्थिति को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। उन्होंने बताया कि उनकी पंचायत क्षेत्र से होकर गुजरने वाले नेशनल हाईवे पर बीते कुछ महीनों से बड़ी संख्या में गड्ढे हो गए हैं, जिससे मार्ग की मरम्मत अत्यंत आवश्यक हो गई है। सरपंच ने कहा कि यह मार्ग 24 घंटे आवागमन में रहता है और यहां भारी वाहनों की लगातार आवाजाही होती है। ऐसे में सड़क की जर्जर स्थिति दुर्घटनाओं को न्योता दे रही है। गड्ढों के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। उन्होंने संबंधित विभाग से मांग की है कि यातायात के दबाव और जनहित को ध्यान में रखते हुए इस नेशनल हाईवे की शीघ्र मरम्मत कराई जाए ।

विभाग को पत्राचार भी किया जा चुका है - सावन

मार्ग की खराब स्थिति को लेकर ग्राम पंचायत कुम्हारी के सरपंच सावन पिछोड़े ने दूरभाष पर चर्चा के दौरान गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि बीते कई महीनों से यह मार्ग अत्यंत जर्जर अवस्था में है और उनके क्षेत्र में आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। सड़क पर बने गहरे गड्ढों से बचने के प्रयास में वाहन चालक असंतुलित होकर गिर जाते हैं, जिससे गंभीर हादसे हो रहे हैं। विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग अत्यंत खतरनाक बन गया है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके क्षेत्र की बड़ी आबादी का रोजाना बालाघाट आना-जाना लगा रहता है और यह मार्ग 24 घंटे आवागमन में रहता है। बावजूद इसके सड़क की हालत इतनी खराब है कि लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरपंच सावन पिछोड़े ने बताया कि इस समस्या को लेकर पंचायत स्तर पर संबंधित विभाग को पत्राचार भी किया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। उन्होंने विभाग से मांग की है कि जनहित को देखते हुए इस मार्ग की तत्काल मरम्मत कराई जाए, ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके और आवागमन सुचारू हो सके।

आवश्यकता है
दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है
पद-03 पद
मिलने का समय प्रातः-10.30 से रात्रि 8.30 बजे तक
संपर्क करें-गीता प्लाई एण्ड हार्डवेयर सिंधु भवन के बाजु में गोंदिया रोड, बालाघाट
मो.-9425139039

आवश्यकता है
कार ड्राइवर की आवश्यकता है कार बुकिंग पर नही चलती वारासिवनी के आसपास के ड्राइवर ही सम्पर्क करें अच्छा वेतनमान
इस नबंर पर सम्पर्क करें
9329595770

गांधी चौक में चल रही राम कथा महापुराण

राम-जानकी विवाह के साक्षी बने धर्मप्रेमी

पद्मेश न्यूज।कटंगी। नगर के गांधी चौक में जारी संगीतमय श्रीराम कथा महापुराण के पांचवें दिन व्यासपीठ पर आसीन कथावाचक संत श्री माधव दास जी महाराज ने राम-जानकी विवाह का सुंदर वर्णन करते हुए राम कथा सुनाई। राम कथा में संदीप चौधरी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम और उनकी धर्मपत्नी एकता चौधरी ने मां सीता का किरदार निभाया जिनका कथा स्थल पर विवाह हुआ और इस विवाह के तमाम धर्मप्रेमी साक्षी बने। दोनों ने कथावाचक का आशीर्वाद प्राप्त किया। आदर्श जीवन शैली और सामाजिक समरसता का भाव जागृत करने के लिए नगर में समस्त धर्म प्रेमियों, नगर वासियों और तुलसी रामायण महिला मंडल के संयुक्त तत्वाधान में 15 दिसंबर से संगीतमय श्री राम कथा महापुराण का आयोजन किया गया है। शुक्रवार को कथावाचक ने श्रीराम सीता विवाह, लक्ष्मण परशुराम संवाद सहित अन्य प्रसंगो की कथा सुनाई। महाराज ने बताया कि माता सीता के स्वयंवर में भगवान राम और लक्ष्मण जनकपुरी पहुंचे जहां राजा जनक ने उनका भव्य स्वागत सत्कार किया जाता है। राजा जनक ने अपनी प्रतिज्ञा से सभी को अवगत कराते हैं कि जो भी शिव धनुष को तोड़ेगा उसी के साथ जानकी का विवाह होगा। राजा जनक का प्रण सुनकर देश देशांतर के बलशाली राजा आए लेकिन तमाम कोशिश के बाद भी धनुष नहीं तोड़ पाए और गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर भगवान राम ने धनुष उठा लिया। भगवान राम के छूते ही धनुष टूट गया और जानकी ने राम जी के गले में वरमाला डाल देती हैं। देवता ऊपर से पुष्प वर्षा करते हैं और चारों ओर खुशियां छा जाती हैं। राम कथा के बीच-बीच में कथावाचक सुंदर भजनों की प्रस्तुति देते रहे जिसे सुनकर धर्मप्रेमी मंत्रमुग्ध होकर भक्ति में झूमते हुए नजर आ रहे थे। शाम साढ़े 05 बजे आज की कथा को विराम देते हुए आरती और प्रसादी का वितरण किया गया। शनिवार को वनवास प्रस्थान, रविवार को केवट मिलाप, सोमवार को भरत मिलाप और फिर अंतिम दिन यानी मंगलवार को राम राज्याभिषेक की कथा का वाचन के साथ कथा का समापन होगा।

पौनी में रेत खनन करते एक ट्रैक्टर किया जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध रेत खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा सतत कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 19 दिसंबर को लांजी तहसील अंतर्गत ग्राम पौनी में अवैध रूप से रेत का खनन एवं परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर जब्त किया गया। उपसंचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि खनिज निरीक्षक सुरेश कुमार कुलस्ते एवं खनिज अमले परसाराम काकोटे, ओरीलाल एवं मोनू ठाकुर द्वारा तहसील किरनापुर के ग्राम कड़कना में छापामार कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान रेत के अवैध खनन में लिप्त पाए जाने पर ट्रैक्टर क्रमांक स्क्क-50ट्र-3953 को जब्त किया गया। वाहन चालक कृष्णा नखाते, पिता सुरत नखाते, निवासी ग्राम कड़कना, थाना किरनापुर के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है। जब्त ट्रैक्टर को थाना किरनापुर की अभिरक्षा में खड़ा किया गया है। उक्त वाहन मालिक/चालक के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई हेतु कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

तेरहवीं पुण्यतिथी

जन्म- 25-04-1926
स्वर्गवास- 20-12-2012

स्व.श्री यशवंत राव सहारे (वाय.एल.सहारे)
आपका सादा जीवन कर्मठता सत्य मार्ग पर चलने की प्रेरणा,परिवार के प्रति त्याग मितव्ययता सदा हमारा पथ प्रदर्शित करती रहेगी।
आज तेरहवीं(13वीं)पुण्यतिथि पर आपश्री के चरणों में कोटिशः श्रध्दांजली.।.।
शोकाकुल- बी.एल.सहारे(सुपुत्र) श्रीमती पुष्पा सहारे(पुत्र वधु) डॉ.अविनाश सहारे(पौत्र) डॉ.श्वेता सहारे(पौत्र वधु) एवं समस्त सहारे परिवार,गणपति हास्पिटल बालाघाट
मों.न. 9993463933

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

अपना शहर

वन विभाग की फेंसिंग के पास चीतल की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगरी क्षेत्र में इन दिनों आवारा कुत्तों की तादाद कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है, जहां आए दिन आवारा श्वान राह चलने वाले राहगीरों को अपना निशाना बना कर उन्हें काट कर घायल कर रहे हैं । तो वहीं अब आवारा कुत्तों ने चीतल को अपना शिकार बनाया है। जहां शुक्रवार की सुबह दक्षिण वन मंडल सामान्य बजरंग घाट शंकर घाट

वन परीक्षेत्र अंतर्गत विभाग द्वारा लगाई गई फैंसिंग के पास तीन से चार आवारा कुत्तों के झुंड ने क्षेत्र में विचलन कर रहे चीतल के बच्चे पर हमला बोल दिया ।जिससे 2 चितल की मौके पर ही मौत हो गई ।बताया गया कि 19 दिसंबर शुक्रवार की सुबह स्थानीजनों रोजाना की तरह बजरंग घाट शंकर घाट क्षेत्र में वाकिंग कर रहे थे ।तब उनकी नजर फेसिंग के पास म्रत पड़े चीतल पर पड़ी ।अनुमान लगाया जा रहा है आवारा कुत्तों ने चीतल को दौड़ाया होगा और वह फेंसिंग से टकराकर गया होगा ।जिसके बाद आवारा कुत्तों ने हमला कर उसका शिकार किया होगा। हालांकि चीतल की मौत कैसे हुई फिलहाल इसकी पुष्टि वन विभाग से नहीं हो पाई है मामले की पुष्टि के लिए बालाघाट रेंजर हिमांशु राय के दूरभाष नंबर क्रमांक 9424790203 पर दो से तीन बार संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन रेंजर हिमांशु राय ने फोन कॉल रिसीव नहीं की। जिसके चलते यह तय नहीं हो पाया है कि चीतल की मौत कैसे हुई और अन्य चीतलों को बचाने के लिए विभाग द्वारा क्या किया जा रहा है। बहरहाल जो तो तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई है उसमें आवारा श्वानों द्वारा चीतल का शिकार किए जाने की बात कही गई है।

ब्रेक फेल होने से गांगुलपारा पहाड़ी से जा टकराया धान से भरा ट्रक

4 घंटे फंसा रहा ड्राइवर, पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकालकर पहुचाया अस्पताल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भरवेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांगुलपारा घाटी में बीती रात उस वक्त हड़कंप मच गया,जब एक धान से भरा ट्रक गांगुलपारा पहाड़ से जा टकराया ।जिससे जहा एक ओर ट्रक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया, तो वही ट्रक ड्राईवर करीब 4 घटे ट्रक में ही फसा रहा ।गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई जान हानि नही हुई ,बताया गया कि हादसे के फौरन बाद स्थानीय लोग मदद के लिए मौके पर आ गए,उन्होंने मामले की सूचना तत्काल पुलिस को दी, जहा मौके पर पहुची भरवेली पुलिस ने स्थानीय लोगो की मदद से करीब 4 घण्टे से ट्रक में फंसे ड्राईवर को सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुचाया है ।ड्राईवर का नाम अर्जुन ठकरेले कुम्हारी निवासी बताया गया है ।जिसका जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

ब्रेक फेल होने से हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन दिनों विभिन्न केंद्रों में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी उसका परिवहन जोरो से जारी है। बताया गया कि ग्राम कुम्हारी निवासी ट्रक ड्राईवर अर्जुन ठकरेले बिरसा तहसील के जानपुर खरीदी केंद्र से एक ट्रक धान भरकर निकला था, जो खापा वारासिवनी कैप की ओर जा रहा था ।अभी वह ट्रक गांगुलपारा घाटी उतर ही रहा था कि ट्रक का ब्रेक फेल हो गया ।जिससे धान से भरे ट्रक के साथ दर्दनाक हादसा हो गया, ट्रक का ब्रेक फेल होने से ट्रक पहाड़ से टकरा गया। जिसमें फसे ड्राईवर को करीब 4 घंटे बाद निकाला गया। इस दौरान दोनों ओर यातायात प्रभावित रहा। मौके पर भरवेली पुलिस और राहगीरों ने सहयोग किया। यह ट्रक हादसा गुरुवार की रात्रि करीब 9.30 बजे का बताया जा रहा है ।जबकि रात्रि करीब 1 बजे ट्रक के स्टेरिंग के पास फसे ड्राईवर को सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

खाई में गरिने से बचाने के लिए पहाड़ से टकरा दिया ट्रक

बताया जा रहा है कि गांगुलपारा घाटी में ट्रक का ब्रेक फेल होने से ट्रक अनियंत्रित हो गया ।जिसपर ट्रक चालक ने बड़े हादसे को टालते हुए,बड़ी चतुराई से तेज रफ्तार ट्रक पहाड़ से टकरा दिया ।बताया गया कि यदि ट्रक खाई की ओर चला जाता तो बड़ी दुर्घटना घट जाती ।जिंसमे भारी जान माल का नुकसान उठाना पड़ सकता था ।उधर पहाड़ से टकराने से ट्रक का केबिन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया वहीं ड्राईवर स्टेयरिंग में ही फंस गया ।उधर हादसा देख रहागीर भी मदद के लिए दौड़ पड़े, लेकिन ड्राइवर बहुत ही बुरी तरह से फंस चुका था ।राहगीरों ने पुलिस, 112 डायल और 108 एम्बुलेंस को कॉल किया गया सूचना मिलने पर पुलिस, एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। वहीं सहायता के लिए कांग्रेस नेता भूरू पटेल भी अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और जेसीबी मशीन, हाइड्रा मशीन की मदद से ड्राइवर को निकालने का प्रयास किया, गैस कटर भी लाया गया और उससे भी कोशिश की गई। पुलिस, ग्रामीणों और राहगीरों ने मशीनों के सहायता से ड्राइवर को बाहर निकाला।

बुरी तरह से फंसा था ड्राइवर का पैर,निकालने में लग गया 4 घण्टे का समय

बताया जा रहा है कि इस हादसे में जिस तरह से ड्राईवर का पैर फंसा था उसे निकालने में क़रीब 4 घंटे की कड़ी मशक्कत करनी पड़ी ,आखिरकार सभी की मदद से रात्रि करीब 12.30 से 1 बजे के बिच में ड्राईवर को बाहर निकाला गया ।इसी दौरान दोनों ओर वाहनों का लंबा जाम लगा गया। इधर, सुरक्षित ड्राईवर को बाहर निकाल कर एंबुलेंस की सहायता से बालाघाट अस्पताल लाया गया। ड्राईवर का पैर फैक्चर होने की बात बताई जा रही हैं। जिसके बाद यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हुई।

एक सप्ताह के भीतर यह दूसरी घटना

इस हादसे में ड्राईवर गंभीर रूप से घायल हो गया है जिसका जिला अस्पताल में उपचार जारी है ।लेकिन इस हादसे में ट्रक के परखचे उड़ गए है ।धान से लदे ट्रक से यह दूसरी बड़ी घटना है। इसके पूर्व मगरदर्रा के समीप भी धान से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया था ।अब गांगुलपारा घाटी में ब्रेक फेल होने से धान से भरे ट्रक के साथ यह हादसा हुआ है ।ऐसे में धान के परिवहन कार्य में लगे ट्रकों के फिटनेस को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं ।आखिर परिवहन में लगे ट्रक की फिटनेस सही है कि नहीं, यह विभाग को संज्ञान में लेने की आवश्यकता है। क्योंकि एक सप्ताह के भीतर यह दूसरी घटना घटित हो चुकी है यदि परिवहन में लगे ट्रकों के फिटनेस पर ध्यान नहीं दिया गया तो आगे भी ऐसी घटनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता।

पिकअप और मोटरसाइकिल के बीच हुई भिड़ंत

कॉलेज की तीन छात्राओं सहित एक महिला घायल

चारों घायलों का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार, बंजारी घाटी, मशीन टोला गर्रा का मामला, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम गर्रा मशीनटोला बंजारी घाटी के पास शुक्रवार की सुबह करीब 11:30 बजे उस वक्त हड़कंप मच गया। जब एक पिकअप वाहन और स्कूटी के बीच जबरदस्त भिड़ंत हो गई। आमने-सामने की हुई इस भिड़ंत में स्कूटी में सवार सरदार पटेल कॉलेज में अध्यनरत तीन छात्राएं सहित घर के सामने धूप सेक रही एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई ।उधर हादसे के बाद सभी चारो घायलों को एक स्कूली वैन की मदद से उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। जहां सभी चारों घायलों का उपचार जारी है।

घायलों में इनका शमावेश

इस सड़क हादसे में गम्भीर रूप से घायल छात्राओ में गुजरी चौक निवासी 18 वर्षीय प्राची पिता जयकुमार गुप्ता, नर्मदा नगर निवासी 18 वर्षीय खुशी पटले और बालाघाट निवासी भूमिका बेरा के नाम का शमावेश है ।जबकि घर के सामने अन्य महिलाओं के साथ खड़ी होकर धूप सेक रही गर्रा मशीनटोला निवासी 29 वर्षीय महिला गायत्री पति सन्तोष यादव भी इसी हादसे में घायल हो गई ।उधर हादसे के बाद पिकप चालक द्वारा सभी घायलो को एक स्कुली वैन की मदद से उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुचाया है।

बंजारी घाट मशीन टोला के पास हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार गर्रा नदीटोला निवासी 27 वर्षीय राकेश पिता राजेंद्र गवने पेशे से ड्राइवर है, जो गर्रा और बालाघाट के बीच पिकअप वाहन चलाते है ।जानकारी के अनुसार राकेश पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 50- जेड जे 2638 लेकर सीमेंट छोड़ने के लिए वारासिवनी गए थे। जो सीमेंट छोड़कर वापस गर्रा आ रहे थे,जैसे ही वे गर्रा मशीन टोला के पास पहुंचे वैसे ही प्राची गुप्ता, खुशी पटले और भूमिका बेरा जो एक ही स्कूटी में सवार होकर सरदार पटेल कॉलेज की तरफ जा रही थी उनकी मोटरसाइकिल और पिकअप सीधी भिड़ंत हो गई। जिसमें सदर पटेल यूनिवर्सिटी में बीसीए की पढ़ाई करने वाली तीनों छात्राएं प्राची गुप्ता खुशी पटले और भूमिका बेरा घायल हो गई वही छात्राओं की मोटरसाइकिल धूप सेक रही महिलाओं में से गायत्री यादव को लगी, जिससे गायत्री भी इस हादसे का शिकार हो गई। जबकि गायत्री के साथ धूप सेक रही, महिलाओं में नंदिनी पति लक्ष्मी यादव 29 वर्ष ,और आमना पति पप्पू यादव 28 वर्ष इस हदसे बाल बाल बच गई।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

उधर इस हादसे के बाद दोनों ओर से आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है ।जहां इस हादसे में घायल छात्राएं पिकअप चालक की गलती बताते हुए, ठोस मारकर घायल उन्हें करने की बात कह रही है तो वही पिकअप चालक द्वारा रांग साईड से छात्राओं द्वारा स्कूटी चलाते हुए आकर पिकअप को ठोस मारे जाने की बात कही गई है। चर्चा के दौरान पिकअप चालक राकेश गवने ने बताया कि छात्राएं गलत साइड से स्कूटी चलाते हुए पिकअप से आकर टकराई है और घायल हो गई जिसके बाद उन्होंने तीनों छात्राओं और घायल महिला को स्कूल की एक निजी वैन से उपचार के लिए स्वयं जिला अस्पताल पहुंचाया है और वह स्वयं भी जिला अस्पताल उन्हें देखने के लिए पहुंचे हैं। उधर मामले की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

ताज नगर चौक पर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा, वार्डवासियों ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद प्रतिनिधि सहित वार्ड के कुछ नागरिकों द्वारा पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि शहर के बैहर चौकी क्षेत्र अंतर्गत ताज नगर चौक पर असामाजिक तत्वों का भारी जमावड़ा बना रहता है। पार्षद प्रतिनिधि ने अवगत कराया कि उक्त चौक पर कुछ लोग खुलेआम शराब का सेवन करते हैं, जिससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। इससे स्थानीय नागरिकों, महिलाओं और राहगीरों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है तथा असुरक्षा की भावना भी बनी हुई है। ज्ञापन के माध्यम से वार्डवासियों ने मांग की है कि ताज नगर चौक पर पुलिस गश्त बढ़ाई जाए और शराब पीने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रह सके। साथ ही चौक की व्यवस्था को सुधारने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने की मांग भी की गई है। शहर के वार्ड क्रमांक 3 अंतर्गत ताज नगर चौक क्षेत्र में लगातार बढ़ रही अव्यवस्था और असामाजिक गतिविधियों से परेशान वार्डवासियों ने पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बहाल करने की मांग की गई है। पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते कुछ दिनों से ताज नगर चौक के सामने प्रतिदिन शाम के समय अज्ञात एवं असामाजिक तत्व शराब का सेवन कर हुड़दंग मचाते हैं, जिससे पूरे चौक क्षेत्र में अशांति का माहौल निर्मित हो जाता है। इन गतिविधियों के चलते स्थानीय नागरिकों, महिलाओं एवं बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि ताज नगर चौक के समीप ही एक शादी हॉल भी स्थित है, जहां समाज के विभिन्न कार्यक्रम एवं आयोजन नियमित रूप से होते रहते हैं। ऐसे में असामाजिक तत्वों द्वारा की जा रही गतिविधियों से आयोजनों में भी व्यवधान उत्पन्न हो रहा है और सामाजिक वातावरण प्रभावित हो रहा है। सोहेल खान ने आगे बताया कि कई बार इन असामाजिक तत्वों और मोहल्ले के युवकों के बीच विवाद की स्थिति भी बन चुकी है, जिसके चलते मारपीट और झगड़े जैसी घटनाएं सामने आई हैं। इससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है और कभी भी बड़ी घटना घटित होने की आशंका बनी रहती है। ज्ञापन के माध्यम से पुलिस अधीक्षक से मांग की गई है कि ताज नगर चौक क्षेत्र में प्रतिदिन शाम के समय पुलिस गश्त बढ़ाई जाए तथा वहां स्थायी पुलिस प्वाइंट स्थापित किया जाए, जिससे असामाजिक तत्वों में पुलिस का भय बना रहे और क्षेत्र में शांति एवं व्यवस्था कायम हो सके।

एकल सुविधा केंद्र के माध्यम से रोजगार मेला, युवाओं को मिलेगा सुनहरा अवसर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट पुलिस द्वारा नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एकल सुविधा केंद्र के माध्यम से रोजगार मेले का

आयोजन किया जा रहा है। यह रोजगार मेला 23 दिसंबर को थाना रूपझर अंतर्गत उकवा मायल सभागार में आयोजित होगा। इस रोजगार मेले में एल एंड टी, सीआईआई फाउंडेशन छिंदवाड़ा, प्रथम फाउंडेशन जबलपुर सहित अन्य प्रतिष्ठित कंपनियां एवं संस्थान भाग लेंगी। मेले के माध्यम से युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण के साथ-साथ प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। चयनित अभ्यर्थियों को बालाघाट एवं आसपास के जिलों में ही रोजगार प्रदान किए जाने की व्यवस्था रहेगी। रोजगार मेले में 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे युवक-युवतियां भाग ले सकते हैं, जिनकी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं पास है। इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित तिथि एवं स्थान पर उपस्थित होकर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठा सकते हैं। पुलिस द्वारा आयोजित यह पहल नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह रोजगार मेला बालाघाट पुलिस द्वारा आयोजित किया जा रहा है। युवाओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए बालाघाट पुलिस द्वारा मोबाइल नंबर भी जारी किए गए हैं, जिन पर युवा 9981711198 एवं 9399927673 पर संपर्क कर रोजगार मेले से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

लामता तहसील के पटवारी जितेंद्र शर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बालाघाट गोपाल सोनी ने लामता तहसील के हल्का नंबर 21 एवं 22 के तत्कालीन पटवारी जितेंद्र शर्मा को शासकीय कार्यों में लापरवाही बरतने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए। पटवारी श्री शर्मा को 22 दिसम्बर को प्रातः 11 बजे समक्ष में उपस्थित होकर अपना स्पष्टिकरण प्रस्तुत करने कहा गया है। अन्यथा उनके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की चेतावनी दी गई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में ग्राम चाचेरी निवासी सुरमन मर्सकोले की धान फसल को जंगली जानवरों द्वारा क्षति पहुंचाए जाने की घटना हुई थी। लेकिन तत्कालीन पटवारी जितेंद्र शर्मा द्वारा फसल क्षति का समय सीमा में आकलन नही किया गया था, जिसके कारण सुरमन को फसल क्षति का मुआवजा मिलने में विलंब हुआ था।

बूढ़ी पानी टंकी के नीचे से कचरा हटाया गया

विरोध के बाद नगर पालिका ने की कार्यवाहीं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर की बूढी पानी टंकी के नीचे नगर पालिका द्वारा कचरा संग्रहण किए जाने को लेकर क्षेत्र के कुछ वार्डवासियों ने विरोध करते हुए नाराजगी जताई थी। वार्डवासियों का कहना था कि पानी टंकी के नीचे कचरा जमा होने से गंदगी फैल रही है और दुर्गंध के कारण आसपास के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों के विरोध को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका ने तत्काल कार्रवाई की और पानी टंकी के नीचे जमा पूरे कचरे को हटाकर स्थल की साफ-सफाई कराई गई। नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा शहर के बूढी क्षेत्र स्थित पानी टंकी के नीचे किए जा रहे कचरा संग्रहण को हटा दिया गया है। बीते कुछ दिनों से इस स्थान पर कचरा डंप किए जाने के कारण आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। क्षेत्र में लगातार बदबू फैलने के साथ-साथ संक्रमण का खतरा भी बना हुआ था, खासकर समीप स्थित जिला चिकित्सालय को देखते हुए स्थिति और भी गंभीर हो गई थी। स्थानीय लोगों का कहना था कि नगर पालिका द्वारा पानी टंकी के नीचे नियमित रूप से कचरा डंप किया जा रहा था, जिससे आसपास का वातावरण दूषित हो रहा था। इस समस्या को लेकर 18 दिसंबर को क्षेत्र के स्थानीय निवासियों ने मौके पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन भी किया था और नगर पालिका

से तत्काल कचरा हटाने की मांग की थी। स्थानीय निवासियों के विरोध और शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका ने 19 दिसंबर को पानी टंकी के नीचे किए जा रहे कचरा डंप को पूरी तरह से हटा दिया। इसके साथ ही पूरे क्षेत्र में साफ-सफाई कर स्वच्छता व्यवस्था बहाल की गई है। नगर पालिका द्वारा की गई इस कार्रवाई से क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली है। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में इस स्थान पर दोबारा कचरा डंप नहीं किया जाना चाहिये ।

आस-पास की खबरे

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

37 युवाओं ने रक्तदान के लिए दी सहमति

रक्तदान के लिए मुस्लिम समाज एकजुट

मानव सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल पेश करते हुए लालबर्रा के मुस्लिम समाज ने रक्तदान जैसे पुनीत कार्य के लिए संगठित होकर सराहनीय पहल की है। साथ ही जल्द लालबर्रा में मुस्लिम समाज के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा। चर्चा में मददगार कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि पूर्व में मददगार कमेटी लालबर्रा के नाम से रक्तदान शिविर आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया था, किंतु पंजीयन नहीं हो पाने के कारण अब विधिवत रूप से पंजीकृत सक्षम लोक मददगार एवं शिक्षा समिति के बैनर तले यह जनसेवी कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। वहीं आगामी समय में होने वाले रक्तदान शिविर में मुस्लिम समाज के 37 युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान करने की सहमति प्रदान की है। जिसमें हाफ़िज़ इरशाद अहमद खान, सलमान कुरैशी, अकील खान, एजाज़ खान, मोबीन अहमद, शेख नदीम, शहबाज़ रंगरेज़, राशिद अली उर्फ़ भाई रससु, नावेद खान, निज़ाम रंगरेज़, आसिफ वारसी, फरहान खान, मतीन रजा, साहिल कुरैशी उर्फ़ छोटू, जनाशिर कुरैशी, जैनुल आब्दीन मंसूरी, अयान खान, आसिफ कुरैशी, असीम कुरैशी, जुनैद चिश्ती, अशफाक़ कुरैशी, अर्बाज़ खान, आदिल इक्का, अब्दुल नईम शेख, सरफ़राज खान, आरिफ़ रंगरेज, अरमान खान, रिज़वान कुरैशी, तसलीम 'तस्सु' कुरैशी, मोहम्मद कौसन कुरैशी, दानिश खान, मननान सब्ज़ी, अयाज़ खान, रियाज़ अली, सोहेल भाई बोरी, इजहारएवं शाहनवाज खान शामिल हैं। आगे बताया कि रक्तदान इस्लाम की शिक्षाओं के अनुरूप मानव सेवा का सर्वोच्च रूप है। एक यूनिट रक्त कई जिन्दगी को जीवनदान दे सकता है।

गढ़वाल समाज लालबर्रा मंडल की आवश्यक बैठक 21 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी स्थित गढ़वाल समाज मंडल भवन में अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढ़रवानी (लालबर्रा) के तत्वावधान में 21 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से मंडल स्तरीय सामाजिक बैठक आयोजित की गई है। चर्चा में मंडल उपाध्यक्ष चंद्रकुमार ब्रम्हे ने बताया कि वर्तमान मंडल कार्यकारिणी का कार्यकाल 7 जनवरी 2026 को समाप्त हो रहा है। इसलिए गढ़वाल समाज लालबर्रा मंडल की बैठक 21 दिसंबर को आयोजित की गई है। बैठक में आय-व्यय का विवरण सर्वसम्मति हेतु प्रस्तुत किया जायेगा एवं नये मंडल अध्यक्ष के चुनाव को लेकर भी विस्तृत चर्चा की जायेगी। साथ ही कार्यवाहक अध्यक्ष की अनुमति से अन्य सामाजिक विषयों पर भी चर्चा की जायेगी। इस अवसर पर पांढ़रवानी मंडल (लालबर्रा) के अंतर्गत आने वाले ग्राम पांढ़रवानी, कटंगटोला, आमाटोला, अतरी, छोटी पनबिहरी, बड़ी पनबिहरी, मानपुर, औल्याकन्हार, अमोली एवं लालबर्रा के स्वजातीय बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील मंडल उपाध्यक्ष चंद्रकुमार ब्रम्हे ने की है।

आखिर कब सुधरेगी लालबर्रा तहसील की व्यवस्थाय

समय पर नही पहुंच रहे तहसील के कर्मचारी एवं अधिकारी!!

अनुभवी स्टाफ की कमी, न्याय की आस में भटक रहे पक्षकार, व्यवस्था सुधारने की जिला प्रशासन से उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित तहसील कार्यालय इन दिनों अव्यवस्थाओं का केंद्र बन गया है। शासन की महत्वपूर्ण इकाई होने के बावजूद समय पर कर्मचारी एवं अधिकारीगण नही पहुंच पा रहे है एवं पहुंचने के बाद भी कार्य में विलंब करते है। साथ ही अनुभवी कर्मचारियों की कमी भी है एवं पीठासीन अधिकारी (तहसीलदार) भी अपने निर्धारित समय पर सुनवाई के लिए उपस्थित नही होते है। जिससे न्यायालयीन प्रकरणों की सुनवाई न होने के कारण तारीख पर तारीख का सिलसिला जारी है। ऐसी स्थिति में दुर-दराज से आने वाले पक्षकारों के साथ ही अधिवक्तागणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं अधिवक्तागण एवं पक्षकारों का कहना है कि जिस समय तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम जी पदस्थ थे उस समय कर्मचारी एवं बाबू लोग समय पर आते थे एवं काम भी करते है। प्रकरणों की सुनवाई होने के साथ ही निराकरण भी होते थे, लेकिन उनके स्थानांतरण होने के बाद से तहसील कार्यालय की व्यवस्था बे-पटरी हो गई है। समय पर कर्मचारी एवं बाबूगण नही आते है एवं जिम्मेदार अधिकारी भी अपने निर्धारित समय पर सुनवाई के लिए उपस्थित नही होते है। जिसके कारण सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और प्रकरणों की सुनवाई बढ़ते ही जा रही है जिससे सबसे अधिक परेशान पक्षकार हो रहे है। साथ ही कई महत्वपूर्ण मामलों में सुनवाई पूरी होने के बाद भी आदेश पारित नहीं किये जा रहे हैं, जिससे न्याय प्रक्रिया ठप पड़ी है। इसलिए जिला प्रशासन एवं क्षेत्रीय विधायक से मांग है कि तहसील कार्यालय का निरीक्षण कर अनुभवी कर्मचारियों की जो कमी है उनकी नियुक्ति करने के साथ ही व्यवस्था में सुधार करवाये ताकि दुर-दराज से आने वाले पक्षकारों के प्रकरणों की समय पर सुनवाई होने के साथ ही उन्हे न्याय मिल सके।

बाबुओं की मनमानी और स्टाफ की कमी

आपकों बता दें कि प्रदेश सरकार की मंशा है कि राजस्व सहित अन्य प्रकरणों का समय-सीमा के अंदर निराकरण कर हितग्राहियों को लाभ दिलवाना है परन्तु लालबर्रा तहसील कार्यालय में एक तहसीलदार, दो नायब तहसीलदार का पद स्वीकृत है परन्तु एक नायब तहसीलदार सहित अन्य कर्मचारियों की कमी के चलते काम का बोझ अधिक होने एवं अन्य कर्मचारी व बाबू के द्वारा समय पर काम नही करने के कारण दुर-दराज से आने वाले ग्रामीणजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस तरह से लालबर्रा में बाबूओं की मनमानी चल रही है। साथ ही प्रकरणों की भी सुनवाई भी नही हो पा रही है। साथ ही तहसील कार्यालय में अव्यवस्था का आलम है। वहीं लोगों का कहना है कि तहसील कार्यालय में अनुभवी स्टाफ की कमी है। जो कर्मचारी कार्यरत हैं, वे भी समय पर नही आते है। कार्यालयीन समय में बाबू अपनी सीटों से गायब रहते हैं, जिससे राजस्व संबंधी कार्यों के लिए आने वाले लोगों को घंटों भटकना पड़ता है। कर्मचारियों की कमी और कार्य के प्रति उदासीनता के कारण फाइलों का अंबार लग गया है। इस अव्यवस्था को लेकर अधिवक्ताओं में काफी आक्रोश देखा रहा है। अधिवक्ताओं का कहना है कि पीठासीन अधिकारी के समय पर न बैठने और कर्मचारियों के असहयोग के कारण पक्षकारों सहित हम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही राजस्व सहित प्रकरणों के मामलों के लंबित होने से आम जनता का प्रशासन पर से विश्वास कम हो रहा है। इसलिए जिला प्रशासन एवं क्षेत्रीय विधायक से मांग करते है कि लालबर्रा तहसील कार्यालय का निरीक्षण कर तहसील कार्यालय में रिक्त पदों पर अनुभवी स्टाफ की नियुक्ति, अधिकारियों और कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करवाने, लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण के आदेश दिये जाने की मांग करते है ताकि पक्षकारों के प्रकरणों की सुनवाई समय पर हो सके एवं उन्हे न्याय मिल सके और लोग परेशान न हो।

प्रकरणों का समय पर नहीं हो पा रहा निराकरण - मनोज

अधि. मनोज शर्मा ने बताया कि तहसील कार्यालय में दूर दराज से बड़ी संख्या में ग्रामीणजन रोजाना राजस्व संबंधित काम के लिए आते हैं। लेकिन पीठासीन अधिकारी एवं संबंधित बाबू समय पर उपस्थित नहीं होने के कारण उनके काम समय पर नही हो पा रहे है। ऐसी स्थिति में उन्हे निराश होकर वापस लौटना पड़ता है जिससे पक्षकार सहित अन्य लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री शर्मा ने बताया कि बहुत से प्रकरण है जिनमें आदेश होना है, लेकिन आदेश भी समय पर नहीं हो पा रहे हैं जिससे प्रकरणों का निराकरण में विलंब हो रहा है। साथ ही यह भी बताया कि क्षेत्रीय विधायक से तहसील कार्यालय की समस्या को लेकर शिकायत की गई है, क्षेत्रीय विधायक एवं कलेक्टर महोदय से मांग है कि तहसील कार्यालय का निरीक्षण का व्यवस्था में सुधार करे एवं कर्मचारियों की कमी है उसे पुरा करें।

व्यवस्था में सुधार करें प्रशासन - केवल

अधि. केवल उके ने बताया कि अधिकारी और कर्मचारी समय पर अपने कक्षों में उपस्थित नहीं हो रहे हैं, जिसका सीधा असर दूर-दराज से आने वाले ग्रामीणों और पक्षकारों पर पड़ रहा है। साथ ही यह भी बताया कि पूर्व तहसीलदार श्री टेकाम जी के कार्यकाल में कार्यालयीन व्यवस्थाएं काफी अनुशासित थी। समय पर सभी कर्मचारी सुबह 10.30 बजे तक पहुंच जाते थे एवं देरी करने वालों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाती थी। वर्तमान में स्थिति इसके ठीक विपरीत है, तहसीलदार के उपस्थित होने के बावजूद अन्य कर्मचारी अपनी मर्जी से कार्यालय पहुंचते है। श्री उके ने बताया कि तहसील कार्यालय में कर्मचारियों की कमी है, पर्याप्त स्टाफ न होने के कारण राजस्व प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक देरी हो रही है। पक्षकारों को अपने छोटे-छोटे कार्यों के लिए बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जिससे उनके समय और धन दोनों की हानि हो रही है। साथ ही यह भी बताया कि कई बाबू और कर्मचारी समय पर नहीं मिलते, जिससे फाइलें लंबित पड़ी है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग की है कि तहसील कार्यालय में रिक्त पदों पर जल्द भर्ती की जाये और कर्मचारियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति या अन्य माध्यमों से समयबध्दता सुनिश्चित की जाये ताकि आम जनता को सुलभ और शीघ्र न्याय मिल सके।

भौरगढ़ का लिल्हारे मेडिकल स्टोर्स किया गया सीलबंद

बगैर फार्मासिस्ट के संचालित मेडिकल स्टोर्स पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में आम नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले मेडिकल स्टोर्स के विरुद्ध प्रशासन द्वारा सख्त रुख अपनाया जा रहा है। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर जिलेभर में औषधि प्रशासन एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मेडिकल स्टोर्स का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 19 दिसंबर को ड्रग इंस्पेक्टर एवं खैरलांजी तहसीलदार दुलारे लाल परते द्वारा ग्राम भौरगढ़ स्थित लिल्हारे मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यह गंभीर अनियमितता सामने आई कि मेडिकल स्टोर्स का संचालन बिना पंजीकृत फार्मासिस्ट के किया जा रहा था, जो औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। नियमों का पालन न किए जाने पर प्रशासन द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित मेडिकल स्टोर्स को सीलबंद कर दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना फार्मासिस्ट के दवाओं का विक्रय आमजन के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकता है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने मेडिकल स्टोर संचालकों को निर्देशित किया है कि वे निर्धारित नियमों का पूर्णतः पालन करें, अन्यथा भविष्य में भी इसी प्रकार की कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिले में आगे भी निरीक्षण अभियान निरंतर जारी रहेगा।

राष्ट्रीय एकता शिविर के लिए बालाघाट की टीम रवाना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत सरकार के युवा एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन 17 दिसंबर से 23 दिसंबर तक जबलपुर में किया जा रहा है। इस शिविर का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल (मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़) के मार्गदर्शन में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के संगठन व्यवस्था द्वारा किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय एकता शिविर में देश के विभिन्न राज्यों आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं झारखंड से लगभग 200 राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं दल प्रभारी सहभागिता कर रहे हैं। इस शिविर में सहभागिता के लिए बालाघाट जिले से राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठन/कार्यक्रम अधिकारी डॉ. डुलेश्वरी टेंभरे, शासकीय कन्या महाविद्यालय, बालाघाट की स्वयंसेविका कु. आशा डोंगरे तथा शासकीय महाविद्यालय बैहर (अर अरण्य भारती) से हेम कुमार को चयनित किया गया है। राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों को उनके महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर, डॉ. बी. एल. चौहान एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तनुश्री अगासे द्वारा शुभकामनाएं एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

राष्ट्रीय कांट्रेक्टर लेबर यूनियन ने पांढरवानी सरपंच को सौंपा ज्ञापन

मंडी प्रांगण में लेबर चौक खोलने की मांग की, मजदूरों को रोजगार मिलने में होगी आसानी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र के मजदूरों को संगठित करने और उन्हें सुलभ रोजगार उपलब्ध करवाने की दिशा में राष्ट्रीय कांट्रेक्टर लेबर यूनियन लालबर्रा ने एक सराहनीय पहल की है। शुक्रवार को राष्ट्रीय कांट्रेक्टर लेबर यूनियन लालबर्रा के पदाधिकारियों ने ग्राम पंचायत पांढरवानी पहुंचकर सरपंच अनीस खान को ज्ञापन सौंपकर हाई स्कूल मार्ग स्थित मंडी प्रांगण में लेबर चौक खोलने की मांग की है। वहीं लेबर चौक खुल जाने से मजदूरों को रोजगार मिलने में आसानी होगी। जिससे मजदूरों के साथ ही बिल्डिंग सहित अन्य संबंधित काम करने वाले ठेकेदार एवं अन्य लोगों को लाभ मिलेगा। राष्ट्रीय कांट्रेक्टर लेबर यूनियन के पदाधिकारियों का कहना है कि मंडी प्रांगण में लेबर चौक खुल जाने से मजदूरों को एक निश्चित स्थान मिल जायेगा। वर्तमान में मजदूरों को काम की तलाश में भटकना पड़ता है। लेबर चौक बन जाने से रोजगार की सुलभता, जिन ठेकेदारों या आम नागरिकों को भवन निर्माण या अन्य कार्यों के लिए मजदूरों की आवश्यकता होगी, वे सीधे चौक पर पहुंचकर अपनी जरूरत के अनुसार दिहाड़ी पर मजदूर ले जा सकेंगे। जिससे समय की बचत, काम की तलाश में मजदूरों को और मजदूरों की तलाश में लोगों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। साथ ही मजदूरों को नियमित रूप से काम मिलने की संभावना बढ़ेगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आगे कहा कि लेबर चौक खोलने का मुख्य उद्देश्य है कि क्षेत्र के श्रमिक वर्ग को एक मंच प्रदान करना है ताकि उन्हें उनके हक का काम और उचित मजदूरी मिल सके। इसी मांग को लेकर पांढरवानी सरपंच अनीस खान को ज्ञापन सौंपकर मंडी प्रांगण में लेबर चौक खोलने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान राष्ट्रीय कांट्रेक्टर लेबर यूनियन लालबर्रा के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

लेबर की समस्या होगी दूर - भगत

राष्ट्रीय कांट्रेक्टर लेबर यूनियन लालबर्रा सचिव भरतलाल भगत ने बताया कि हमारा यूनियन ठेकेदारों का यूनियन है, जिनके द्वारा बिल्डिंग वर्क का काम किया जाता है और हमें लेबर की अत्यंत आवश्यकता होती है। वहीं वर्तमान परिस्थितियों में लेबरों की कमी के कारण बिल्डिंग वर्क के लिए मजदूर की आवश्यकता पड़ने पर लेबर नहीं मिलते हैं। जिससे काम प्रभावित होता है इसलिए मंडी प्रांगण में लेबर चौक खोलने का निर्णय लिया है। श्री भगत ने बताया कि शुक्रवार को पांढरवानी सरपंच को ज्ञापन सौंपकर लालबर्रा मंडी प्रांगण में लेबर चौक खोलने की मांग की है और लेबर चौक खुलने से लेबर (मजदूर) की समस्या दुर हो जायेगी एवं उन्हे नियमित रूप से रोजगार भी मिलेगा।

पंचायत करेगी हर संभव मदद - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि राष्ट्रीय कांट्रेक्टर लेबर यूनियन ने लालबर्रा मंडी प्रांगण में लेबर चौक खोलने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा है। वहीं लेबर चौक बनने से सभी मजदूर उस चौक पर रहेंगे जिस किसी को भी मजदूर की आवश्यकता होगी वे चौक में जाकर अपनी आवश्यकता के अनुसार लेबर अपने काम के लिए ला सकेगे। जिससे ठेकेदारों और आम जनमानस को भी सुविधा होगी। श्री खान ने बताया कि सुबह 9 से 11 बजे तक मंडी परिसर में मजदूर उपस्थित रहेगें और पंचायत से अनुमति मांगी गई है जिन्हे अनुमति दे दी गई है और पंचायत यूनियन की हर संभव मदद करेगी।

घोटी केन्द्र में नही हुई धान खरीदी, ठिठुरती ठंड में 3 दिन रात्रि में धान की रखवाली करेंगे किसान

परिवहन की लचर व्यवस्था ने किसानों एवं समिति प्रबंधकों की बढ़ाई चिंता

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक अंतर्गत बनाये गये 14 धान खरीदी केन्द्रों में शासन के निर्देशानुसार 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जा रही है। वहीं खरीदी शुरू होने के 19 दिन बीत जाने के बाद भी समितियों में खरीदी गई धान का परिवहन धीमी गति से हो रहा है। साथ ही कुछ खरीदी केन्द्रों में अब तक परिवहन की शुरूआत तक नही हो पाई है। जिसके कारण खरीदी केन्द्रों में अव्यवस्था बनी हुई है जिससे किसान एवं समिति प्रबंधक खासा परेशान नजर आ रहे है। इस तरह से परिवहन व्यवस्था की लचर कार्यप्रणाली ने किसानों और समिति प्रबंधकों की चिंता बढ़ा दी है। इसी तरह ग्राम पंचायत घोटी एवं टेंगनीकला धान खरीदी केन्द्र में गत दिवस से समर्थन मूल्य में धान खरीदी की जा रही है और गुरूवार तक घोटी खरीदी केन्द्र में 15,888 क्विंटल 40 किग्रा धान खरीदी की गई है एवं परिवहन महज 560 क्विंटल ही हो पाई है। परिवहन नही होने के कारण खरीदी परिसर में खाली स्थान ही नही बचा है, जहां खरीदी कर सके। ऐसी स्थिति में शुक्रवार को घोटी खरीदी केन्द्र में धान खरीदी नही की गई। वहीं शुक्रवार को खरीदी नही होने से उपज विक्रय करने पहुंचे किसानों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए जिन किसानों ने उपज लेकर पहुंचे थे उन्होने उपज को तौलने की मांग की। लेकिन समिति प्रबंधक ने स्पष्ट रूप से खरीदी करने से मना कर दिया, जिससे किसान आक्रोशित हो गये। जिसके बाद समिति प्रबंधक के द्वारा किसानों को समस्या से अवगत करवाते हुए कहा कि परिवहन नही होने के कारण खरीदी करने में परेशानी हो रही है इसलिए आज खरीदी नही की जायेगी, जिसके बाद किसानों का आक्रोश शांत हुआ। इस तरह से घोटी धान खरीदी केन्द्र में शुक्रवार को धान खरीदी नही की गई एवं शनिवार व रविवार को छुट्टी रहेगी। इस तरह तीन दिन घोटी खरीदी केन्द्र में खरीदी नही होगी और किसानों को इस ठिठुरन ठंड में रात्रि के समय अपनी धान की रखवाली करनी पड़ेगी। इसी तरह अन्य धान खरीदी केन्द्रों में भी खरीदी गई धान का परिवहन नही होने के कारण अव्यवस्था बनी हुई है। जिससे किसान एवं समिति प्रबंधक परेशान है और जिला प्रशासन से युध्द स्तर से परिवहन करवाने की मांग कर रहे है। वहीं धान का परिवहन नही होने के कारण किसानों के खातों में भुगतान भी नही आ रहा है। जिससे किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

3 दिन ठंड में धान की रखवाली करनी पड़ेगी - बसंत

किसान बसंत बिसेन ने बताया कि उपज विक्रय करने के लिए स्लॉट बुक होने के बाद शुक्रवार को समर्थन मूल्य में धान बेचने के लिए खरीदी केंद्र पहुंचे थे परंतु परिवहन नहीं होने के कारण खरीदी केन्द्र में जगह के अभाव में खरीदी बंद कर दी गई है। तीन दिन धान खरीदी नही होगी, सोमवार से खरीदी की जायेगी। ऐसी स्थिति में तीन दिन तक रात्रि में इस ठिठुरन ठंड में धान की रखवाली करनी पड़ेगी। श्री बिसेन ने बताया कि प्रशासन को परिवहन की व्यवस्था अच्छी बनानी चाहिए ताकि समय पर परिवहन हो सके।

परिवहन नहीं होने से आ रही है समस्या - गोपाल

खरीदी प्रभारी गोपाल लानगे ने बताया कि 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जा रही है और घोटी समिति में अब तक 15888 क्विंटल 40 किग्रा धान खरीदी की गई है। जिसमें मात्र 560 क्विंटल धान का ही परिवहन हुआ है, हजारों क्विंटल धान खुले आसमान के नीचे पड़ी हुई है, मौसम को देखते हुए उन्हे व्यवस्थित किया जा रहा है। श्री लानगे ने बताया कि परिवहन नही होने के कारण व्यवस्था बिगड रही है, शुक्रवार को धान की खरीदी नही की गई है जगह के अभाव में, प्रशासन से मांग है कि तीव्र गति से परिवहन करवाये ताकि खरीदी करने में आ रही परेशानियों से निजात मिल सके।

रबी की फसल लगाने हिचकिचा रहे किसान

सितेकसा बांध के मिलने वाले पानी को लेकर किसानों में संशय

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र अंतर्गत आधा दर्जन से अधिक ग्रामीणों में सितेकसा बांध का पानी राजीव गांधी नहर परियोजना के तहत किसानों के खेतों के लिए आता है। परंतु बीते वर्ष परियोजना के द्वारा पानी नहीं दिए जाने से खेतों में होने वाले नुकसान को लेकर किसान काफी चिंतित है। इस वर्ष सितेकसा बांध के मिलने वाले पानी को लेकर किसानों के बीच संशय की स्थिति बनी है कि पानी मिलेगा या नहीं मिलेगा। वहीं पिछली परिस्थितियों को देखते हुए रबी की फसल लगाने के लिए किसान अब हिचकिचा रहे हैं जो बहुत ज्यादा परेशान है। चिंता की लकीरें उनके माथे पर स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है हालांकि परियोजना का यह अंतिम छोर पड़ता है। वहीं शासन के द्वारा चना, गेहूं ,सरसो की फसल के लिए पानी देने की बात कही जा रही है धान के लिए पानी नहीं दिया जाना है। ऐसे में हर किसान डरा हुआ है वह आशा भरी निगाहों से शासन प्रशासन की तरफ देखकर मांग कर रहा है कि उन्हें भी पानी दिया जाये। ताकि वह रबी की फसल लगाकर लाभ अर्जित कर सके।

पिछली रबी के नुकसान से डरे हुए हैं किसान

प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी खैरलाजी धान उत्पादक क्षेत्र है जहां अत्यधिक मात्रा में किसानों के द्वारा खरीफ और रबी दोनों में धान की फसल लगाई जाती है। तो वहीं कई किसान बड़ी मात्रा में गेहूं,चना, सरसों जैसी भी फसल लगते हैं जिसमें अधिकतर किसानों को ढूटी नहर के माध्यम से सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जाता है। तो वहीं आधा दर्जन से अधिक कुछ ग्राम है जहाँ राजीव सागर परियोजना की नहर से किसानों को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराया जाता है। नहर का यह अंतिम छोर पड़ता है खापा में यह राजीव सागर नहर ढूटी में मिल जाती है। ऐसे में इस बार राजीव सागर नहर के माध्यम से सितेकसा बांध का पानी किसानों को सिंचाई के लिए देने के विषय पर प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है। क्योंकि पिछले रबी के सीजन में किसानों को नहर के पानी के लिए त्राहि त्राहि करना पड़ रहा था तो वही बड़ी मात्रा में नुकसान भी सहन करना पड़ा। इसके बाद खरीफ की फसल में भी नहर का पानी पर्याप्त नहीं मिल पाया बारिश अच्छी होने से किसानों को फसल तो हो गई किंतु दिक्कतों का सामना लगातार करना पड़ा। ऐसे में इस बार रबी के लिए पानी बांध के माध्यम से दिया जाएगा नहीं दिया जाएगा यह संसय का विषय बना है। किसान डरे हुए हैं जो रबी लगाने के लिए आगे पीछे देख रहे हैं कि यदि पिछली बार जैसा रबी पर पानी नहीं मिला तो होने वाले नुकसान को लेकर वह डरे हुए हैं। वहीं नहर विभाग के अधिकारियों के द्वारा रबी में पानी नहीं दिये जाने की भी बात किसानों से कही गई है। इस प्रकार के रवैया से किसानों में सितेकसा बांध सहित प्रशासन के खिलाफआक्रोश व्याप्त है। उनके द्वारा पर्याप्त रूप से खेती में सिंचाई के लिए पानी दिए जाने और फसल की बाध्यता को खत्म किए जाने की मांग की है।

सितेकसा बांध और राजीव सागर नहर से पानी खेतों में मिलता था अब नही मिल रहा है-धूपलाल

धूपलाल मडावी ने बताया कि सितेकसा बांध और राजीव सागर नहर से पानी हमको खेतों में मिलता है। पिछली बार भी पानी नहीं मिला और खरीफमें बारिश हो गई तो बहुत अच्छा हुआ क्योंकि उस समय भी पानी नहीं मिला था। परंतु हमारी फसल बच गई वरना रबी जैसा हमारा खरीफ में भी नुकसान होता पानी नही मिलने से खेत सूख रहे हैं धरती फट रही है। हमारे द्वारा रबी में धान तो लगाया गया था जो पूरा सूख गया केवल पानी के इंतजार में इस बार हम डरे हुए हैं और सोच रहे हैं की फसल लगाये जा या नही लगाये। साधन वालों ने फसल लगा ली है बाकी अधिकांश रकबा सुखा है रबी में फसल नहीं लगाएंगे तो खरीफ में इसका नुकसान पड़ता है। हमें इस बार २० क्विंटल धान कम हुई है पिछली बार यह रुपए लेने आए थे अभी आए नहीं है आएंगे तो उनसे एक ही सवाल किया जाएगा जब पानी ही नहीं मिला तो किस बात का हम पैसा दे।

सितेकसा बांध से पानी नही मिलेगा तो रबी की फसल कैसी होगी-राजेश

किसान राजेश मडावी ने बताया कि सितेकसा बांध किसानों को सिंचाई के लिए बनाया गया है। पिछले दो वर्ष अच्छा पानी मिला फिर पिछले साल से पानी नहीं मिल रहा है। हमने जनवरी और फरवरी में रबी की फसल लगाए थे हम ही नहीं हर किसान उससे वंचित हो गया। रबी लगाने से जमीन का फायदा खरीफ में मिलता है वह भी लाभ नहीं मिला फसल लगने के बाद मेरी पूरी जमीन पड रह गई। चार एकड़ रबी लगी थी एक दाना घर नहीं ले गया पूरा भट्टा बैठ गया मजदूर ट्रैक्टर ७ बोरी डीएपी और लागत जेब से खर्च करना पड़ा। अभी सरकार और प्रशासन कहता है कि गेहूं चना सरसों रबी में लगाएंगे तो पानी देंगे धान वालों को नहीं देंगे तो आने वाला समय भी और ज्यादा खराब होने वाला है। अभी रबी हम नहीं लगा पाए तो खरीफ में माउ से बहुत ज्यादा परेशान हुए १४ क्विंटल प्रति एकड़ वाला ९ क्विंटल प्रति एकड़ सिमट गया। सितेकसा के अधिकारी भी बता रहे थे रबी का पानी नहीं देंगे यही स्थिति रही तो किसानों को वंचित होना पड़ेगा महाजनों से कर्ज लेना पड़ेगा और उनके सामने भीषण समस्या उत्पन्न होगी।

इंडोर स्टेडियम की सार्थकता हो रही साबित खिलाडी दिखा रहे राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा-प्रदीप

मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ के बैडमिंटन खिलाडी ले रहे हिस्सा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। इंडोर स्टेडियम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. रोशनलाल सराफ की स्मृति में एनबीए पीवी ओपन बैडमिंटन कप २०२५ के प्रारंभ में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। जिसमें सबसे पहले पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने इस सत्र में राज्य स्तर पर खेल दिखाने के लिये वारासिवनी के ईशान शेख व रिशिका टेटे खिलाडी को प्रोत्साहित करते हुये कहा की अब हमारे प्रयास सफल होते नजर आ रहे है। कार्यक्रम में किशोर सोनी, सरिता मनोज दांदरे नपा अध्यक्ष, संदीप श्रीवास, रमाकांत बघेल , प्रबल जायसवाल, भैयू अग्रवाल, अमित येरपूडे, मोनू लिमजे, अनिश मिश्रा, अशपाक खान, मोहित येरपूडे, आलोक खजांची, नपा मुख्य अधिकारी सूर्यप्रकाश उके मौजूद रहे। नवोदित बैडमिंटन खिलाडियों को अवसर प्रदान करने एवं बैडमिंटन खेल की बारिकियां सीखने की मंशा से यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है । इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ राज्य के लगभग एक सैकडा से अधिक बैडमिंटन खिलाडी हिस्सा ले रहे है । जिसमें बालाघाट, सिवनी, जबलपुर, बैहर, छिंदवाडा, भिलाई, सारंगगढ, रायगढ, भण्डारा , गोंदिया के खिलाडियों ने प्रतियोगिता में शामिल होकर अपने खेल का जौहर दिखायेंगे । प्रतियोगिता को ५ वर्गों मे बाटा गया है जिसमें अंडर १५ बालक वर्ग सिंगल, ओपन बालक सिंगल, ओपन बालक डबल्स, ओपन बालिका सिंगल्स, अनुभवी डबल्स सिर्फ ३५ वर्ष आयू से अधिक के लिए शामिल है । उक्त प्रतियोगिता के विजेता एवं उपविजेता को नगद राशि एवं ट्राफी प्रदान की जायेगी । पंकज परते ने बताया कि प्रतियोगिता के सभी मैच योनेक्स ३५० शटल कॉक से खेला जायेगा । सेमी फायनल बेस्ट आफथ्री १५-१५ पाईंट के होंगे फायनल २१ पाईंट के बेस्ट आफथ्री होगा । पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की हमने खिलाडीयों की मांग पर डबल कोड कोर्ट में अब पीयूसी मेट भी लगवा दिया है। जिससे नगर के प्रतिभावान खिलाडी अंतराष्ट्रीय स्तर के पैमाने में भी अपनी प्रतिभा दिखा सके। बारह मासी चौबीस घंटे अभ्यास वाले कोर्ट के लिये प्रकाश की प्रथक से और व्यवस्था के लिये नपा के अधिकारीयों को निर्देशित कर रहे है की कोर्ट के उपर अतिरिक्त प्रकाश की व्यवस्था शीघ्र की जायें। हमारे इंडोर स्टेडियम की अब अन्य बडे महानगरो में भी कापी की जा रही है। स्वंय प्रभारी मंत्री ने इसकी खुलकर सराहना कर गाडरवाडा में बनाने की बात कही है। श्री जायसवाल ने कहा की बाजू में ही स्विमिंग पूल का कार्य तेज गती से शुरू हो चुका है जल्द अब तैराकी खेल में भी बच्चे पारगंत होते नजर आयेंगे। नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने कहा की पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने पूर्व में एक छोटे से कार्य को अंतत अपनी दुरदर्शिता और काबिलियत से इंडोर स्टेडियम जैसे भव्य कार्य में परिवर्तीत करा कर इसे वारासिवनी ही नही अपितु पुरे महाकौशल की पहचान बना दिया है। किशोर सोनी ने कहा की एक ही परिसर में बैडमिंटन के डबल कोर्ट,टेबल टेनिस के डबल कोर्ट, पुल टेबल, कबडडी, शतरंज आदि खेलो की बारह मासी सुविधा देकर नपा परिषद ने खेल जगत को सही दिशा प्रदान कर खिलाडीयों के भविष्य को सुरक्षित कर दिया है। प्रबल जायसवाल ने कहा की अब क्षेत्र में प्रतिभायें किसी भी तरह की सुविधाओं की मोहताज नही रहेगी। प्रात से देर शाम तक नवोदित से लेकर युवा खिलाडीयों की बैडमिंटन की बडी फौज तैयार हो गयी है। और यह प्रतिभायें अब तो राज्य स्तर पर नगर का नाम रोशन कर इंडोर स्टेडियम की सार्थकता को सिद्ध कर रही है। मंच संचालन पत्रकार गणेश ठाकुर के द्वारा किया गया। खेल आयोजन को सफल बनाने में पंकज परते, गणेश ठाकुर , रूपेश मिश्रा ,अमित उईके ,अमान खान, प्रतिक डहाटे, कृष्णा गोखले, उजैफ खान, ओम येरपूडे, ईशान शेख की सरहनीय भुमिका रही है।

लालबर्रा रोड़ पर डेढ़ किलोमीटर का लगा जाम

ट्रक में आई खराबी के कारण जाम की स्थिति हुई निर्मित

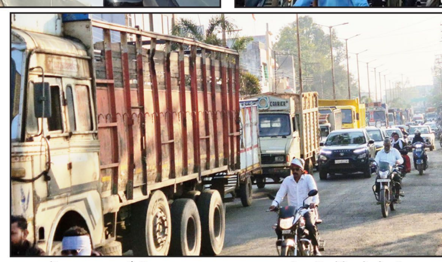

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी लालबर्रा मार्ग स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर १९ दिसंबर को उस समय जाम की स्थिति निर्मित हो गई। जब अचानक रेलवे क्रॉसिंग पर एक धान से भरा ट्रक बंद पड़ गया तो वहीं इसी दौरान ट्रेन आने पर फाटक को बंद कर दिया गया। जिसके कारण रेलवे क्रॉसिंग के दोनों तरफ सैकड़ो की संख्या में मोटरसाइकिल और छोटे बड़े वाहन की लंबी कतारे खड़ी रही। इस दौरान वाहन निकालने को लेकर दो ट्रक आमने सामने खड़े हो गए जिससे तनावपूर्ण स्थिति मौके पर बनी रही। हालांकि इस दौरान राहगीरों के द्वारा वाहन से उतरकर यातायात सुचारू प्रारंभ कराया गया। परंतु तकरीबन डेढ़ घंटे तक मौके पर तनावपूर्ण स्थिति के साथ बड़ी संख्या में जाम लग रहा। जहां सूचना मिलने पर पुलिस के द्वारा देरी से पहुंचकर मोर्चा संभाला गया।

डाइवर्ट मार्ग होने से बना है यातायात का दबाव

वारासिवनी बालाघाट मार्ग रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण के कारण बंद कर दिया गया है। यातायात को डाइवर्ट करने के लिए लालबर्रा मार्ग को डाइवर्ट मार्ग बनाया गया है। जहां से छोटे बड़े हल्के भारी सभी प्रकार के वाहन आना जाना करते हैं। वर्तमान में बड़ी संख्या में धान खरीदी भी प्रारंभ है ऐसे में लालबर्रा रोड़ रेलवे क्रॉसिंग पर लालबर्रा की ओर से वारासिवनी आ रहा ट्रक अचानक रेलवे की पटरी को पार कर लोहे के गेट के बीच में अचानक बंद पड़ गया। जिसके कारण मौके पर अच्छा खासा ट्रैफिक जाम हो गया इसमें बताया जा रहा है कि ट्रक का मुख्य पट्टा टूट गया था। यह ट्रक कहीं भी घुसकर पलट सकता था और बड़ी दुर्घटना हो सकती थी जिससे बचने के लिए उसे मौके पर ही खड़ा कर दिया गया। जहां आधे घंटे तक कोई वाहन आना जाना नहीं कर पाए तत्पश्चात वारासिवनी से कटंगी ट्रेन का आगमन होने पर रेलवे क्रॉसिंग की दोनों फाटख बंद कर दी गई। मार्ग पर वाहनों की लंबी कटारे लग गई वही ट्रक रेलवे क्रॉसिंग के पास खड़ा होने से एक साइड से ही आना जाना संभव होने पर दो ट्रक आमने सामने खड़े हो गए और पीछे हटने का नाम नहीं ले रहे थे। जहां यातायात व्यवस्था बनाकर रेलवे फाटक बंद की गई और रेलवे फाटक खुलते ही मौके पर उपस्थित विनीत जैन और राम खंडेलवाल के द्वारा यातायात व्यवस्था बनाकर एक साइड से चालू किया गया। जहां मौके पर करीब ३० मिनट की देरी से पुलिस प्रशासन पहुंचा जिन्होंने मोर्चा संभाल कर आवागमन बेहतर कराया। इस दौरान मोटरसाइकिल चालकों को जाम से निकलने में ४५ मिनट तक लगा जहां हर कोई परेशान होता रहा।

जय स्तंभ चौक से गायत्री मंदिर तक लगी रही वाहनों की कतारे

लालबर्रा रोड़ पर जाम की स्थिति इतनी भयानक रही कि लोग कहीं देर तक परेशान होते रहे। तो वही वाहनों की समय रहते निकासी नही होने के कारण जय स्तंभ चौक से गायत्री मंदिर तक वाहनों की लंबी कतारे लगी रही। तो वहीं दूसरे साइड का रोड़ पूरा खाली नजर आया। क्योंकि इस दौरान बस ट्रक ट्रैक्टर कर सभी कतार में खड़े नजर आए। इसमें वारासिवनी आने के लिए रेलवे क्रॉसिंग से गायत्री मंदिर तक छोटे.बड़े वाहनों की लंबी कतार लगी रही। तो वहीं रेलवे क्रॉसिंग से जय स्तंभ चौक तक दूसरे वाहनों की लंबी कतारे लगी रही। यह जाम पहली बार लगा बताया जा रहा है जिसको लेकर लोग काफी परेशान और आक्रोशित भी नजर आए। ऐसे में उनके द्वारा उक्त स्थान पर भी रेलवे ओवर ब्रिज बनाए जाने की मांग की गई।

ओवर ब्रिज बनने से यातायात व्यवस्था में नही होगी पेरशानी-योगराज

नगरवासी योगराज एडे ने बताया कि अभी हम गायत्री मंदिर तक अपने कार्य के लिए गए हुए थे। वहां से जब वापस आ रहे थे तो देखा की छोटे बड़े सभी प्रकार के वाहनों की लाइन गायत्री मंदिर तक लगी हुई है। मुझे बहुत देर तक इंतजार करना पड़ा इधर तरफसे अभी वाहन निकले नहीं है तो यह लाइन और लंबी हो गई होगी। बालाघाट मार्ग पर रेलवे ओवर ब्रीज बन रहा हैं जिससे वह बंद है तो इस मार्ग से यातायात आना जाना चलता है। सभी प्रकार की गाड़ियां यहीं से जा रही है ट्रैफिक बहुत ज्यादा बढ़ गया है अब रोड़ छोटा पड़ गया ऐसा लग रहा है। प्रशासन को चाहिए कि वह यहां अच्छी व्यवस्था बनाएं करीब डेढ़ किलोमीटर का यह जाम लगा हुआ है।

लालबर्रा रोड़ पर ओवर ब्रिज और अंडर ब्रिज की आवश्यकता है-विनीत

विनीत जैन ने बताया कि मुझे गायत्री मंदिर तक किसी कार्य को जाना था परंतु यहां ट्रैफिक जाम में फंस गया और उसके बाद रेलवे क्रॉसिंग के दोनों तरफ के सिग्नल बंद हो गए। क्रॉसिंग के दोनों तरफ हजार से १५०० छोटे बड़े सभी वाहन खड़े हैं लाइन लगाकर यहां पर बड़े वाहन आमने सामने आ गए थे। कोई पीछे हटने तैयार नहीं था जिस कारण यह स्थिति निर्मित हुई है यह स्थिति देख मैंने राम खंडेलवाल के साथ ट्रैफिक को साइड किया। अभी एक साइड से वाहन निकल रहे हैं पर जाम यथावत है यहां पर ओवर ब्रिज और अंडर ब्रिज की बहुत आवश्यकता महसूस हो रही है। डाइवर्ट मार्ग बनाया गया है तो प्रशासन को व्यवस्था लेती रहनी चाहिए ऐसा ही यदि रोज जाम लगेगा तो समस्या हो जायेगी। यहां जो यह एक ट्रक बंद पड़ा है इसके कारण यह स्थिति होना लग रहा है।

सेलोटपार मे संगीतमय श्रीरामकथा शिव महापुराण जारी

पद्मेश न्यूज। डोंगरमाली। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सेलोटपार के पंचायत प्रांगण में श्री राम कथा एवं श्री शिव महापुराण का आयोजन किया गया है । जहां १५ दिसंबर से कार्यक्रम प्रारंभ है जिसका २१ दिसंबर को समापन किया जाना है। इस दौरान ग्राम में ज्ञान की गंगा कथावाचकों के मुखारविंद से बह रही है ,जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों के द्वारा उपस्थिति दर्ज कराकर कथा का श्रवण कर धर्म लाभ अर्जित किया जा रहा है। इस श्री राम कथा और श्री शिव महापुराण कथा का प्रारंभ १५ दिसंबर को भव्य कलश शोभायात्रा निकालकर किया गया जिसमें शोभायात्रा के द्वारा ग्राम के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण कर कार्यक्रम स्थल पहुंची। जहां विधि विधान से पूजा अर्चना कर संगीत में पाठ उपस्थित कथा वाचकों के द्वारा व्यास आसन से प्रवचन के माध्यम से दिया जा रहा है। ग्राम सेलोटपार में यह सात दिवसीय श्री रामचरितमानस एवं श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन जारी है। इसमें श्री रामचरित मानस रसोत्सव प. श्रीराम ज्ञानीदास महात्यागी तिरखेड़ी आश्रम सालेकसा महाराष्ट्र से पधारे कथावाचक के द्वारा दोप. १२ बजे से ४ बजे तक व्यास आसन पर विराजित होकर संगीतमय प्रवचन के माध्यम से कथा सुनाई जा रही है। वही श्री शिव महापुराण कथा पं.शैलेन्द्र मिश्रा के द्वारा व्यास आसन पर विराजित होकर रात्रि ७ बजे से रात्रि ११ बजे तक प्रवचन के माध्यम से संगीतमय कथा सुनाई जा रही हैं। इस कार्यक्रम का समापन २१ दिसंबर को हवन पूजन सुबह ७ बजे से कर विशाल भण्डारा महाप्रसादी वितरण के साथ किया जाएगा। यह कार्यक्रम श्रीमती भारती पारधी सांसद बालाघाट सिवनी ,प्रदीप जायसवाल पूर्व मंत्री, रामकिशोर कावरे जिलाध्यक्ष ,गौरी शंकर बिसेन पूर्व केबिनेट मंत्री ,पूर्व सांसद विश्वेश्वर भगत, बोधसिंह भगत,विनोद अग्रवाल विधायक गोंदिया, विवेक पटेल विधायक वारासिवनी, गौरव सिंह पारधी विधायक कटंगी,राजकुमार कर्राहे विधायक लांजी, श्रीमती मौसम बिसेन पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य राज्य मंत्री, रमेश भटेरे पूर्व विधायक ,राजेश पाठक कब्बडी संघ अध्यक्ष बालाघाट ,संजयसिंह कछवाह समाज सेवी, सम्राटसिंह सरसवार जिला पंचायत अध्यक्ष बालाघाट ,आशु गुनाराम बघेले जनपंद अध्यक्ष खैरलांजी, घवल मॉडल पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष, रामकुमार नगपुरे पूर्व जिला पंचायत सदस्य, श्रीमती सरिता मनोज दांदरे नगर पालिका अध्यक्ष , श्रीमती मधु शुक्ला जिला पंचायत सदस्य ,श्रीमती सुनिता मानसिंह बहेटवार जिला पंचायत सदस्य ,श्रीमती गीता हनवत जिला पंचायत सदस्य ,श्रीमती माया उईके जनपद अध्यक्ष,प्रदीप शरणागत पूर्व मण्डल अध्यक्ष, संजयसिंह मसानी पूर्व स्कॉउड गाईड कमिशनर ,अजाब शास्त्री,दुर्गा प्रसाद लिल्हारे जनपद उपाध्यक्ष खैरलांजी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस अवसर पर क्षेत्र से आधिकाधिक संख्या में लोगों से उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित करने की अपील ग्राम सरपंच दीपिका राही पांडे एवं समस्त ग्रामीणजनो ने की हैं।

आवश्यकता है

वारासिवनी कार्यालय में

केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है

स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता

- संपर्क करें -

पद्मेश सिटी केबल

बस स्टेंड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

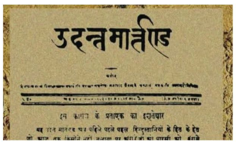

रोजगार की राह में वंचितों का अस्तित्व

देश के ग्रामीण इलाकों में ज्यादातर आबादी के लिए रोजी-रोटी का इंतजाम एक बड़ी चुनौती रही है। लंबे समय तक इस समस्या के बने रहने का नतीजा यह हुआ कि विकास एक तरह से विभाजित रहा और एक बड़ा तबका मुख्यधारा में शामिल होने की कोशिशों से भी वंचित रहा। मगर जब से गारंटी के रूप में ग्रामीण इलाकों में रोजगार मुहैया कराने की पहल हुई है, उसके बाद से एक बड़ा फर्क दर्ज किया गया। करीब बीस वर्ष पहले महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून यानी मनरेगा लागू हुआ, तो उसके तहत वर्ष में सौ दिन काम की व्यवस्था से गांव देहात में रहने वाले परिवारों के सशक्तीकरण में उल्लेखनीय मदद मिली। मनरेगा की अहमियत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कई बार इसे दुनिया भर में एक सीखने लायक कार्यक्रम के तौर पर भी देखा गया। अब केंद्र सरकार ने मनरेगा का रूप बदल कर उसका नाम %विकसित भारत-रोजगार गारंटी व आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी बीवी जी राम जी रखा है और उसमें अब कुछ नए प्रावधान किए गए हैं। इससे संबंधित विधेयक गुरुवार को लोकसभा में पारित हो गया। गौरतलब है कि नई प्रस्तावित व्यवस्था मनरेगा का ही नया स्वरूप होगी, जिसमें ग्रामीण परिवार को सौ दिन के बजाय एक सौ पचीस दिनों के रोजगार की गारंटी की बात की गई है। इसके अलावा, खर्च वहन करने, पारिश्रमिक भुगतान और खेती के दिनों के संदर्भ में नए प्रावधानों की वजह से इस योजना के किसानों और मजदूरों, दोनों के लिए काफी फायदेमंद साबित होने की उम्मीद की जा रही है। मनरेगा के तहत जिन लोगों को काम मिलता है, उनकी मजदूरी का लगभग पूरा खर्च केंद्र सरकार उठाती रही है, जबकि सामान आदि का खर्च एक निश्चित अनुपात में राय सरकारें उठाती हैं। अब कुछ रायों और केंद्रशासित प्रदेशों को छोड़ कर बीवी- जी राम जी के तहत होने वाले कुल खर्च का साठ फीसद केंद्र सरकार वहन करेगी और चालीस फीसद राय सरकारें उठाएंगी। इस योजना के अंतर्गत खेतों में बुआई और कटाई के मौसम में साठ दिनों के दौरान मजदूरों को काम नहीं मिल सकेगा, ताकि खेती-किसानी के काम के लिए मजदूरों की कमी न हो। इसके अलावा, इस काम में भ्रष्टाचार पर लगाम के लिए मजदूरी के भुगतान में बायोमेट्रिक और अन्य आधुनिक तकनीक की मदद ली जाएगी।

जाहिर है, बदलावों के बाद अगर रोजगार गारंटी की व्यवस्था ग्रामीण इलाकों के मजदूरों के लिए सहायक सिद्ध हुई, तो बेशक इसे एक सकारात्मक कदम माना जाएगा। देश की ग्रामीण आबादी के हित में प्रथम दृष्ट्या यह योजना एक बेहतर पहल लगती है, लेकिन इस संदर्भ में विपक्षी दलों की ओर से कई आशंकाएं भी जताई गई हैं। अगर ग्रामीण इलाकों में काम करने की जगह तय करने से लेकर अन्य मामलों में यह योजना केंद्र सरकार द्वारा नियंत्रित और उसकी शर्तों पर आधारित होगी, तो खर्च का जिम्मा रायों पर आएगा। ऐसे में इसके नतीजे घोषित दावों के मुकाबले उलट भी आ सकते हैं और इसका काम के अधिकार पर विपरीत असर पड़ सकता है। ग्रामीण इलाकों में रोजगार गारंटी लागू होने के बाद से मनरेगा की अहमियत छिपी नहीं रही है। खासतौर पर कोरोना महामारी के दौरान जब देश भर में गरीब तबकों के लोग भयावह अभाव से जूझ रहे थे, तब मनरेगा उनके लिए जीवन-रेखा साबित हुआ। ऐसे में यह देखने की बात होगी कि नए स्वरूप में ग्रामीण इलाकों के गरीब तबकों के लिए रोजगार गारंटी की नई व्यवस्था कितनी सहायक साबित होगी।

अब यह खिसकती जा रही है। और सरकार को कोई चिंता नहीं की इसकी जगह लेने वाली योजना कितनी कारगर होगी ?

मनरेगा हमारे पैरों के नीचे की ज़मीन थी

अगर असली आर्थिक सोच और साफ़ दिखने वाले सकारात्मक पॉलिसी असर के लिए नोबेल पुरस्कार दिया जाता, तो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के निर्माता सबसे मज़बूत उम्मीदवारों में से एक होते। इतने बड़े पैमाने के किसी ऐसे पब्लिक प्रोग्राम की कल्पना करना मुश्किल है जो इतना सावधानी से डिज़ाइन किया गया हो और जिसके असर इतने महत्वपूर्ण हों। फिर भी, जिस तरह से मनरेगा पर आमतौर पर बहस होती है, वह चौंकाने वाली हद तक कमज़ोर है। इसे अक्सर सिर्फ़ एक कल्याणकारी मदद मानकर खारिज कर दिया जाता है, या सिर्फ़ एक नैतिक रूप से आकर्षक अधिकार-आधारित योजना के रूप में बचाव किया जाता है। असल में, मनरेगा ने भारत में गरीबी कम करने, श्रम बाज़ारों और सेवा वितरण को कैसे समझा जाता है, इसमें एक बहुत गहरी क्रांति लाई।

मनरेगा शायद भारतीय इतिहास में सबसे ज़्यादा गहराई से अध्ययन की गई पब्लिक पॉलिसी है। इसके डिज़ाइन, कार्यान्वयन और प्रभावों का विश्लेषण करने वाले सैकड़ों अकादमिक पेपर हैं। यहाँ तक कि उन विद्वानों के बीच भी, जिन्होंने शुरू में संदेह किया था, आम राय यह है कि यह योजना एक उल्लेखनीय सफलता रही है। सबसे कठोर और प्रभावशाली योगदानों में से एक कार्तिक मुरलीधरन, पॉल नीहॉस और संदीप सुखांकर का पेपर है, फ़सार्वजनिक रोजगार कार्यक्रमों (सुधार) के सामान्य संतुलन प्रभाव- भारत से प्रायोगिक साक्ष्यफ़। उनके निष्कर्ष योजना के सीधे फायदों को दस्तावेज़ करने से कहीं आगे थे। उन्होंने दिखाया कि सामान्य संतुलन प्रभाव काफी महत्वपूर्ण थे। घरों की कमाई में लगभग 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई, गरीबी में लगभग 26 प्रतिशत की कमी आई। इस कार्यक्रम ने श्रम की मोलभाव करने की शक्ति को बढ़ाया। इससे ज़्यादा मज़दूरी और ज़्यादा स्थानीय मांग पैदा हुई, जिससे बदले में अतिरिक्त गैर-कृषि रोजगार पैदा हुआ।

इसलिए यह आश्चर्यजनक है कि अब मनरेगा के खिलाफ दिए जाने वाले मुख्य तर्कों में से एक ठीक यही है कि यह मज़दूरी बढ़ाता है। यह चिंता इस योजना को कृषि के ऑफ-सीज़न तक सीमित रखने की मांग के पीछे है। अर्थशास्त्री अक्सर तब चिंता करते हैं जब मज़दूरी में वृद्धि उत्पादकता वृद्धि से ज़्यादा होती है। लेकिन जिस अत्यधिक अनिश्चितता में भारतीय गरीब काम करते हैं, उस संदर्भ में यह चिंता लगभग बेकार है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि सबूतों से पता चला कि मनरेगा के तहत ज़्यादा मज़दूरी से रोजगार में कमी नहीं आई। सबसे गरीब श्रमिकों के लिए बढ़ती मज़दूरी को योजना की खूबी के बजाय दोष के रूप में मानना दिमाग चकरा देने वाला है। वास्तव में, श्रम की मोलभाव करने की शक्ति को बढ़ाना एक अनचाहा दुष्प्रभाव नहीं था; यह मनरेगा के आर्थिक तर्क का मुख्य हिस्सा था। और इसने बिना किसी प्रतिकूल व्यापक आर्थिक परिणामों के इसे हासिल किया।

लोगों की याददाश्त कमज़ोर होती है। अपनी कार्यान्वयन कमजोरियों के बावजूद, मनरेगा वह कार्यक्रम था जिसने कोविड संकट के दौरान भारत को बचाने में प्रभावी ढंग से मदद की। इसने लाखों परिवारों को एक महत्वपूर्ण जीवन रेखा प्रदान की और ग्रामीण मांग को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहां तक कि नरेंद्र मोदी सरकार, जो शुरू में इस योजना के प्रति शत्रुतापूर्ण थी और बाद में प्रशासनिक कमी के माध्यम से इसे कमज़ोर करने पर संतुष्ट थी, संकट के दौरान इस पर निर्भर रहने के लिए मजबूर हुई। इस प्रकार मनरेगा ने न केवल एक कल्याणकारी उपाय के रूप में काम किया, बल्कि एक ऐसे साधन के रूप में काम किया जिसने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आर्थिक प्रभावों का एक सकारात्मक चक्र उत्पन्न किया।

उतने ही महत्वपूर्ण वे सैद्धांतिक सिद्धांत थे जिन्होंने योजना के डिज़ाइन को आकार दिया। यहां तक कि अधिकार-आधारित कल्याणकारी राज्य के प्रति किसी भी प्रतिबद्धता को अलग रखते हुए, मनरेगा ने भारत में शासन के बारे में एक मौलिक सच्चाई को समझा- लक्षित कार्यक्रम विफलता के प्रति असाधारण रूप से प्रवण होते हैं और हेरफेर। सार्वभौमिकता, लगभग सार्वभौमिकता, या सेल्फ-टारगेटिंग सफलता का सबसे अच्छा मौका देती है।

मनरेगा के खिलाफ एक तर्क यह दिया जाता है कि यह मजदूरी बढ़ाता है। अर्थशास्त्री अक्सर तब चिंता करते हैं जब मजदूरी में वृद्धि उत्पादकता वृद्धि से आगे निकल जाती है। लेकिन जिस अनिश्चितता में भारतीय गरीब काम करते हैं, उस संदर्भ में यह चिंता लगभग बेमानी है।

मौजूदा सरकार ने खुद भी खाद्य सुरक्षा कवरेज का विस्तार करके इस तर्क को अनिच्छा से स्वीकार किया है। मनरेगा ने सेल्फ-टारगेटिंग डिज़ाइन अपनाकर अंतहीन बहसों को खत्म कर दिया- जो कोई भी काम करने को तैयार था, वह रोजगार की मांग कर सकता था।

इस डिज़ाइन विकल्प के सामाजिक परिणाम परिवर्तनकारी थे। राष्ट्रीय स्तर पर, 2023 में मनरेगा के तहत जेनरेट किए गए 57 प्रतिशत से अधिक रोजगार दिवस महिलाओं को मिले; तमिलनाडु जैसे राज्यों में, यह आंकड़ा लगभग 80 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। कुछ ही सार्वजनिक नीतियों ने इतने बड़े पैमाने पर श्रम बल में भागीदारी के लैंगिक पैटर्न को इतने निर्णायक रूप से बदला है।

मनरेगा की मांग-आधारित प्रकृति ने इसे असामान्य रूप से लचीला भी बनाया। यह राज्यों में विभिन्न स्थानीय स्थितियों और बदलती आर्थिक परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया दे सकता था। इसका संकेत मूल्य, कि राज्य अंतिम उपाय के रूप में एक नियोक्ता के रूप में कार्य करेगा, बहुत बड़ा था। सिद्धांत रूप में, इस योजना में निश्चित रूप से सुधार किया जा सकता है, उदाहरण के लिए, इसे कौशल निर्माण या अधिक टिकाऊ सार्वजनिक संपत्ति निर्माण से बेहतर ढंग से जोड़कर, और इसे बदलते कल्याण वास्तुकला के भीतर रखकर। फिर भी इसकी कई स्पष्ट कमियां जानबूझकर किए गए डिज़ाइन विकल्प थे। सादगी से होने वाले लाभ कार्यक्रम पर बोझ डालने के फायदों से कहीं अधिक थे।

प्रताप भानु
(द इंडियन एक्सप्रेस, 15 दिसम्बर 2025)

जिनके हाथों में पत्थर बोलते थे

-विवेक शुक्ला

दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के रचयिता के रूप में अमर हो गए राम वी सुतार के निधन से भारतीय मूर्तिकला जगत के एक युग का अंत हो गया। वह मूर्तियों में ऐसी जीवंतता लाते थे, मानो पत्थर बोल उठे। उनकी पहली बड़ी रचना 45 फुट ऊंची चंबल माता की प्रतिमा थी, जो मध्य प्रदेश के गांधी सागर बांध पर स्थापित है। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने इससे प्रभावित होकर उन्हें भाखड़ा बांध के श्रमिकों की स्मृति में एक विशाल स्मारक बनाने का कार्य सौंपा। उन्होंने छह दशकों में 8,000 से अधिक मूर्तियां बनाईं, जिनमें से 50 से ज्यादा विशाल स्मारक हैं।

राम सुतार जी का जन्म 19 फरवरी, 1925 को महाराष्ट्र के धुले जिले में हुआ था। उनके पिता वंजी हंसराज बढ़ई और मूर्तिकार थे। उनकी प्रतिभा को उनके गुरु श्रीराम कृष्ण जोशी ने पहचाना व बंबई (अब मुंबई) के प्रसिद्ध सर जेजे स्कूल ऑफ आर्ट में दाखिला दिलवाया। 1953 में उन्होंने मॉडलिंग में मेयो गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद उन्होंने पुरातत्व विभाग में बतौर मॉडलर अजंता-एलोरा की गुफाओं में प्राचीन मूर्तियों की बहाली सीखी। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी% सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची कांस्य प्रतिमा है, जो गुजरात के नर्मदा जिले में स्थित है। स्प्रिंग टेंपल बुद्धा से भी ऊंची इस प्रतिमा ने ही उन्हें वैश्विक पहचान दिलाई।

-स्मृति शेष

राम वी सुतार (19-02-1925 से 18-12-2025)

राम सुतार जी दुनिया को ध्यान से देखने व उसका निरीक्षण करने में सक्षम थे। अमर उजाला शब्द सम्मान की गंगा की प्रतिकृति भी उन्हीं के हाथों बनी थी।

सुतार जी को अपनी संसद भवन परिसर में ध्यानमग्न मुद्रा में स्थापित महात्मा गांधी की 17 फुट ऊंची प्रतिमा बेहद प्रिय थी। सुतार जी ने ही पटना के गांधी मैदान में स्थापित गांधी जी की मूर्ति को भी तैयार किया है। राजघाट के पार्किंग क्षेत्र में मौजूद 1.80 मीटर ऊंची गांधी जी की कांस्य प्रतिमा भी उन्होंने ही डिजाइन की थी। संसद में छत्रपति शिवाजी महाराज की घुड़सवारी की मुद्रा वाली प्रतिमा भी उनकी ही कृति है। उनके अन्य उल्लेखनीय कार्य अमृतसर में महाराजा रणजीत सिंह की 21 फुट ऊंची प्रतिमा, कुरुक्षेत्र में कृष्ण-अर्जुन रथ स्मारक, बंगलूरू में केंपेगौड़ा की 108 फुट ऊंची प्रतिमा व गोवा में भगवान राम की 77 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा है। उन्होंने डॉ. आंबेडकर, गोविंद बल्लभ पंत व कर्पूरी ठाकुर जैसे नेताओं की मूर्तियां भी बनाईं। वह कहते थे कि मूर्तिकला केवल कला नहीं, बल्कि इतिहास को संरक्षित करने का माध्यम भी है। 90 की उम्र पार करने के बाद भी वह सक्रिय रहे और अयोध्या में भगवान राम की प्रस्तावित विशाल प्रतिमा के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे। वह धुन के पक्के थे और अपने आसपास की दुनिया के ध्यानपूर्वक निरीक्षण में सक्षम थे। अमर उजाला शब्द सम्मान की गंगा की प्रतिकृति भी उन्हीं के हाथों बनी थी। वह कहते थे कि मूर्तिकार से यह अपेक्षा नहीं करनी चाहिए कि वह तय समयसीमा पर काम पूरा कर लेगा। मूर्तिकला समय लेने वाली और श्रमसाध्य प्रक्रिया है। अच्छे मूर्तिकार को धैर्यवान, दृढ़ व प्रतिबद्ध होना चाहिए। उसे कला के इतिहास और सिद्धांत का भी ज्ञान होना चाहिए। अच्छा मूर्तिकार तकनीकी रूप से कुशल, रचनात्मक, कल्पनाशील, अवलोकनशील, समस्या समाधान में कुशल होता है।

चिंतन मीमांसा

जीवन-आश्चर्य का परिवेश

मनुष्य के जीवन में कई बार ऐसे क्षण आते हैं, जब वह अचानक किसी घटना या व्यवहार से अचंभित हो उठता है। अचंभा दरअसल बाहरी परिस्थितियों से जुड़ा होता है। जब कोई असंभव सा कार्य पूरा हो जाए या अप्रत्याशित घटना घट जाए, तब मनुष्य का मस्तिष्क कुछ क्षण के लिए शून्य हो जाता है और प्रतिक्रिया नहीं दे पाता। यही अचंभा है। यह अनुभव क्षणिक होता है और समय के साथ समाप्त भी हो जाता है। इसके विपरीत, आश्चर्य का संबंध मनुष्य के भीतर से है। यह मन की गहराई में जन्म लेता है और स्थायी रहता है। वास्तव में अचंभा ही आश्चर्य की भूमि तैयार करता है। जब कोई अचंभित करने वाली घटना हमें सोचने, समझने और जिज्ञासु बनने की दिशा में प्रेरित करती है, तभी वह आश्चर्य का रूप लेती है।

अचंभा केवल चौंकाता है, जबकि आश्चर्य हमें आत्मचिंतन और परिपक्वता की ओर ले जाता है। आश्चर्य मनुष्य की जिज्ञासा को जगाता है और उसे नई दृष्टि देता है। यह आंतरिक अनुभव हमें ज्ञान, सौंदर्यबोध और रचनात्मकता की ओर अग्रसर करता है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि अचंभा क्षणिक प्रतिक्रिया है, जबकि आश्चर्य स्थायी अनुभूति। अचंभित होना जीवन की यात्रा का प्रारंभिक पड़ाव है और उसी के सहारे मनुष्य गहरे आश्चर्य तक पहुंचता है। आखिर यही आश्चर्य हमें नई ऊर्जा और व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है।

जब कोई मनुष्य लंबी जीवन-यात्रा से गुजरता है, तभी वह अपनी गहराई तक पहुंच पाता है। इस यात्रा में खोजने की प्रवृत्ति जन्म लेती है और यही प्रवृत्ति उसे आश्चर्य की अनुभूति कराती है। यह आश्चर्य मनुष्य को निरंतर खोज, गहन अध्ययन और जानने की इच्छा की ओर अग्रसर करता है। जब मनुष्य किसी सत्य से परिचित होता है, तो उसे आश्चर्य होता है, और उसी से प्रसन्नता की अनुभूति भी होती है। मगर कभी-कभी कोई दुखद घटना भी घट जाती है। इस तरह, सुख और दुख दोनों दुख- दोनों भावों की तीव्रता से आश्चर्य की उत्पत्ति होती है।

खुशी से उपजा आश्चर्य मस्तिष्क पर अंकित हो जाता है। वहीं से भावनाओं का आवेग, ढकी-छिपी यादें और आत्मचिंतन की प्रक्रिया आरंभ होती है। अचानक प्राप्त हुई खुशी शरीर की स्थिति तक को प्रभावित कर देती है- कभी आंसुओं के रूप में, तो कभी हृदय की धड़कनों की गति बढ़ाकर। ऐसे क्षण शब्दविहीन हो जाते हैं, पर मन की गहराई तक पहुंचते हैं। यही मनुष्य का अचंभित होना केवल किसी व्यक्तिगत घटना तक सीमित नहीं रहता। यह उसके अनुभवों, स्मृतियों और परिवेश से भी गहराई से जुड़ा होता है। जब कोई सुंदर परिदृश्य हमारी आंखों के सामने आता है और हृदय को स्पर्श करता है, तब भी मन में वही आश्चर्य और भावनाओं का संयोग उत्पन्न होता है।

खुशियां धीरे-धीरे हमारे भीतर समा जाती हैं, जिन्हें हृदय और मस्तिष्क से अलग करना कठिन हो जाता है।

मनुष्य का अचंभित या आश्चर्यचकित होना केवल किसी व्यक्तिगत घटना तक सीमित नहीं रहता। यह उसके अनुभवों, स्मृतियों और परिवेश से भी गहराई से जुड़ा होता है। जब कोई सुंदर परिदृश्य हमारी आंखों के सामने आता है, या कोई घटना घटती है, या कोई मधुर गीत और संगीत हमारे कानों को छूता है और हृदय को स्पर्श करता है, तब भी मन में वही आश्चर्य और भावनाओं का संयोग उत्पन्न होता है। यह अनुभव हमारे दृष्टिकोण को विस्तारित करता है, भावनात्मक संवेदनाओं को गहरा करता है और जीवन के छोटे-बड़े अनुभवों के प्रति हमारी समझ और सहानुभूति को बढ़ाता है।

जैसे ईश्वर की प्रार्थना, समाज-सेवा, आध्यात्मिक खोज, ध्यान और योग ये सब कारक एक आस्थावान व्यक्ति को प्रसन्नता का भाव देते हैं। इन्हीं के माध्यम से उसे उस आंतरिक ऊर्जा का अनुभव होता है, जो ब्रह्मांड निरंतर सब तक पहुंचा रहा है। यह अनुभूति स्वयं में आश्चर्यजनक होती है और व्यक्ति को आगे खोजने की प्रवृत्ति तथा कार्य करने का उत्साह देती है। परिणामस्वरूप जीवन सकारात्मक दिशा की ओर बढ़ने लगता है।

इसके विपरीत, अचानक आया दुख भी मनुष्य को आश्चर्य में डाल देता है। सुख और दुख दोनों ही आश्चर्य मस्तिष्क पर समान रूप से असर डालते हैं। आंसू वहां भी निकलते हैं, और हृदय की धड़कन वहां भी तेज हो जाती है। फर्क बस इतना है कि दुख का आश्चर्य मनुष्य को भीतर आत्मसात करने के बजाय बाहर की ओर धकेल देता है। यह नकारात्मकता उत्पन्न करता है, और इसी कारण कोई भी दुख की खोज नहीं करना चाहता।

इसलिए आवश्यक है कि मनुष्य अपने अंतर्मन में उतरकर दोनों प्रकार के आश्चर्यों में संतुलन बनाए। जीवन चक्र में सुख और दुख दोनों ही विस्मित करने वाले भाव होंगे और दोनों ही हमारे अनुभवों का हिस्सा होंगे। पर सच्ची खुशी तभी प्राप्त होती है, जब हम इन दोनों से ऊपर उठकर ध्यान, योग, अध्यात्म और प्रकृति से जुड़ते हैं। जब हम किसी भी विद्या से संबंध बनाकर अपने भीतर के कलुषित भावों को दूर करते हैं, छोटे-बड़े का भेद मिटाकर जिम्मेदारियों को पूर्ण रूप से निभाते हैं, तब हम सच्ची आंतरिक प्रसन्नता को पा सकते हैं। आखिर जब मनुष्य त्याग और धैर्य के साथ जीता है, तब वह देखता है, आश्चर्य करता है कि बहुत कुछ छोड़कर ही सब कुछ पाया जा सकता है। यही भाव मनुष्य को आश्चर्य से भर देता है और आत्मानुभूति के अंतिम पड़ाव तक पहुंचा देता है।

-तनुजा चौबे

मुद्दा

जलवायु विस्थापितों के लिए नीति बनानी होगी

बाढ़, भीषण गर्मी, सूखा, तूफान, समुद्र स्तर में वृद्धि, ग्लेशियरों का पिघलना जैसी घटनाएं आजीविका और जीवन को प्रभावित कर रही है. वर्ष 2024 में ऐसी आपदाओं के कारण अपने देश की सीमाओं के भीतर साढ़े चार करोड़ से अधिक लोग जबरन प्रवासित हुए. यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

पि छले दिनों ब्राजील में संपन्न हुए पर्यावरण संरक्षण के सबसे बड़े आयोजन कॉप-30 में एक बड़ा प्रश्न अनुत्तरित रह गया कि जलवायु परिवर्तन से उपज रही आपदाओं के कारण विस्थापित हो रहे लोगों के लिए आसरे से लेकर रोजगार तक के संकट से कैसे निपटा जाये. संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आइओएम) ने सम्मेलन में जानकारी दी थी कि दुनियाभर में लोग पहले से ही या तो विस्थापित हो रहे हैं या इससे बचे रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. बाढ़, भीषण गर्मी, सूखा, तूफान और रेगिस्तान बनने, समुद्र स्तर में वृद्धि, ग्लेशियरों के पिघलने जैसी धीरे-धीरे होने वाली घटनाएं आजीविका और जीवन को प्रभावित कर रही हैं. वर्ष 2024 में ऐसी आपदाओं के कारण अपने देश की सीमाओं के भीतर साढ़े चार करोड़ से अधिक लोग जबरन प्रवासित हुए, यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है. दुर्भाग्यपूर्ण है कि वैश्विक समाज ने इतनी बड़ी मानवीय त्रासदी पर कोई निर्णायक रवैया नहीं अपनाया. भारत जैसे देश अब जलवायु विस्थापन की त्रासदी के बड़े शिकार हो रहे हैं।

असम में ब्रह्मपुत्र की तेज धाराओं के बीच स्थित दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप माजुली 1951 में लगभग 1,250 वर्ग किलोमीटर में फैला था, और आबादी 81,000 थी. अगले 60 वर्षों में इसकी आबादी बढ़ कर 1,67,000 हो गयी, पर द्वीप का क्षेत्रफल दो-तिहाई कम हो गया था. विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि हिमालय के पिघलते ग्लेशियरों के साथ ब्रह्मपुत्र में तीव्र होते जलप्लावन से 2040 तक माजुली लुप्त हो सकता है. उस द्वीप से हर वर्ष हजारों लोग पलायन करते हैं. दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश में अभी तक जलवायु पलायन को लेकर कोई नीति नहीं बनी. मानवीय पलायन सिर्फ मानव श्रम का स्थानांतरण नहीं होता, उसके साथ बहुत-से लोक ज्ञान, मानव सभ्यता, पारंपरिक जैव विविधता का भी अंत हो जाता है. सुंदरवन के सिमटने और उसका असर गंगासागर तक पड़ने से वहां के लोगों को अपना घर-खेत छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है. सुंदरवन का लोहाचारा द्वीप 1991 में गायब हो गया, जबकि बंगाल की खाड़ी से लगभग 30 किलोमीटर उत्तर में घोरमारा में पिछले कुछ दशकों में अभूतपूर्व क्षरण देखा गया है. हमारे तटीय क्षेत्र, जहां लगभग 17 करोड़ लोग रहते हैं, बदलते जलवायु की मार से सर्वाधिक प्रभावित हैं. यहां रहने वालों को समुद्र के जल स्तर में वृद्धि, कटाव और उष्णकटिबंधीय तूफान तथा चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है. बंगाल की खाड़ी में अभी तक का सबसे शक्तिशाली तूफान %चक्रवात अंफान आया, जिससे कई लाख लोगों को घर खाली करने के लिए मजबूर होना पड़ा. सबसे खतरनाक कटाव समुद्री किनारों का है, जो गांव के गांव उदरस्थ कर रहा है. जल स्तर बढ़ने से महानगरों के भी डूबने की चेतावनियां दी जा रही हैं।

वैश्विक रूप से चरम मौसम से पलायन का सर्वाधिक खामियाजा महिलाओं और बच्चों को भुगतना पड़ता है. भारत में बाढ़ और तूफान ने बीते छह वर्षों में 67 लाख बच्चों को बेघर कर दिया है. ये बच्चे स्कूल छोड़ने के लिए भी मजबूर हुए हैं. यूनिसेफ तथा इंटरनल डिसप्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर के 2016 से 2021 तक किये गये अध्ययन से यह खुलासा हुआ है. भारत, चीन तथा फिलीपींस के 2.23 करोड़ बच्चे विस्थापित हुए हैं. इन देशों में बच्चों के बेघर होने के पीछे भौगोलिक स्थिति जैसे मॉनसून की बारिश, चक्रवात और चरम मौसम की बढ़ती घटनाएं भी हैं. भारत में, 2011 की जनगणना के अनुसार, लगभग 45 करोड़ लोग प्रवासित हुए, जिनमें से 64 प्रतिशत लोग ग्रामीण क्षेत्र से थे. प्रवासियों का एक बड़ा हिस्सा कम आय वाले रायों- उत्तर प्रदेश और बिहार से है. दोनों राय दक्षिण एशिया के सबसे अधिक खेती वाले गांगेय क्षेत्र से आते हैं. घर छोड़ कर जाने वाले कुछ लोग तो महज थोड़े दिनों के लिए काम करने गये, लेकिन अधिकांश का पलायन स्थायी हुआ. यह जनसंख्या मुख्य रूप से हाशिये पर रहने वालों की थी, जो कृषि पर निर्भर थी. गांगेय क्षेत्र भारत का सबसे घनी आबादी वाला क्षेत्र है. हाल के दशक के दौरान इन क्षेत्रों से पलायन की गति तेज हो गयी है और इस प्रवृत्ति के भविष्य में भी जारी रहने की आशंका है। जब रोजगार के लिए महानगरों की ओर पलायन बढ़ता है, तो यह पहले से ही सघन आबादी वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य, साफ पानी, परिवहन आदि की दिक्कतें उत्पन्न करता है. दुर्भाग्य है कि अभी हमारे यहां जलवायु संबंधी खतरों के कारण अपने घरों से विस्थापितों के लिए कोई माकूल योजना है ही नहीं. पर्यावरणीय शरणार्थी, जलवायु शरणार्थी, जलवायु विस्थापित और पर्यावरण विस्थापित जैसे शब्द अभी सरकारी दस्तावेजों में आये नहीं हैं. इनके लिए कोई अलग श्रेणी नहीं है और न ही जलवायु प्रवासियों से निपटने के लिए कोई योजना है. गंभीरता से देखें, तो देश की आजादी के सौ वर्ष पूरे होने पर हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती और त्रासदी होगी अपनी जड़ों से उखड़कर मजबूरी में किसी अनजान स्थान पर जीने की जद्दोजहद करने वाले कई करोड़ लोग, जिनके पास अपने लोक, परंपरा, आस्था के कोई अतीत-निशान नहीं होंगे।

-पंकज चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार

इंदौर बाजार भाव

इंदौर एजेंसी। शुक्रवार को सामान्य कारोबार के बीच किराना जिंसों में हल्दी मजबूती पर रही। शक्कर में सुस्ती आयी। खाद्य तेलों में व्यापार कमजोर रहा। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार हल्दी में पूछपरख से बाजार सुस्ती पर रहे। शक्कर में सुस्ती बनी। खाद्य तेलों में व्यापार कमजोर ही रहा। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश देखा गया। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3980-4030, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारी?क 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2750-2900, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-585, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोंनिया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2250-2300, (160) 2250-2300, (200) 2300-2350, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1510-1520, मुम्बई 1530, राजकोट तेलिया 2390, सोया साल्वेंट 1190-1195, सोया रिफाइंड 1250-1255, कपास्या 1225-1230, धूलिया 1230, कड़ी 1230,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1475-1480, मुम्बई पाम 1250, मुम्बई सोया 1280,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400-4500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700, एवरेज 5600-5650, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5750-5800, एवरेज 5600-5650, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य से अधिक नहीं रहा। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 191500, चॉंदी (99) 191000, टंच 190500, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 132100,

रुपया तेजी के साथ बंद

मुंबई एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 62 पैसे की तेजी के साथ ही 89.65 पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस रुपया 10 पैसे की तेजी के साथ ही 90.27 पर बंद हुआ था। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गत दिवस रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.35 पर खुला। कारोबार के दौरान इसमें हल्की मजबूती देखी गई और यह 90.32 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। हालांकि शुरुआती सत्र में रुपये में कमजोरी भी दर्ज की गई और यह 90.38 के स्तर तक फिसल गया। बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 98.41 पर रहा, जिससे उभरती मुद्राओं पर दबाव बना रहा।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 447, निफ्टी 150 अंक ऊपर आया

मुंबई एजेंसी। शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही ऑटो और रियल्टी शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के बारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 447.55 अंक बढ़कर 84,929.36 और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 150.85 अंक उछलकर 25,966.40 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 1.67 फीसदी और निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.23 फीसदी ऊपर आया। इसके अलावा, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी, मीडिया, एनर्जी, प्राइवेट बैंक , इन्फ्रा और कमोडिटीज के शेयर लाभ में रहे। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, ट्रेंट, एचयूएल, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, के शेयर

लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों को नुकसान हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी हावी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 718 अंक बढ़कर 60,310.15 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 230.15 अंक उछलकर 17,390.35 पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स बाजार खुलने के बाद 337.06 अंक तेजी के साथ 84,818.87 अंक पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी भी 95.45 अंक की बढ़त के साथ ही 25,911.00 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आज एशिया-पैसिफिक बाजारों में खरीदारी देखने को मिली। निवेशक जापान के केंद्रीय बैंक के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। अनुमान है कि बैंक ऑफ जापान ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है और दरें 0.75 फीसदी तक पहुंच सकती हैं। इस बीच जापान का निक्केई, ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 और दक्षिण कोरिया के कोस्पी में बढ़त रही। वहीं अमेरिकी बातार वॉल स्ट्रीट में बढ़त रही। एसएंडपी 500 ने चार कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद बढ़त दर्ज की। महंगाई के अनुमान से कम रहने वाले आंकड़ों से 2026 में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ी है।

चीनी उद्योग की चिंताओं को दूर करने अगले माह कुछ कदम उठाएगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली एजेंसी। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि केंद्र चीनी उद्योग की चिंताओं को दूर करने के लिए अगले माह कुछ फैसले करेगी। दरअसल, मांग से अधिक उत्पादन होने के कारण गन्ने का बकाया बढ़ने लगा है। यह फैसला चीनी का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने की लंबे समय से लंबित मांग से जुड़ा है। चीनी कारोबार चीनी का एमएसपी मौजूदा 22 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़ाकर करीब 41 रुपये प्रति किलोग्राम करने की मांग कर रहा है। इस क्रम में उद्योग गन्ने से एथनॉल बनाने के मौजूदा 28 प्रतिशत को बढ़ाकर आदर्श रूप से 50 प्रतिशत करने और चीनी का निर्यात मौजूदा 15 लाख टन से बढ़ाने की मांग भी कर रहा है। चीनी सत्र अक्टूबर से सितंबर तक होता है। केंद्रीय खाद्य सचिव चोपड़ा ने इंडियन शुगर एंड बॉयो-एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (इस्मा) की वार्षिक बैठक में कहा, 'देखिए, वर्तमान में गन्ना बकाया ज्यादा बड़ा नहीं है। हमें बताया गया है कि अगले महीने तक बकाया बढ़ना शुरू होगा। फिर खपत से अधिक चीनी का उत्पादन (2025-26 सत्र में) किसानों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देगा। यह हम नहीं चाहते हैं। इसलिए अधिशेष को कम करने के लिए हम जो कुछ औश्र कर सकते हैं, और यकीनन करने वाले है। चोपड़ा ने कहा कि वर्तमान में उठाए कदमों के साथ इस्मा ने अनुमान लगाया है कि 2025-26 सत्र के अंत तक चीनी का समापन स्टॉक करीब 60 लाख टन होगा और सरकार इस कम करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी ताकि किसानों को बढ़ते बकाया के कारण नुकसान न हो।

भारत-ओमान रिश्तों को नई गति, मुक्त व्यापार समझौते पर हुए हस्ताक्षर

नई दिल्ली एजेंसी। भारत और ओमान के द्विपक्षीय संबंधों में गुरुवार को एक अहम पड़ाव जुड़ गया, जब दोनों देशों ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही स्थानीय मुद्राओं में द्विपक्षीय व्यापार की व्यवस्था कायम करने को लेकर भी चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय निवेश संधि पर चल रही बातचीत की प्रगति की समीक्षा की और निवेश सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय ओमान यात्रा के समापन पर जारी संयुक्त वक्तव्य में इन समझौतों और चर्चाओं का ब्यौरा दिया गया प्रधानमंत्री मोदी, तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में ओमान पहुंचे थे। इससे पहले वे जॉर्डन और इथियोपिया की यात्रा कर चुके थे। ओमान की राजधानी मस्कट में प्रधानमंत्री ने सुल्तान हैथम बिन तारिक के साथ व्यापक द्विपक्षीय वार्ता की। बातचीत के दौरान व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, कृषि, संस्कृति और लोगों के आपसी संपर्क जैसे कई अहम विषयों पर चर्चा हुई। संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, भारत और ओमान ने कुल सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इनमें 'समुद्री सहयोग पर संयुक्त विजन डॉक्युमेंट' भी शामिल है, जो क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा और स्थिरता को लेकर दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके अलावा कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सहयोग से जुड़ा एक समझौता भी किया गया, जिससे खाद्य सुरक्षा और कृषि तकनीक के क्षेत्र में साझेदारी को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। दोनों पक्षों ने ओमान-भारत संयुक्त निवेश कोष की भूमिका पर भी जोर दिया। प्रतिनिधिमंडलों ने कहा कि अब तक के सकारात्मक अनुभव को देखते हुए यह कोष निवेश को बढ़ावा देने और उसे सुगम बनाने की मजबूत क्षमता रखता है। वस्त्र, वाहन, रसायन, उपकरण और उर्वरक जैसे क्षेत्रों में व्यापार बढ़ाने की व्यापक संभावनाएं जताई गईं।

मेष- आज का दिन आपके लिए प्रॉपर्टी के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको किसी नए घर मकान दुकान आदि की खरीदारी करना बेहतर रहेगा। अपने पिताजी से सलाह लेकर कोई नया काम करेंगे। छोटे बच्चों के साथ आप कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। पिताजी का कोई पुराना रोग उभरेगा, जिससे भागदौड़ बनी रहेगी। परिवार में सदस्यों में यदि आपसी सामंजस्य की कमी थी, तो बेवजह के लड़ाई झगड़े पनपेंगे, जिससे रिश्तो में कड़वाहट अवश्य आएगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए धन धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा। आपको अपनी कमियों को दूर करके आगे बढ़ने की आवश्यकता है। आपको अत्यधिक मिर्च मसाले वाले भोजन से भी परहेज रखना होगा। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा और आपको एक साथ कई काम हाथ लगेंगे, जो आपकी टेंशनों को भी बढ़ा सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन विद्यार्थियों के लिए बढ़िया रहने वाला है, क्योंकि उन्होंने यदि किसी परीक्षा को दिया था, तो उसके परिणाम आ सकते हैं। आप अत्यधिक मिर्च मसाले वाले भोजन से परहेज रखें और आपने यदि बिजनेस में किसी के साथ पार्टनरशिप की है, तो उन पर पूरी निगरानी बनाए रखने की आवश्यकता है। वाहन की खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ेगा।

कर्क- आज आपका मन धार्मिक कार्यक्रमों में खूब लगेगा। आप भगवान के भक्ति में लीन रहेंगे, लेकिन वैवाहिक जीवन में कुछ समस्याएं खड़ी हो सकती हैं, जो आपकी मुश्किलों को बढ़ा सकते हैं। आपकी अपने पिताजी से किसी बात को लेकर खटपट होने की संभावना है। नौकरी से संबंधित किसी काम को लेकर आप कहीं बाहर जा सकते हैं।

सिंह- आज आपके मन में यदि किसी काम को लेकर कोई संशय हो, तो उस काम में बिल्कुल आगे ना बढ़ें। माताजी कोई जिम्मेदारी देगी। भाई व बहनों का आपको पूरा सपोर्ट मिलेगा। संतान की पढ़ाई लिखाई को लेकर आप उनके गुरुजनों से बातचीत कर सकते हैं। आपके खाने पीने के कारण किसी पेट संबंधित समस्या को लेकर परेशान रहेंगे। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

कन्या- आज आपको आपकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा, लेकिन आप अपने आसपास रह रहे लोगों से काम को लेकर यदि कोई सलाह लेंगे, तो वह आपके खूब काम आएगी। परिवार में किसी बुजुर्ग सदस्य की सेहत को लेकर आपको टेंशन रहेगी। आप किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन अपने घर कर सकते हैं।

तुला- आज आपका मन किसी बात को लेकर परेशान रहेगा। आपके कामों में भी समस्याएं खड़ी होगी, जिससे आपकी मुश्किलें बढ़ेंगी। आप यदि किसी यात्रा पर जाएं, तो उसमें अपने कीमती सामानों की सुरक्षा अवश्य करें और आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। कोई पुराना लेनदेन आपकी टेंशनों को बढ़ा सकता है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा दूर होगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए किसी नए काम में हाथ डालने के लिए रहेगा। आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और भाई व बहनों का भी आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपका कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है। आपको ईर्ष्यालु व झगड़ालू लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आपको अपने किसी पुराने मित्र की याद सताएगी और बिजनेस में उतार-चढ़ाव रहने से आप घबराएंगे नहीं अपनी योजनाओं को लेकर आप पूरी मेहनत करेंगे। आप अपने कामों में कोई बदलाव न करें। आपको किसी विरोधी कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ेगी। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा। लापरवाही के कारण आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं। आपको किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है, क्योंकि बिजनेस में भी आपकी योजनाएं बेहतर लाभ देंगी और जो लोग नौकरी में बदलाव की योजना बना रहे हैं, उन्हें भी कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। अविवाहित जातकों के जीवन में किसी नये मेहमान की दस्तक होगी। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा। आप धन संबंधित किसी काम को लेकर दूसरे पर डिपेंड ना रहें।

मीन- आज का दिन आपके लिए किसी निर्णय को बहुत ही सोच समझ कर लेने के लिए रहेगा, क्योंकि आपसे जल्दबाजी के कारण गड़बड़ी हो सकती है। संतान के मनमाने व्यवहार को लेकर आप परेशान रहेंगे। आपको अपनी शारीरिक समस्याओं को नजरअंदाज करने से बचाना होगा। विद्यार्थियों की कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है। आप अपने माता-पिता की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालेंगे। आपका कोई पुराना लेन-देन चुकता होगा।

शब्दजाल - 8115

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'हट' शब्द लगा हो. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

श	रा	ज	ग	म	गा	ह	ट	झ	क	चि
छ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	क
ट	र	ह	झि	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	ना
प	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	दा	र	ह
ट	रा	र	ष	हा	मि	री	चि	स	र	ट
ह	ह	प	व	दा	ह	ला	ती	ड़	न	ती
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	क
बा	जी	वा	ला	क	छ	सौ	न	ट	जू	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	दा	ने	दा	र	द
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

छटपटाहट, जगमगाहट, चिकनाहट, झिलझिलाहट, चहचहाहट, चरमराहट, चिड़चिड़ाहट, तड़पाहट, बौखलाहट, बुलाहट

शब्दजाल - 8114 का हल

प्र	अ	मे	क	ए	का	धि	का	र	प	गो
न	को	क	म	इं	झे	ने	ग	ति	मा	ला
अ	दा	र	ला	मा	ग	अं	द	ह	प	का
जी	ग	ल	का	जा	न	स	ध	ह	लि	र
त	अ	अ	र	न	न	मे	ह	का	न	दे
अ	ना	का	र	व	प	का	त	ह	र	बां
ग	मा	ल	मा	व	अ	ला	र	मा	न	ग
र	न	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	न	बा	अ	लं	का	र	ह	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	का	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

20 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	धनु में
चंद्र	धनु में
मंगल	धनु में
बुध	वृश्चिक में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	धनु में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
धनु	06.18 बजे से
मकर	08.27 बजे से
कुंभ	10.14 बजे से
मीन	11.46 बजे से
मेष	13.17 बजे से
वृष	14.57 बजे से
मिथुन	16.55 बजे से
कर्क	19.09 बजे से
सिंह	21.25 बजे से
कन्या	23.37 बजे से
तुला	01.47 बजे से
वृश्चिक	04.02 ब.से

शनिवार 2025 वर्ष का 354 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण
तिथि अमावस्या 07.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 01.22 बजे रात्र को समाप्त।
योग गण्ड 16.17 बजे को समाप्त।
करण नाग 07.13 बजे तदनन्तर किंस्तुघ्न 20.15 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 26'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872564
जूलियन दिन 2461029.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी **तारीख** 28

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37	से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23	से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10	से	08.42 बजे तक
रोग	08.51	से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42	से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19	से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14	से	11.47 बजे तक
चर	11.46	से	01.14 बजे तक	चर	11.47	से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14	से	02.42 बजे तक	रोग	01.19	से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42	से	04.10 बजे तक	काल	02.51	से	04.23 बजे तक
काल	04.10	से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23	से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः संयम का पाठ

महादेव गोविंद रानाडे के घर एक दिन उनके किसी मित्र ने आम भेजे। रानाडे की पत्नी रमाबाई ने आम धोकर रानाडे के पास खाने के लिए रखे। रानाडे ने एक-दो टुकड़े खाकर उनके स्वाद की प्रशंसा की और कहा, 'इसे तुम भी खाकर देखो और सेवकों को भी दो।' रमाबाई को आश्चर्य हुआ कि उनके पतिदेव ने आम के केवल एक-दो टुकड़े ही खाए। उन्होंने पूछा, 'आपका स्वास्थ्य तो ठीक है?' रानाडे बोले, 'तुम सोच रही होगी कि आम स्वादिष्ट हैं तो फिर मैंने ज्यादा क्यों नहीं खाए? दरअसल ये मुझे बहुत स्वादिष्ट लगे इसलिए मैं अधिक नहीं ले रहा।' पति की यह अजीब बात रमाबाई को समझ में नहीं आई। रानाडे बोले, 'बचपन में मेरे पड़ोस में एक महिला रहती थी। वह पहले काफी संपन्न थी किंतु दुर्भाग्य से उसकी सारी संपत्ति चली गई। किसी प्रकार उसका और उसके पुत्र का पालन-पोषण हो सके, इतनी ही आय उसके पास बची। वह कई बार जब अकेली होती, तब अपने आप से कहती- मेरी जीभ बहुत चटोरी है। इसे बहुत समझाती हूं कि अब चार-छह साग मिलने के दिन गए। कई प्रकार की मिठाइयां अब दुर्लभ हैं। पकवानों को याद करने से कोई लाभ नहीं, फिर भी मेरी जीभ नहीं मानती, जबकि मेरा बेटा रूखी-सूखी खाकर पेट भर लेता है। उस महिला की बात सुनकर तभी से मैंने नियम बना लिया कि जीभ जिस वस्तु को पसंद करे, उसे थोड़ा ही खाना है। अपनी जरूरतों को कम रखने से जहां सुख के दिनों में आनंद रहता है, वहीं दुख के दिनों में भी कष्ट नहीं होता।'

फिल्म वर्ग पहेली- 7059

1		2	3	■	4		5		■
	■	6		7		■		■	8
9	10		■			11		12	
■		■	13		14		■		■
15	■	16		■		■	17		
18			■	19			■		■
	■	■	20	■		■	21	■	22
■	23			24	■	25		■	
26		■	27					■	
■	28		■			■	29		

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चाँद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली-7058

को	ह	रा	■	आँ	धी	■	आ	नं	द
ह	■	म	■	खें	■	जो	र	दा	र
रा	जा	जा	नी	■	ध	र	ती	■	मि
म	■	ने	■	क	र्मा	■	■	सा	या
■	रा	■	आ	■	त्मा	■	सा	ज	न
रा	स्ते	प्या	र	के	■	श	■	औ	■
■	का	■	जू	■	मे	रा	ध	र	म
स	प	ने	■	दु	ला	रा	■	आ	ह
■	त्थ	■	प्या	■	■	■	स	वा	ल
प्या	र	का	सा	या	■	सू	र	ज	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7368

★★★★☆ कठिन

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक है.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7367 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8583

1			2	■	■	3		4
	■	■	5	6	7		■	
8	9		■	10			■	
■	11	12		■		13	14	
■	15		■		16		■	
17			■	18		19		■
■			20			■	21	22
■		23		■	24		■	
25			■	■	26			

बाएँ से दाएँ

1. ओस की बूंदे (उर्दू-4)
3. आसमान, गगन-3
5. निम्न, जो स्तरीय न हो-4
8. रात्रि, निशा-2
10. सिलना, छाती
11. नश, नाड़ी-2
13. एक समाज सुधारक जिनके दोहे काफी प्रसिद्ध हैं-2
15. इसे आंखों में लगाते हैं-3
16. प्रभाव-3
17. समीप, पास, नजदीक-3
19. भगवान, खुदा-2
20. जानवर इसे खाते हैं-2
21. होठ, अधर-2
23. लूटपाट, डाका-4
25. प्रकार-3
26. बेबस, लाचार-4

ऊपर से नीचे

1. चिंगारी, अंगारा-3
2. मस्ती में चूर-2
3. इज्जत, साख-2
4. तलवार (उर्दू-4)
6. रसदार, रस से भरा-3
7. मेहंदी, ऋषि कपूर की फिल्म-2
9. सब्जी, भाजी-4
13. कमी-3
14. अकबर के एक हिंदू सलाहकार-4
17. अचरज भरा कार्य-4
18. वायुसेना के एक विमान का नाम-3
20. चाहत, प्रेम-2
22. ऋतुराज, मौज-मस्ती-3
23. रास्ता, डगर-2
24. एक पेड़ जिसकी टहनी से दातुन करते हैं-3

शब्द पहेली -8582 का हल

■	ब	र	ग	द	■	स	■	■
■	द	■	म	■	कि	फा	य	त
अ	ना	प	■	कि	रा	या	■	ह
■	म	र	ना	■	ये	■	रा	जी
प्र	■	स	म	झ	दा	र	■	ब
त्या	ग	■	क	■	र	स	ना	■
रो	■	ज	मा	त	■	म	म	ता
प	न	प	ना	■	चो	■	ची	■
■	■	जा	■	अ	र	मा	न	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने रमन विज्ञान केंद्र में जाना तकनीक और विज्ञान का अनूठा संगम

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और छात्रों को व्यावहारिक एवं उद्योग-उन्मुख ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी के छात्र-छात्राओं ने नागपुर स्थित रमन विज्ञान केंद्र का शैक्षणिक भ्रमण किया। विद्यालय में संचालित व्यवसायिक शिक्षा (वोकेशनल ट्रेनिंग) का संचालन VTP पार्टनर ICA कंपनी द्वारा किया जा रहा है, जिसके तहत छात्रों को आईटी ट्रेड में उद्योग-आधारित कौशल प्रदान किए जा रहे हैं। भ्रमण की शुरुआत में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के आईटी ट्रेड के छात्रों ने केंद्र के विशाल साइंस पार्क का अवलोकन किया। यहां खुले वातावरण में स्थापित वैज्ञानिक उपकरणों के माध्यम से उन्होंने गुरुत्वाकर्षण, ध्वनि की गति तथा ऑप्टिकल इल्यूजन जैसी अवधारणाओं को स्वयं प्रयोग करके समझा। इसके बाद छात्रों ने तारामंडल शो और 3डी शो का आनंद लिया, जिसमें खगोल विज्ञान की जटिलताओं को रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया। यह अनुभव छात्रों के लिए जादुई सरीखा रहा। पार्क के बाद छात्रों ने इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी गैलरी का दौरा किया। ICA कंपनी के व्यवसायिक प्रशिक्षक के.के. महारवाड़े के मार्गदर्शन में छात्रों ने कंप्यूटर के विकास क्रम, बाइनरी सिस्टम तथा डेटा संचार की प्रक्रियाओं को डिजिटल मॉडलों के जरिए समझा। छात्रों को यह संदेश दिया गया कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए केवल कंप्यूटर संचालन ही पर्याप्त नहीं, बल्कि तकनीकी दक्षता और प्रोफेशनल स्किल्स का विकास आवश्यक है। यह भ्रमण प्रधानाचार्य डी.के. फुल्लारे के मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षक के.के. महारवाड़े के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। छात्रों की सुरक्षा और अनुशासन में वरिष्ठ शिक्षक सूरीतदास बनोठे, छाया किशोर घरते, शीतल तूरकर, शिवानी खरगाल, अंजू करहि, रविंद्र नागदेवे, सुरेश बंसोड, यमुना लिल्हारे तथा भृत्य किसन लाल बिसेन का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

छात्रों की प्रतिक्रियाएं

भ्रमण से लौटे छात्रों के चेहरों पर नई सीख की खुशी साफ झलक रही थी। तनु उईके और स्नेहा गोस्वामी ने कहा, साइंस पार्क में वैज्ञानिक उपकरणों से खेलना सबसे यादगार रहा। हमें पता चला कि विज्ञान हमारे आसपास की हर छोटी-बड़ी चीज में मौजूद है। सानिध्य दशरिया और विनय बोहने ने बताया, आईटी गैलरी में कंप्यूटर के हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर की आधुनिक जानकारी मिली, जो किताबी ज्ञान से आगे की दुनिया समझने में मदद करेगी। सिमरन वनस्पाल और निधि पटले ने कहा, इस यात्रा से समझ आया कि करियर के लिए किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक स्किल्स कितने जरूरी हैं। इस भ्रमण में पलक कावड़े, बाला टेंभरे, वेदार्थ रणदीवे, समर्थ लाड़े, भूमेश्वरी शुक्ला, जयंत, वृष्टि, पुनीत, मयंक लाखे, देवांशू, आदित्य, अपर्णा गजभिए, परी दुबे, प्रियल वनजारी सहित सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रों ने एक स्वर में कहा कि यह यात्रा उनके लिए यादगार रही, जिसमें उन्होंने किताबों में पढ़ी कई चीजों को प्रत्यक्ष देखा और अनुभव किया।

लोको पायलट पद पर इमरोज़ कादरी का चयन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के लिए यह अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि नगर के होनहार युवा इमरोज़ कादरी का चयन लोको पायलट पद के लिए हुआ है। इमरोज़ कादरी, लांजी निवासी सफीक कादरी के छोटे पुत्र हैं। उनकी माता एक शिक्षिका हैं, जबकि उनके बड़े भाई शाहबाज कादरी लांजी में वकालत करते हैं। इमरोज़ की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से न केवल उनके परिवारजन बल्कि मित्रों और क्षेत्रवासियों में भी खुशी की लहर दौड़ गई है एवं बधाइयों का तांता लग गया है।

प्रतिभाओं का गढ़ है लांजी क्षेत्र

लांजी क्षेत्र में प्रतिभाओं कमी नहीं है, यहां के विद्यार्थियों ने समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रों में चयनित होकर अपनी प्रतिभाओं का परिचय दिया है। इमरोज़ कादरी का चयन इस बात का प्रमाण है कि लांजी में होनहार युवाओं की कोई कमी नहीं है। इमरोज़ कादरी लांजी नगर के मुस्लिम समाज से चयनित होने वाले पहले लोको पायलट हैं, जिससे संपूर्ण मुस्लिम समाज में भी विशेष हर्ष और गौरव का माहौल है।

शिक्षा और मेहनत की मिसाल

इमरोज़ ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा फरहान इंग्लिश स्कूल, लांजी से प्राप्त की। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू की और कठिन परिश्रम, अनुशासन व लगन के बल पर यह सफलता हासिल की। अपनी सफलता का श्रेय देते हुए इमरोज़ कादरी ने कहा कि वे इसे अपने माता-पिता, शिक्षकों और मार्गदर्शकों को समर्पित करते हैं। उनका मानना है कि निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।क्षेत्रवासियों ने इमरोज़ कादरी के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी।

बोलेगांव के सांदीपनि विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया वार्षिक उत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी तहसील के ग्राम बोलेगांव स्थित सांदीपनि विद्यालय में शुक्रवार को वार्षिक उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती पूजन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में लांजी विधायक राजकुमार करहि और विशेष अतिथि के रूप में बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीना उपस्थित रहे। इस अवसर पर एसडीएम कमलचंद सिंहसार, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनीरे, भानेगांव मंडल अध्यक्ष सीताराम रावते, लांजी मंडल अध्यक्ष आलोक चौरसिया सहित कई गणमान्य जनप्रतिनिधि, सरपंच, उपसरपंच और ग्रामवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय के प्राचार्य बी.आर. गुरदे और स्टाफ ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिसमें देशभक्ति गीत, धार्मिक भजन, साहित्यिक कार्यक्रम और विभिन्न नृत्य शामिल थे। बच्चों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया और तालियां बटोरीं। प्राचार्य बी.आर. गुरदे ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें संस्था की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों और उपलब्धियों का विस्तार से उल्लेख किया गया।

अपने संबोधन में कलेक्टर मृणाल मीना ने विद्यालय के शिक्षकों और छात्रों की ऊर्जा एवं समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन जीवन का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव होता है, जिसमें बच्चे आसानी से नई चीजें सीखते हैं। पढ़ाई के साथ-साथ संगीत, खेलकूद और अन्य गतिविधियों में भाग लेकर बच्चे अपना सर्वांगीण विकास कर सकते हैं और भविष्य को बेहतर बना सकते हैं।

लक्ष्य को तय कर पढ़ाई करें - राजकुमार करहि

विधायक राजकुमार करहि ने संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी लक्ष्य को तय कर पढ़ाई करे , सफलता उन्हें निश्चित रूप से मिलेगी। हम देख रहे हैं क्रिकेट में 14-15 साल के बच्चे कैसे सिक्स मार रहे हैं, वल्डकप तक खेल रहे हैं। शहर के बच्चे कला व खेल के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, इसी तरह ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से आगे आए।

कार्यक्रम में प्राचार्य टेमनी जैनेन्द्र बेदरे, जनपद सदस्य रेवाजी कराहटकरे, युवराज भटेरे, पूर्व जनपद सदस्य अशोक बापूरे, ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती प्रतिभा अनिल भरतद्वाज, उपसरपंच श्रीमती चित्ररेखा कालबेले, बी आर बापुरे सेवानिवृत अभियंता, पालक शिक्षक संघ अध्यक्ष अनिल नागवंशी, आवा सरपंच ललित कबीरे, बिंझलगांव सरपंच रोशनलाल दल्लेमाल, भीमोडी सरपंच श्रीमती चित्ररेखा पुरुषोत्तम अस्तने, भानेगांव सरपंच राम ठाकरे, ओमप्रकाश बापुरे, ओमप्रकाश बिलावर एवं अन्य आमंत्रित गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिती रही।

मंगेश यादव का आईपीएल मे चयन होने पर किरनापुर के खिलाडियों मे हर्ष का माहौल

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। आगामी समय मे होने वाले आईपीएल टूर्नामेंट मे खिलाड़ियों के ऑक्शन (नीलामी)की प्रक्रिया सम्पन्न हुई। जिसमे उभरते हुए युवा क्रिकेट खिलाड़ी मंगेश यादव को आईपीएल की टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने 5 करोड़ 20 लाख मे खरीदी की है। बताए कि मंगेश यादव मूल रूप से छिंदवाड़ा का रहने वाला है जो किरनापुर मे गत वर्ष सम्पन्न हुए क्रिकेट टूर्नामेंट मे 2-3 बार खेलने भी आया था। तथा मंगेश ने अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए सभी खेलप्रेमी दर्शकों एवं खिलाडियों का दिल जीत लिया था और उन्होंने मेन ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब सामाजिक कार्यकर्ता मंगल प्रसाद रैकवार के हस्ते प्रदान किया गया था। मंगेश यादव के आईपीएल की टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर मे चयनित होने पर किरनापुर के खेलप्रेमी एवं सामाजिक कार्यकर्ता मंगल प्रसाद रैकवार, सूर्योदय स्पोर्टिंग वालीबॉल टूर्नामेंट समिति अध्यक्ष डॉ नन्हें बहेकार, उपाध्यक्ष मुकेश चौहान, सचिव शिव तारन, जे पी रामटेके, राकेश बोरकर,अहद ताजर, संजुल तारन , शुभम शेंडे ,बिट्टू राजपूत,नमनदीप उइके सहित समस्त खेलप्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए मंगेश यादव को बधाईयां दी है।

नगरीय क्षेत्रों में भूमिहीनों को पट्टा वितरण के लिए सर्वेक्षण सूची का हुआ प्रकाशन

15 दिनों के भीतर दावे आपत्ति आमंत्रित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संचालनालय, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा नगरीय क्षेत्रों के भूमिहीन व्यक्तियों को आवासीय भूमि के पट्टे प्रदान किए जाने संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अनुसार सर्वेक्षण सूची का प्रथम प्रकाशन 19 दिसंबर 2025 को कर दिया गया है।

सर्वेक्षण सूची का प्रथम प्रकाशन 19 दिसंबर 2025 को www.mpurban.gov.in, जिला कार्यालय, ई-नगरपालिका पोर्टल, एन.आई.सी. वेबसाइट, जिला बालाघाट तथा संबंधित नगरीय निकायों के वार्डों में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित कर दी गई है, ताकि पात्र भूमिहीन व्यक्तियों को समय पर जानकारी मिल सके। सर्वेक्षण सूची के अनुसार नगर पालिका बालाघाट में कुल 579 आवासहीन पाए गए है। इनमें 06 पात्र है और 573 अपात्र है। इसी प्रकार नगर परिषद लांजी मे कुल 38 आवासहीन पाए गए है। इनमें 11 पात्र है और 27 अपात्र है। नगर परिषद बैहर में कुल 76 आवासहीन पाए गए है, इनमें 40 पात्र है और 36 अपात्र है। नगर पालिका मलाजखंड में कुल 342 आवासहीन पाए गए है, इनमें 69 पात्र है और 273 अपात्र है। इस सर्वेक्षण सूची पर 15 दिनों के भीतर दावे आपत्ति संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय में प्रस्तुत किये जा सकते है। दावे आपत्ति के निराकरण के बाद 05 जनवरी 2026 को अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

सरस्वती शिशु मंदिर की छात्रा दिव्या घोंगड़े का राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। लांजी। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी की होनहार छात्रा दिव्या गिरीश कुमार घोंगड़े ने स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 69वीं राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, जिला और माता-पिता का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता बालिका वर्ग (14 वर्ष आयु वर्ग) के अंतर्गत अंबाह, जिला मुरैना में आयोजित की गई थी। दिव्या ने बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्य स्तरीय मुकाबलों में भाग लिया और अपनी खेल भावना व कौशल से सभी का ध्यान आकर्षित किया। छात्रा के इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी, अध्यक्ष बारेलाल बडघैया, व्यवस्थापक विजय कुमार रामटेककर, कोषाध्यक्ष छबिलाल मरठे, उपाध्यक्ष संतोष तिडके, सहसचिव श्रीमती दुर्गा रामटेक्कर तथा कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति लांजी के समस्त सदस्यों ने हार्दिक बधाई दी। साथ ही सदरूलाल बोहने प्रधानाचार्य एवं आचार्य परिवार ने भी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए दिव्या के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार का मानना है कि दिव्या जैसे प्रतिभाशाली छात्रा खेल के साथ-साथ शिक्षा में भी आगे बढ़कर देश का नाम रोशन करेंगे।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

6 साल पहले हुआ था भूमिपूजन : सुबह 9 बजे से रात 7 बजे तक 17 ट्रिप चलेंगी

भोपाल का मेट्रो डे कल, केंद्रीय मंत्री खट्टर और CM दिखाएंगे हरी झंडी, PM वर्चुअली देंगे संदेश

भोपाल

राजधानी में लंबी प्रतीक्षा के बाद अंततः कल से हमारी मेट्रो ट्रेन सरपट दौड़ने लगेगी। शुरुआती चरण में करीब सात किलोमीटर का सफर यानी सुभाष नगर से एम्स अस्पताल तक मेट्रो ट्रेन का संचालन होगा। मेट्रो ट्रेन के उद्घाटन सत्र में सीएम डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर सहित कई जानी-मानी हस्तियां शामिल होंगी।

बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह सीएम और केंद्रीय मंत्री सुभाष नगर स्टेशन से मेट्रो में बैठेंगे और एम्स तक सफर करेंगे। यहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रिकॉर्डेड वीडियो मैसेज जारी किया जाएगा। हालांकि आम जनता के लिए 21 दिसंबर यानी रविवार से मेट्रो का सफर शुरू होगा। यह ट्रेन सुबह 9 बजे से लेकर रात 7 बजे तक चलेगी। रोजाना 17 ट्रिप चलेगी और एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन की दूरी 3 मिनट में पूरी करेगी। इसमें न्यूनतम किराया 20 रुपए और अधिकतम किराया 70 रुपए तय किया गया है। यहां पर किसी तरह की फ्री यात्रा का प्रावधान नहीं रखा गया है। गौरतलब है कि 2019 में तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने एमपी नगर स्थित गायत्री मंदिर के पास मेट्रो का भूमिपूजन किया था।

इसके बाद भोपाल में पहली बार मेट्रो 3 अक्टूबर, 2023 को पटरी पर दौड़ी थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक मेट्रो में सफर किया था।

3 जोन में बांटा किराया, अधिकतम 40 रुपए रहेगा

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने भोपाल मेट्रो का किराया 3 जोन में बांटा है। इसमें कुल 8 स्टेशन हैं। पहले दो स्टेशन का किराया 20 रुपए है। 3 से 5 स्टेशन का 30 रुपए और 6 से 8 स्टेशन का किराया 40 रुपए लगेगा। उदाहरण के तौर पर यदि आप डीबी मॉल स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन जाते हैं तो आपको 20 रुपए चुकाने होंगे, लेकिन यदि आप एम्स तक की यात्रा कर रहे हैं तो आपको 40 रुपए किराया देना पड़ेगा।

8 मेट्रो स्टेशन में रुकेगी ट्रेन, यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था

राजधानी में सबसे पहले ऑरेंज लाइन के प्रायोरिटी कॉरिडोर सुभाष नगर से एम्स तक करीब साढ़े 6 किलोमीटर की शुरूआत हो रही है। इसमें 8 स्टेशन (सुभाष नगर, केंद्रीय स्कूल, डीबी मॉल, एमपी नगर, रानी कमलापति, डीआरएम ऑफिस, अलकापुरी और एम्स) शामिल हैं। एक रूट पर 75 मिनट के अंदर मेट्रो ट्रिप पूरी करेगी। एक दिन में कुल 17 ट्रिप होंगी, जिसमें एम्स से सुभाष नगर के बीच 9 और सुभाष नगर से एम्स के बीच 8 ट्रिप शामिल हैं। पहली ट्रेन सुबह 9 बजे से एम्स स्टेशन से चलेगी और आखिरी स्टेशन सुभाष नगर तक 40 मिनट में पहुंचेगी। वहीं आखिरी ट्रेन भी एम्स से ही शाम 5 बजे चलेगी, जो शाम 6.25 बजे सुभाष नगर पहुंच जाएगी।

मेट्रो ट्रेन आने के बाद 10 सेकंड के लिए खुलेगा गेट

स्टेशन से टिकट लेने के बाद यात्री प्लेटफॉर्म पर पहुंचेंगे। यहां पर मेट्रो ट्रेन आने के 10 सेकंड बाद प्लेटफॉर्म और मेट्रो के गेट एक साथ खुलेंगे। इस दौरान अनाउंसमेंट भी होगा कि गेट से दूरी बनाकर रखें, गेट खुलने वाले हैं। भोपाल में संचालित मेट्रो में कुल 980 यात्रियों की क्षमता है। हालांकि, एक कोच में लगभग 330 यात्री ही सफर कर सकते हैं। एक कोच में बैठने के लिए सिर्फ आमने-सामने दोनों तरफ मिलाकर 6 चेयर हैं। 6 में से कुछ चेयर पर 5 तो कुछ पर 7 यात्रियों के बैठने की जगह है। इस लिहाज से एक कोच में 50 यात्री ही बैठ सकेंगे। बाकी 280 यात्रियों को खड़े होकर ही यात्रा करनी होगी।

बैहर में क्रिसमस एवं नववर्ष के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अनुविभागीय दण्डाधिकारी बैहर श्री अर्पित गुप्ता के आदेशानुसार बालाघाट जिले की बैहर तहसील में क्रिसमस एवं नववर्ष के अवसर पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जारी किया गया है।

आदेश के अनुसार यह प्रतिबंध 25 दिसंबर 2025 (क्रिसमस) एवं 1 जनवरी 2026 (नववर्ष) के दिन प्रभावी रहेगा। साथ ही यह प्रतिबंध 17 दिसंबर 2025 की सुबह 12 बजे से 5 जनवरी 2026 की शाम 5 बजे तक लागू रहेगा। यह निर्णय कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, कोर ज़ोन एवं बफर ज़ोन तथा चिन्हित ईको-सेंसिटिव क्षेत्रों में वन्यजीवों के दैनिक क्रियाकलाप एवं मानसिक संतुलन पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को रोकने के उद्देश्य से लिया गया है। इसके अतिरिक्त आमजन एवं पर्यटकों की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है।

प्रतिबंध अवधि के दौरान इन क्षेत्रों के आसपास स्थित होटल, लॉज एवं रिसोर्ट में वैवाहिक कार्यक्रम, जुलूस, रैली, धरना-प्रदर्शन, खेल प्रतियोगिताएं, पटाखों का उपयोग, पार्टियां, टीवी, एलसीडी अथवा चलित वाहनों में तीव्र ध्वनि विस्तारक यंत्रों का संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ ही सड़क, जंगल एवं नदी के पास किसी भी प्रकार की अनाधिकृत गतिविधि, उपद्रव, पार्टी एवं शराब पीकर वाहन चलाने पर भी सख्त प्रतिबंध लगाया गया है।

आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने आम नागरिकों एवं पर्यटकों से आदेश का पालन करने एवं शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने में सहयोग की अपील की है।

शहर में लो फ्लोर बसों की चिंता नहीं इंदौर-उज्जैन के लिए EV का फोकस

भोपाल

यह एक विडम्बना ही कही जाएगी कि इससमय राजधानी में लो फ्लोर बसों की हालत खराब चल रही है लेकिन उसकी तरफ देखने की बजाय भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड पहली बार पूरी तरह इलेक्ट्रिक इंटरसिटी बस सेवा फोकस कर रहा है। नये साल में अमृत 2.0 मिशन के तहत मिली 22 नई इलेक्ट्रिक बसें इंदौर, उज्जैन व सागर रूट पर चलाई जाएंगी। बीसीएलएल इसके लिये जल्द टेंडर निकालकर एजेंसी तय करेगा। जो एजेंसी बस चलाएगी, वही आईएसबीटी और हलालपुर में चार्जिंग स्टेशन भी बनाएगी। अभी तक इंटरसिटी कनेक्टिविटी सूत्र सेवा के पुराने डीजल मॉडल पर चल रही थी। इस सर्विस की शुरूआत अगस्त 2018 में हुई थी। उस समय 127 बसों की मंजूरी मिली थीं। करीब

110 बसों का संचालन होने लगा था, लेकिन इन बसों की खराबी और मेंटेनेंस को लेकर काफी शिकायतें थीं। लेकिन लापरवाही के आलम में धीरे-धीरे ये बंद होती चली गईं। आज मुश्किल से 40 बसें ही संचालित हो रही हैं। इनकी तरफ बीसीएलएल का ध्यान नहीं गया है। अभी तक चल रही इंटर सिटी सर्विस में बसों की टाइमिंग सही न होने के कारण ये पूरी तरह से सफल नहीं हो पाई। असल में प्राइवेट ऑपरेटर को प्रीमियम टाइम दे दिया जाता है।

BU: बीएड, एमएड की परीक्षाएं स्थगित

भोपाल । बीयू ने बीएड व एमएड की प्रस्तावित परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है। विश्वविद्यालय द्वारा यह परीक्षाएं 24 दिसंबर से आयोजित की जानी थीं, लेकिन अपरिहार्य कारणों के चलते अब इन परीक्षाओं को आगामी आदेश तक के लिए

निरस्त कर दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि परीक्षा स्थगित करने का निर्णय विद्यार्थियों के हित और प्रशासनिक कारणों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। नई समय सारिणी एवं परीक्षा तिथियों की घोषणा शीघ्र ही विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट और संबंधित विभागों के माध्यम से की जाएगी।

अयोध्या नगर क्षेत्र : ऑनलाइन गेम में 30 लाख रुपए हार जाने से दुखी कांट्रेक्टर ने फांसी लगाई

भोपाल

अयोध्या नगर इलाके में ऑनलाइन गेग में 30 लाख रुपए की रकम हार जाने से दुखी होकर सिविल कांट्रेक्टर ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें उसने ऑनलाइन गेम खेलने के लिए 30 लाख रुपए उधारी लेने की बात भी कही। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। एएसआई अजीम शेर खान के मुताबिक शारदा नगर निवासी शिवान गुप्ता पुत्र नरेश गुप्ता (32) सिविल कांट्रेक्टर था। कल उसने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए हमीदिया अस्तपाल भेज दिया। घर की तलाशी में पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उसने लिखा है कि उसने

ऑनलाइन गेग एविएटर में करीब 30 लाख रुपए गंवा दिए हैं। यह रकम उसने लोगों से उधार लेकर खेली थी। अब वह उस रकम चुका नहीं पा रहा, इसलिए वह खुदकुशी कर रहा है। पुलिस ने सुसाइड नोट को जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

वृद्धा ने फांसी लगाकर दी जान : पिपलानी पुलिस ने बताया कि 60 वर्षीय चंदा बाई भेल क्वार्टर में रहती थी। वह बीमारी भी रहती थी। कल महिला ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

फोटोग्राफर ने दी जान

कमला नगर पुलिस ने बताया कि ग्राम मेंडोरी में रहने वाला 30 वर्षीय हेमंत राय फोटोग्राफर था। कल उसे अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट डाली कि वह सुसाइड कर रहा है। इसके बाद उसने भदभदा ब्रिज पर पहुंचा और तालाब में छलांग लगा दी। अब उसने सुसाइड क्यों किया, इसका खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने उसके मोबाइल फोन को जब्त कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट में साइबर अपराधों से बचाव एवं डिजिटल सुरक्षा को लेकर एक साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों के प्रति सजग करना और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार की जानकारी देना रहा। कार्यक्रम में साइबर अपराध शाखा बालाघाट से आरक्षक सुश्री चांदनी शांडिल्य एवं आरक्षक सुश्री शिखा मीसारे तथा भरवेली थाना से नगर निरीक्षक संजय रीक्षिश्वर उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, अजनबियों के साथ अपनी निजी जानकारी साझा करने से बचें और साइबर अपराधियों के झांसे में न आएं। अधिकारियों ने ऑनलाइन ठगी से बचने के उपाय बताते हुए टोल फ्री नंबर 1930 की महत्ता पर प्रकाश डाला। साथ ही प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए संदेश स्टॉप, थिंक एंड टेक एक्शन के माध्यम से सोच-समझकर ऑनलाइन गतिविधियाँ करने की सीख दी गई। इस अवसर पर संस्था प्रमुख प्राचार्य अरुण कुमार तुमसरे सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े नियमों का पालन करने का संकल्प लिया।

पीजी कॉलेज में स्टार्टअप एवं बौद्धिक संपदा अधिकार पर वेबीनार आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय विधि महाविद्यालय बालाघाट द्वारा स्टार्टअप के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार विचारों और नवाचारों की सुरक्षा विषय पर एक दिवसीय वेबीनार का आयोजन शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने की। आयोजन आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सीमा श्रीवास्तव, डॉ. कंचन मसराम तथा शासकीय विधि महाविद्यालय बालाघाट के प्रभारी प्राचार्य डॉ. भूपेन्द्र कुमार ब्रम्हे के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में जन्ना तेजा बंडी, आईटी कंसल्टेंट एवं पेटेंट एजेंट ऑफ इंडिया (आंध्र प्रदेश) तथा डॉ. अंकित एस. काले, सहायक प्राध्यापक, शिवाजी साइंस कॉलेज, अमरावती (महाराष्ट्र) ने बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने स्टार्टअप, नवाचार एवं बौद्धिक संपदा संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के सह-संयोजक के रूप में श्री परसराम ठाकरे, सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य) एवं डॉ. राकेश चैरे, सहायक प्राध्यापक ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विधि महाविद्यालय के छात्र अभिषेक शर्मा एवं राहुल पटले ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया। कार्यक्रम के तकनीकी संचालन में डॉ. प्रवीण कौषले एवं डॉ. दुर्गेश अगासे का विशेष सहयोग रहा। वेबीनार में विधि विभाग के श्री जे.एम. चतुर्वेदी, इन्द्रपाल सिंह, गणेश दरवाई, श्रीमती रेखा बिसेन, श्रीमती करूणा हुरमारे सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। वेबीनार का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं नवाचारकर्ताओं को बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति जागरूक करना एवं स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करना रहा, जिसमें कार्यक्रम पूरी तरह सफल रहा।

पीजी कॉलेज में वंदे मातरम के मूल पाठ के पूर्ण गायन का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में 19 दिसंबर को राष्ट्रीय गीत 卐वंदे मातरम卐 के मूल पाठ के पूर्ण गायन का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के वर्चुअल कक्ष में दोपहर 12.00 बजे से किया गया, जो महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के शुद्ध उच्चारण एवं भावपूर्ण गायन से परिचित कराना रहा। इस अवसर पर डॉ. कंचन मसराम (नोडल अधिकारी, भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ), डॉ. प्रतिमा बिसेन (प्रभारी, कॅरियर गाइडेंस प्रकोष्ठ) तथा डॉ. गीतेश पटले (सहायक नोडल अधिकारी, भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ) द्वारा विद्यार्थियों को वंदे मातरम् के मूल पाठ का पूर्ण गायन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव, डॉ. योगेश विजयवार, डॉ. ताराचंद बड़घैया, प्रो. सुखचंद ऐडे, प्रो. परसराम ठाकरे सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन महाविद्यालय के विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

भारत ने लगातार 8वीं टी-20 सीरीज जीती

साउथ अफ्रीका को 5वें मैच में 30 रन से हराया; तिलक-पंड्या की फिफ्टी; चक्रवर्ती को 4 विकेट

अहमदाबाद। भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज 3-1 से जीत ली है। टीम ने शुक्रवार को खेले गए 5वें मैच में अफ्रीका को 30 रन से हराया। अहमदाबाद में भारतीय गेंदबाजों ने 232 रन का टारगेट चेज रही साउथ अफ्रीका 20 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन ही बना सकी। वरुण चक्रवर्ती ने सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लिए। क्विंटन डी कॉक ने 35 बॉल पर 65 रन बनाए। इससे पहले भारतीय टीम ने तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या के अर्धशतकों के सहारे 20 ओवर में 5 विकेट पर 231 रन का स्कोर बनाया। तिलक ने 42 बॉल पर 73 रन बनाए, जबकि पंड्या ने 25 बॉल पर 63 रन की पारी खेली। संजू सैमसन ने 37 और अभिषेक शर्मा ने 34 रन बनाए।

पंड्या ने 16 बॉल पर फिफ्टी लगाई

पंड्या ने 16 बॉल पर फिफ्टी पूरी की। यह भारत की ओर से टी-20 इंटरनेशनल में दूसरी सबसे तेज फिफ्टी है। टीम इंडिया की ओर से सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड युवराज सिंह (12 बॉल) के नाम है।

भारत की तरफ से टी-20 में फास्टेस्ट फिफ्टी

बैटर्स	बॉल	खिलाफ	साल
युवराज सिंह	12	इंग्लैंड	2007
हार्दिक पंड्या	16	साउथ अफ्रीका	2025
अभिषेक शर्मा	17	इंग्लैंड	2025
केएल राहुल	18	स्कॉटलैंड	2021
सूर्यकुमार यादव	18	साउथ अफ्रीका	2022
गौतम गंभीर	19	श्रीलंका	2009
रोहित शर्मा	19	ऑस्ट्रेलिया	2024

रद्द हुए टी20 मैच के टिकट के पैसे वापस करेगा यूपीसीए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खराब मौसम के कारण रद्द हुए चौथे टी20 मैच के टिकट के पैसे दर्शकों को वापस लौटाये जाएंगे। मैच शाम सात बजे से खेला जाना था पर घने कोहरे के कारण ये नहीं हो पाया। यूपीसीए सचिव प्रेम मनोहर गुप्ता ने कहा, 'जिन दर्शकों ने ऑनलाइन टिकट बुक किए थे उन्हें टिकट की रकम वापस मिल जाएगी।' उन्होंने कहा, 'रिफंड से जुड़े नोटिफिकेशन पंजीकृत ईमेल एड्रेस पर भेजे जाएंगे। टिकट धारकों को सलाह दी जाती है कि वे आगे के अपडेट के लिए नियमित रूप से अपने ईमेल देखते रहें।' वहीं जिन लोगों ने ऑफलाइन टिकट खरीदे थे वे 20, 21 और 22 दिसंबर को सुबह 11 बजे से शाम छह बजे के बीच इकाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के गेट नंबर दो पर बॉक्स ऑफिस से अपने पैसे वापस ले सकते हैं। वहीं एक बयान के अनुसार, 'ऑफलाइन टिकट धारकों को स्वयं आना होगा और उन्हें अपने असली टिकट के साथ ही किसी सरकारी पहचान पत्र की प्रति साथ लानी होगी।' उन्होंने कहा, 'टिकटधारक बताए गए सभी दस्तावेज अपनी बैंक जानकारी के साथ जमा करेंगे। वहीं काउंटर पर दिए गए रिफंड फॉर्म को भी भरेंगे। जांच के लिए भरे हुए फॉर्म के साथ असली टिकट जमा करें।' इस बयान में कहा गया, 'वेरिफिकेशन के बाद ही रिफंड फॉर्म में दी गई जानकारी के अनुसार बैंक खातों में सीधे ही राशि भी दी जाएगी।'

हेड ने एशेज के तीसरे टेस्ट में शतक के साथ ही रोहित को पीछे छोड़ा

एडीलेड। ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट की दूसरी पारी में शतक लगाकर अपनी टीम को विशाल बढ़ दिला दी है। इस मैच में हेड ने 146 गेंदों पर अपने टेस्ट करियर का 11वां शतक लगाया। उन्होंने अपने इस शतक के दौरान भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा का एक विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) मुकाबलों में सबसे अधिक 9 शतक का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

हेड ने डब्लयूटीसी में अपना 10वां शतक लगाया है। हेड अब इन 10 शतकों के साथ शुभमन गिल के बराबर संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं इंग्लैंड के जो रूट के नाम डब्लयूटीसी में सबसे ज्यादा 22 शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड है।वहीं स्टीव स्मिथ के नाम 13 जबकि केन विलियमसन के नाम 11 शतक हैं।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी के 371 रनों के जवाब में इंग्लैंड टीम 286 पर सिमट गयी थी। इससे ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 85 रनों की बढ़त मिली है। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में चार विकेट पर 271 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 356 रन की हो गई है। स्टंप्स के समय हेड 142 रन और कैरी 52 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

अंडर-19 एशिया कप फाइनल में भारत-पाकिस्तान मुकाबला रविवार को

टीम इंडिया ने सेमीफाइनल में श्रीलंका को हराया; आरोन जॉर्ज-विहान मल्होत्रा की फिफ्टी

दुबई। भारतीय टीम अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पहुंच गई है। टीम ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में श्रीलंका को 8 विकेट से हराया। अब रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल खेला जाएगा। सेमीफाइनल मुकाबला दुबई के ICC एकेडमी ग्राउंड पर खेला गया। मैच बारिश के कारण समय पर शुरू नहीं हो सका। बाद में इसे 20-20 ओवर का कर दिया गया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की टीम 8 विकेट पर 138 रन ही बना सकी। चमीका हीनतिगाला ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। भारत की ओर से कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल ने 2-2 विकेट झटके। भारत ने 18 ओवर में दो विकेट खोकर 139 रन बनाकर मैच जीत लिया। विहान मल्होत्रा ने 45 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली। आरोन जॉर्ज ने 49 गेंदों पर 58 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से दोनों विकेट रसिथ नीमसरा ने लिए। विहान और आरोन ने नाबाद 114 रन जोड़कर भारत को जीत दिला दी। विहान और आरोन ने नाबाद 114 रन जोड़कर भारत को जीत दिला दी। इस साल 6 बार भारत ने पाकिस्तान को हराया 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच कुल सात मुकाबले खेले गए। अंडर-19 एशिया कप (वनडे) के लीग मैच में भारत ने पाकिस्तान को 90 रन से हराया। इसके बाद मेंस चैंपियंस ट्रॉफी (वनडे) के लीग मुकाबले में भारत ने 6 विकेट से जीत दर्ज की। एशिया कप (T20) में दोनों टीमें तीन बार आमने-सामने आईं, जहां ग्रुप स्टेज में भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया, सुपर-4 में 6 विकेट से जीत हासिल की और फाइनल में 5 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर ट्रॉफी जीती। विमेंस वर्ल्ड कप के लीग मैच में भी भारत का दबदबा देखने को मिला, जहां भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट से शिकस्त दी। हालांकि, एशिया कप राइजिंग स्टार्स (T20) के ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान ने भारत को 8 विकेट से हराकर एकमात्र जीत दर्ज की। कुल मिलाकर 2025 में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 7 में से 6 मुकाबले जीते।

हेड और कैरी की शानदार बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड पर शिकंजा कसा

एडीलेड। सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड और एलेक्स कैरी की शानदार बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज टेस्ट में अपना शिकंजा कस दिया है। हेड के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में चार विकेट पर 271 रन बनाए हैं। इस प्रकार उसकी इस मैच में कुल बढ़त 356 रनों की हो गयी है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 371 रन जबकि इंग्लैंड ने 286 रन रन बनाये थे। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर 85 रनों की बढ़त मिली हुई थी।

तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक हेड 142 रन और कैरी 52 रन बनाकर खेल रहे थे। तीसरे दिन का आकर्षण हेड की पारी रही। हेड ने

जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट करियर का 11वां शतक लगाया। हेड और कैरी के बीच पांचवें विकेट के लिए 122 रनों की साझेदारी हुई है।

इंग्लैंड को पहली पारी में समेटने के बाद दूसरी पारी में उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने शुरुआती विकेट खो दिये। वीदराल्ड एक ही रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद हेड और लाबुशेन ने ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभाला।

गंभीर को कोच नहीं मैनेजर मानते हैं कपिल

कोलकाता। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि आज के समय को देखते हुए गौतम गंभीर को आप कोच नहीं मैनेजर कह सकते हैं। गंभीर के कामकाज की हो रही आलोचनाओं के बीच ही कपिल ने कहा कि आज जो गंभीर या अन्य कोच कर रहे हैं। उसमें व मुख्य रुप से खिलाड़ियों को कोचिंग देने से ज्यादा उनका 'प्रबंधन' कर रहे हैं। गौरततब है कि दक्षिण फ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में टीम की हार के बाद से ही गंभीर आलोचकों के निशाने पर हैं। उनके खिलाड़ियों में लगातार बदलाव करने और अधिक ऑलराउंडर खिलाड़ियों पर निर्भर रहने की रणनीति की भी आलोचना हुई है। कपिल ने कहा कि आज के समय में जो काम किया जा रहा है उसको देखें तो क्रिकेट में 'कोच' शब्द सही नहीं है। आज कोच केवल मैनेज कर रहे हैं, एक बल्लेबाज कैसे किसी विकेटकीपर या गेंदबाज को कुछ सिखा सकता है। इसलिए गंभीर को कोच नहीं कहा जा सकता है। वह टीम के मैनेजर हो सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''जब आप कोच कहते हैं तो कोच वह होता है जिससे मैं स्कूल और कॉलेज में सीखता हूं। वे लोग मेरे कोच थे। वे मुझे मैनेज कर सकते हैं।''

उन्होंने कहा कि एक मैनेजर के तौर पर आप उन्हें प्रोत्साहन देते हैं कि आप यह कर सकते हैं क्योंकि जब आप मैनेजर बनते हैं तो युवा लड़के आप पर भरोसा करते हैं।'' कपिल ने कहा कि अगर सुनील गावस्कर इस दौर में खेलते तो वह सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाज होते। उन्होंने कहा, ''मुझे क्रिकेट में सब कुछ पसंद है। टी20, टी10, एकदिवसीय, सब कुछ। मैं हमेशा एक बात और कहता हूं। मैंने कहा कि अगर सुनील गावस्कर इस दौर में खेलते तो वह टी20 में भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी होते।''कपिल ने कहा, ''जिन लोगों का डिफेंस मज़बूत होता है उनके लिए आक्रामक शॉट खेलना आसान होता है। डिफेंस मुश्किल होता है। इसलिए मैंने हमेशा कहा है कि उस इंसान को याद रखें जिसका डिफेंस शानदार है, वह हमेशा आक्रामक होकर खेल सकता है क्योंकि उसके पास उतना अतिरिक्त समय होता है।''

टी20 विश्वकप के लिए आज भारतीय टीम की घोषणा कर सकता है बीसीसीआई

मुम्बई। अगले साल की शुरुआत में होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट के लिए शनिवार को भारतीय टीम की घोषणा हो सकती है। अब देखना होगा कि इसमें किन-किन खिलाड़ियों को अवसर मिलता है। भारतीय टीम नये साल की शुरुआत में जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर 5 मैच की टी20 सीरीज खेलेगी। जिसके बाद फरवरी में टी20 विश्वकप कप शुरु होगा। आमतौर पर आईसीसी टूर्नामेंट के लिए टीमों को एक महीने पहले अपने दल घोषित करने होते है पर भारतीय बोर्ड अधिकतर अंतिम समय में ही टीम की घोषणा करता रहा है हालांकि इस बार माना जा रहा है कि बोर्ड टीम की घोषणा पहले ही कर सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई 20 दिसंबर को ही न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के साथ-साथ ही विश्वकप के लिए भी टीम की घोषणा कर सकता है। भारत की 15 सदस्यीय टी20 टीम और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीमों के चयन की बैठक शनिवार 20 दिसंबर को दोपहर होने की संभावना है। अब देखना होगा कि इसमें चोटिल बल्लेबाज शुभमन गिल को टीम में जगह मिलती है या नहीं। शुभमन फिट नहीं होने के कारण ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज नहीं खेल पाये थे। शुभमन का प्रदर्शन इस साल टी20 में अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में अगर वह फिट नहीं होते हैं तो उनकी जगह पर संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल में से किसी एक को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। वहीं पिछले काफी समय से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को भी टीम में जगह मिलने की उम्मीद है।

कॉन्वे के दोहरे शतक से न्यूजीलैंड ने बनाये 575 रन

वेस्टइंडीज ने बिना किसी नुकसान के 110 रन बनाये

बे ओवल। डेवन कॉन्वे के दोहरे शतक से न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 8 विकेट पर 575 रन बनाकर उसे घोषित कर दिया। पहले दिन के 1 विकेट पर 334 रनों से आगे खेलते हुए न्यूजीलैंड ने 200 से अधिक रन जोड़े। कॉन्वे ने जहां 367 गेंद पर 31 चौकों की मदद से 227 रन बनाये और टेस्ट करियर का छठा शतक लगाया। वहीं केन विलियमसन ने 31 और ग्लेन फिलिप्स ने 29 रन बनाये। रचिन रवींद्र ने 72 और एजाज पटेल ने 30 रन बनाये और ये दोनो आउट नहीं हुए। इसके बाद 8 विकेट पर 575 रन के स्कोर पर कप्तान ने पारी घोषित कर दी। वहीं वेस्टइंडीज की ओर से केमार रोच और रोस्टन चेज ने 1-1 विकेट लिए, जबकि जायडन सिल्स, एंडरसन फिलिप, और जस्टिन ग्रिव्स ने 2-2 विकेट लिए। इसके बाद वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी की शुरुआत करते हुए अच्छी बल्लेबाजी की और दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक बिना कोई विकेट खोये 110 रन बना लिए थे। इस प्रकार वेस्टइंडीज टीम पहली पारी के आधार पर अब भी 465 रनों से पीछे है। दिन का खेल समाप्त होने के समय जॉन कैंपबेल 14 और ब्रैंडन किंग 20 रन बनाकर खेल रहे थे।

होल्डर गुजरात टाइटंस के लिए फायदेमंद साबित होंगे-पार्थिव

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने इस बार आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर को सबसे अधिक 7 करोड़ रुपए में खरीदने को सही फैसला बताया है। टीम के सहायक कोच पार्थिव पटेल ने कहा है गुजरात टाइटंस की पिछले काफी समय से होल्डर पर नजरें थीं। पार्थिव ने कहा, हमने पिछले डेढ़ साल से होल्डर पर नजर बनाए रखी थी। वह टी20 क्रिकेट के एक बेहतरीन ऑलराउंडर हैं। उन्होंने सभी लीग में अच्छा खेला है। गुजरात टाइटंस हमेशा अनुभवी खिलाड़ियों को जोड़ने के लिए तैयार रहता है। हम सभी जानते हैं कि होल्डर कितने फायदेमंद हैं, वह अच्छी बल्लबाजी और गेंदबाजी करते हैं। वहीं युवा अशोक शर्मा को 90 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ने पर पार्थिव पटेल ने कहा, हम सभी को लगता है कि अशोक अच्छी तेज गेंदबाजी कर रहे हैं। हम टीम में एक प्रतिभाशाली अनकैप्ड तेज गेंदबाज को लाना चाहते थे और ये खोज अशोक के साथ पूरी हुई है।

वहीं फ्रेंचाइजी ने पृथ्वीराज यारा को 30 लाख रुपए में खरीदने के फैसले का भी बचाव किया है। इस युवा की प्रशंसा करते हुए कोच ने कहा, वह काफी समय से फर्स्ट-क्लास क्रिकेट खेल रहे हैं। बीच में उन्हें चोट भी लगी थी। वह हमारे लिए एक बाएं हाथ के गेंदबाज के तौर पर विविधता लाते हैं। हमें लगा कि पृथ्वीराज और अशोक का का संयोजन अच्छा रहेगा। हम उन्हें अपनी टीम में लाकर खुश हैं।

ईशान ने सैमसन को पीछे छोड़ा

पुणे। झारखंड को अपनी कप्तानी में पहली बार मुश्ताक अली ट्रॉफी जिताने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने शतक के साथ ही एक नया रिकॉर्ड अपने नाम किया है। अब ईशान ऐसे पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक शतक लगाये हैं। ईशान ने झारखंड के खिलाफ खिताब मुकाबले में 101 रन बनाये हैं। ईशान ने इसी के साथ ही विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन और ऋषभ पंत को पीछे छोड़ा। ईशान ने विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर पांचवां टी20 शतक लगाया है। इतने शक भारतीय टीम के किसी अन्य अन्य विकेटकीपर बल्लेबाज ने नहीं लगाये हैं। ईशान ने इसी के साथ ही अब तक 4 शतक के साथ नंबर एक पर चल रहे सैमसन को पीछे छोड़ दिया। सैमसन ने अब तक 4 शतक विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को मिलाकर लगाये हैं। वहीं ऋषभ ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी, टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट और आईपीएल मिलाकर 3 शतक लगाये हैं।

झारखंड ने पहली बार जीती सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

पुणे। कप्तान ईशान किशन के शानदार शतक से झारखंड ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीत ली है। झारखंड ने पुणे में खेले गए फाइनल मुकाबले में हरियाणा को 69 रन से हराकर पहली बार ये खिताब अपने नाम किया। फाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए झारखंड ने 262 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए हरियाणा की टीम 193 रन ही बना पायी। कप्तान ईशान किशन की इस जीत में अहम भूमिका रही। ईशान ने इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाये। उन्होंने फाइनल में 49 गेंद पर 101 रन की तूफानी पारी खेली। इस टूर्नामेंट के शीर्ष 5 बल्लेबाजों में ईशान के अलावा अंकित कुमार, कुमार कुशाग्र, यशवर्धन दलाल और आजिंक्या रहाणे शामिल हैं। ईशान ने 10 मैचों की 10 पारियों में 2 शतक और 2 अर्धशतक लगाने के साथ ही 197.32 की स्ट्राइक रेट से कुल 517 रन बनाए। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 113 रन रहा है। वहीं दूसरे स्थान पर रहे हरियाणा के अंकित कुमार ने 11 मैचों की 11 पारियों में 5 अर्धशतक के साथ 448 रन बनाए।झारखंड के कुमार कुशाग्र तीसरे नंबर पर रहे। कुशाग्र ने 10 मैचों की 10 पारियों में 4 अर्धशतक लगाते हुए 422 रन बनाए। हरियाणा के यशवर्धन दलाल 11 मैचों की 10 पारियों में 5 अर्धशतक की मदद से 398 रन बनाकर चौथे स्थान पर रहे।

आर्चर ने पांच विकेट और अर्धशतक लगाकर बनाया नया रिकार्ड

एडीलेड। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी एशेज क्रिकेट सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए एक अनौखा रिकार्ड अपने नाम किया है। आर्चर ऑस्ट्रेलिया में 30 साल बाद एक ही पारी में पांच विकेट और अर्धशतक लगाने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी बने हैं। आर्चर ने ये उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट की पहली पारी में पांच विकेट लेने के बाद बल्लेबाजी के दौरान अर्धशतक लगाकर हासिल की। आर्चर ने 20.2 ओवर में 53 रन देकर 5 विकेट लिए। इस दौरान उन्होंने 5 मेडन ओवर भी डाले। इसके बाद जब इंग्लैंड की बल्लेबाजी के दौरान शीर्ष क्रम के असफल होने पर आर्चर ने जबरदस्त बल्लेबाजी की। आर्चर ने नंबर-9 पर बल्लेबाजी करते हुए 105 गेंदों पर 51 रन बनाये। इस दौरान उन्होंने कप्तान बेन स्टोक्स के साथ शतकीय साझेदारी भी की। आर्चर इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया में एक टेस्ट मैच में पांच विकेट लेने और अर्धशतक बनाने वाले 30 सालों में पहले इंग्लैंड के खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले, यह रिकार्ड इंग्लैंड के लिए डैरेन गाफ ने साल 1995 में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया में एक टेस्ट मैच के दौरान पांच विकेट और अर्धशतक लगाकर बनाया था। एशेज सीरीज में अब तक आर्चर ने तीन मैचों में 29.25 की औसत से आठ विकेट लिए हैं, जिसमें उनके नाम एक पांच विकेट हॉल भी है। बल्ले से उन्होंने पांच पारियों में 33 की औसत से 99 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सबसे बेहतर स्कोर 51 है।

नेशनल हेराल्ड मामले में सत्य की जीत, मोदी-शाह की बदले की राजनीति बेनकाब -राजीव शुक्ला

कोर्ट ने ईडी की राजनीति-प्रेरित शिकायत खारिज की, मनरेगा को कमजोर करने का आरोप, कांग्रेस करेगी सड़क से संसद तक संघर्ष

अहमदाबाद। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस समिति की कार्यकारिणी के सदस्य, वरिष्ठ नेता और सांसद राजीव शुक्ला ने राजीव गांधी भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि बारह वर्षों बाद कांग्रेस को निशाना बनाने के लिए मोदी सरकार द्वारा रचा गया नेशनल हेराल्ड मामला शर्मनाक तरीके से समाप्त हो गया। मोदी-शाह के झूठ बेनकाब हो गए हैं और सच्चाई जीवित है। उन्होंने कहा कि जब अदालत ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज मामले को रद्द कर दिया, तब मोदी-शाह की बदले की राजनीति को बड़ा झटका लगा। वोट चोरी करने वाली सरकार ने अपनी कठपुतली शिकायत तक वापस ले ली और एक बार फिर ईडी की साख को नुकसान पहुंचाया। ईडी, जो मोदी सरकार का बढ़ा हुआ हाथ बन चुका है, ने पूरी तरह राजनीति से प्रेरित आरोपों के आधार पर मनमानी करने की कोशिश की, जिसे माननीय अदालत ने खारिज कर दिया।

राजीव शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को निशाना बनाने वाला यह मामला कानून से नहीं, बल्कि व्यक्तिगत द्वेष से प्रेरित था। पिछले 11 वर्षों में कांग्रेस द्वारा सरकार की विफलताओं को उजागर किए जाने से परेशान मोदी-शाह सरकार ने एक के बाद एक जांच एजेंसियों को राजनीतिक डराने-धमकाने का हथियार बना दिया। यह राजनीतिक बदले और एजेंसियों के दुरुपयोग का स्पष्ट उदाहरण है।

अदालत ने शिकायत पर संज्ञान लेने से भी इनकार करते हुए कहा कि यह पूरी तरह आधारहीन है। अदालत ने स्पष्ट किया कि आपराधिक कानून में संज्ञान के लिए न्यूनतम मानक होते हैं, जो इस मामले में पूरे नहीं होते—इससे यह स्पष्ट हो गया कि मामला खोखला और राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित था।

उन्होंने कहा कि जब राहुल गांधी ने भाजपा सरकार की वोट चोरी का पर्दाफाश किया, तो सरकार के पास झूठ और प्रपंच फैलाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा। तथ्यों के खत्म होते ही भाजपा ने चुने हुए मुकदमे, बार-बार आरोप और राजनीतिक विरोधियों को लगातार ट्रायल में फंसाए रखने की कोशिशें शुरू कर दीं। ईडी भाजपा की धमकाने वाली एजेंसी बनकर रह गई है।

कांग्रेस ने दोहराया कि वह इन तानाशाही हमलों के खिलाफ डटकर लड़ेगी। कोई भी धमकी सच्चाई को दबा नहीं सकती और सत्ता का दुरुपयोग न्याय को पराजित नहीं कर सकता। सच्चाई की जीत हुई है और होती रहेगी। 140 करोड़ भारतीय समझ चुके हैं कि नेशनल हेराल्ड मामला भाजपा के झूठ, प्रोपेगैंडा और राजनीतिक विरोधियों को किसी भी तरह फंसाने की नाकाम कोशिश के सिवा कुछ नहीं है।

राजीव शुक्ला ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने सुधार के नाम पर लोकसभा में एक विधेयक पारित कर दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना मनरेगा को खत्म कर दिया है। यह महात्मा गांधी के विचारों को मिटाने और सबसे गरीब भारतीयों से काम का अधिकार छीनने की जानबूझकर की गई कोशिश है। मनरेगा गांधीजी के ग्राम स्वराज, काम की गरिमा और विकेंद्रीकृत विकास के सपने का जीवंत उदाहरण रही है, लेकिन सरकार ने न सिर्फ उनके नाम को हटाया बल्कि 12 करोड़ मनरेगा मजदूरों के अधिकारों को भी कुचल दिया।

उन्होंने कहा कि दो दशकों से मनरेगा करोड़ों ग्रामीण परिवारों की जीवनरेखा रही है और कोविड-19 महामारी के दौरान यह आर्थिक सुरक्षा साबित हुई। 2014 से प्रधानमंत्री मोदी मनरेगा के विरोधी रहे हैं। पिछले 11 वर्षों में बजट कटौती, राज्यों के वैधानिक फंड रोकने, जॉब कार्ड रद्द करने और आधार-आधारित भुगतान को अनिवार्य कर लगभग सात करोड़ मजदूरों को बाहर करने जैसी नीतियों से योजना को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया गया। इसके चलते पिछले पांच वर्षों में मनरेगा औसतन 50-55 दिनों के रोजगार तक सिमट गई है।

उन्होंने कहा कि पहले मनरेगा संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत अधिकार-आधारित गारंटी थी, लेकिन नया ढांचा इसे शर्तों वाली, केंद्र-नियंत्रित योजना में बदल देता है। यह कोई सुधार नहीं, बल्कि गांव के गरीबों से एक संवैधानिक वचन को वापस लेना है। नई व्यवस्था राज्यों को यह तय करने की छूट देती है कि गरीब कब कमाएं और कब भूखे रहें।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष अमित चावड़ा ने कहा कि नाम बदलने की नीति छोड़कर सरकार को वास्तविक भ्रष्टाचार खत्म करने पर ध्यान देना चाहिए। मजदूरों की रोजी-रोटी पर हमला किया जा रहा है। गांधी विचार शाश्वत हैं—नाम बदलने से इतिहास नहीं बदलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था की बदहाली, महिलाओं पर अत्याचार और किसानों को नुकसान के बावजूद उचित मुआवजा न मिलने से जनता में भारी आक्रोश है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस की जनआक्रोश यात्रा को उत्तर गुजरात में भारी समर्थन मिला है और 20 दिसंबर से फागवेल की पावन भूमि से मध्य गुजरात में जनआक्रोश यात्रा की शुरुआत होगी।

बांग्लादेश में चीन बना रहा एयरबेस और सबमरीन यार्ड, संसदीय समिति की रिपोर्ट

नई दिल्ली। संसद में विदेश मंत्रालय की स्थायी समिति की ने रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश की वायुसेना के लालमोनिरहाट एयरबेस की हवाई पट्टी चीन बना रहा है। साथ ही चीन बांग्लादेश के पेकुआ में 8 पनडुब्बियों का अड्डा भी बना रहा है। बांग्लादेश की नौसेना के पास अभी 2 पनडुब्बी हैं। बांग्लादेश ने इसी साल मार्च में चीन के साथ एमओयू किया है। इसके तहत मोंगला पोर्ट का 370 मिलियन डॉलर से विस्तार होगा। भारत ने बांग्लादेश के डीजीएमओ से लालमोनिरहाट पर पूछा, तब सफाई आई कि इस हवाई पट्टी का सैन्य उपयोग नहीं करने दिया जाएगा। कमेटी को गैर सरकारी विशेषज्ञों ने बताया कि 1971 के बाद से भारत बांग्लादेश में सबसे बड़ी सामरिक चुनौती का सामना कर रहा है। लालमोनिरहाट एयरबेस भारत की उत्तरी सीमा से 15 किलोमीटर दूर है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर इसकी जद में आता है, इस संवेदनशील चिकननेक इलाके के रूप में जानते हैं। सिलीगुड़ी से बांग्लादेश वायुसेना के एयरबेस की दूरी करीब 70 किलोमीटर है। चीन की यहां मजबूत मौजूदगी गंभीर सामरिक सवाल खड़े करती है। भूटान और भारत के बीच के चीनी इलाके को देखते हुए भी इस एयरबेस का सामरिक महत्व बढ़ जाता है। कमेटी का कहना है कि बांग्लादेश में इसतरह के देशों के पांव मजबूत होना भारत की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है, जो हमारे मित्र नहीं। विदेश मंत्रालय ने समिति को आश्वस्त किया कि स्थिति पर पैनी नजर रखी जा रही है। राजनीतिक स्तर पर बांग्लादेश का हाथ थामते हुए चीन ने बांग्लादेश की जमात-ए-इस्लामी पार्टी को अपने यहां आमंत्रित किया और बांग्लादेश के राजनीतिक नेतृत्व के साथ अपने संबंध मजबूत करने के इरादे स्पष्ट कर दिए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद डिफेंस बजट में बड़ी बढ़त की तैयारी

नए ड्रोन, एयर डिफेंस और अटैक वेपन खरीदेगी सरकार

नई दिल्ली। भारत की सुरक्षा चुनौतियां दिन-ब-दिन बढ़ रही हैं। खासकर पड़ोसी देशों से आने वाले खतरों को देखते हुए भारतीय सेना को और मजबूत बनाने की जरूरत है। हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर ने यह साफ कर दिया कि भारत अब आतंकवाद के खिलाफ सख्त और त्वरित कार्रवाई करने में सक्षम है। इस ऑपरेशन के बाद रक्षा मंत्रालय अगले वित्तीय वर्ष (2026-27) के लिए रक्षा बजट में करीब 20 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी मांगने की तैयारी कर रहा है।

अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक भयानक आतंकी हमला हुआ था। पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी थी। यह हमला सिर्फ सीमा पार से नहीं, बल्कि भारत के अंदर धार्मिक आधार पर नफरत फैलाने की कोशिश था। जवाब में भारत ने 7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाक-अधिकृत कश्मीर में 9 बड़े आतंकी ठिकानों को सटीक हमलों से तबाह कर दिया। ब्रह्मोस मिसाइलें, आकाश एयर डिफेंस सिस्टम और स्वदेशी ड्रोन जैसी तकनीकों का इस्तेमाल हुआ। पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई में सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलें भेजीं, लेकिन भारत की मल्टी-लेयर एयर डिफेंस ने उन्हें रोक दिया। यह ऑपरेशन सिर्फ 4-5 दिनों का था, लेकिन इसने भारत की सैन्य ताकत और स्वदेशी हथियारों की विश्वसनीयता दुनिया के सामने दिखा दी। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया कि भारत अब स्ट्रैटेजिक रेस्ट्रेंट की पुरानी नीति से आगे बढ़ चुका है। अब आतंकवाद के खिलाफ सीधा और तेज जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे नया नॉर्मल कहा है- आतंकियों और उनके समर्थकों में कोई फर्क नहीं किया जाएगा।

इसलिए रक्षा बजट में बढ़ोतरी

रक्षा बजट में बढ़ोतरी की वजह ऑपरेशन सिंदूर है। अब ड्रोन हमलों का खतरा बढ़ गया है। एयर डिफेंस सिस्टम को और मजबूत करना जरूरी है। लंबी दूरी के हमलावर हथियार (स्टैंडऑफ वेपन्स) की कमी महसूस हुई। तेजी से आधुनिकीकरण (मॉडर्नाइजेशन) और सैन्य तैयारी बढ़ाने की आवश्यकता है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने हाल ही में कहा कि भारत का टफ नेबरहुड और लंबी अवधि की सुरक्षा जरूरतों को देखते हुए बजट में बड़ी बढ़ोतरी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि वित्त मंत्रालय इसका समर्थन करेगा।

वर्तमान रक्षा बजट कितना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में रक्षा मंत्रालय को रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह पिछले साल से करीब 9.5 प्रतिशत ज्यादा है। इसमें कैपिटल खर्च (नए हथियार और उपकरण खरीदने के लिए) 1.80 लाख करोड़ रुपये, रेवेन्यू खर्च (वेतन, रखरखाव, ईंधन आदि) करीब 3.12 लाख करोड़ रुपये, पेंशन खर्च1.61 लाख करोड़ रुपये, रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर 26,817 करोड़ रुपये है। इस बजट का बड़ा हिस्सा आत्मनिर्भर भारत अभियान पर खर्च होता है। 75 प्रतिशत कैपिटल खर्च स्वदेशी कंपनियों से खरीदारी के लिए रखा जाता है। अगले बजट में रक्षा मंत्रालय 2026-27 के लिए करीब 20 प्रतिशत बढ़ोतरी मांगेगा। अगर यह मंजूर हुई तो बजट 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकता है।

युद्ध की प्रकृति और वैश्विक हालात को देखते हुए वायुसेना को रहना होगा हमेशा तैयार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एयर फोर्स कमांडर्स कॉन्क्लेव को किया संबोधित

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत का स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' देश की सुरक्षा को नई मजबूती देगा और भविष्य की चुनौतियों से निपटने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने वायुसेना से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिले रणनीतिक और ऑपरेशनल अनुभवों को ध्यान में रखते हुए आगे की तैयारियां और मजबूत करने का आह्वान किया।

दरअसल रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दिल्ली में आयोजित एयर फोर्स कमांडर्स कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक हालात और आधुनिक युद्ध की प्रकृति को देखते हुए भारतीय वायुसेना को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने वायुसेना को तकनीकी रूप से उन्नत, रणनीतिक रूप से आत्मविश्वासी और किसी भी चुनौती का प्रभावी जवाब देने वाली ताकत बताया। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह और वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि जब पाकिस्तान की ओर से भारतीय ठिकानों को निशाना बनाने की नाकाम कोशिशें की गईं, तब देश के आम नागरिकों ने संयम बनाए रखा और सामान्य जीवन चलता रहा। यह स्थिति भारतीय जनता के अपनी सेनाओं पर गहरे भरोसे को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि जनता का यह विश्वास देश की सैन्य तैयारी और क्षमता की सबसे बड़ी ताकत है।

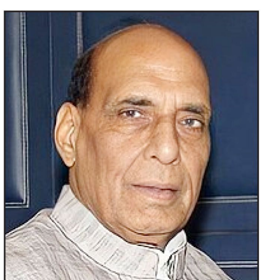

रक्षा मंत्री ने रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास संघर्ष, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि आधुनिक युद्ध में एयर पावर केवल सामरिक नहीं, बल्कि एक रणनीतिक साधन बन चुकी है। इसकी असली ताकत गति, आश्चर्य और त्वरित प्रभाव में है, जो न केवल युद्धक्षेत्र में बल्कि राजनीतिक स्तर पर भी स्पष्ट संदेश देने में सक्षम होती है।

उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 'सुदर्शन चक्र' को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। यह प्रणाली भारत की लेयर्ड एयर डिफेंस क्षमता को मजबूत करेगी, जिसमें आधुनिक सेंसर, हथियार प्लेटफॉर्म और कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम का एकीकृत ढांचा शामिल होगा, ताकि किसी भी हवाई खतरे पर समय रहते सटीक प्रतिक्रिया दी जा सके। राजनाथ सिंह ने कहा कि युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और अब यह तकनीक व नवाचार पर आधारित हो गया है। साइबर युद्ध, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन, सैटेलाइट निगरानी और स्पेस टेक्नोलॉजी आधुनिक युद्ध की अहम कड़ियां बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर तीनों सेनाओं के संयुक्त संचालन का सशक्त उदाहरण है और भविष्य में चुनौतियों से निपटने के लिए सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और समन्वय और मजबूत किया जाएगा।

मैं मॉं की कसम खाकर कहता हूं यह बिल गरीबों की भलाई वाला नहीं

-कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सदन में सरकार को घेरा

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन वीबी- जी राम जी बिल 2025 को लेकर भारी राजनीतिक हंगामा देखने को मिला। गुरुवार देर रात करीब 12.30 बजे राज्यसभा में यह बिल ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। बिल के पारित होने से पहले विपक्षी दलों ने तीखा विरोध जताया और इसे गरीबों, किसानों और महात्मा गांधी के विचारों के खिलाफ करार दिया। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने तो मॉं की कसम खाते हुए यहां तक कह दिया कि मैं मॉं की कसम खाकर कहता हूं कि यह बिल गरीबों की भलाई वाला नहीं है।

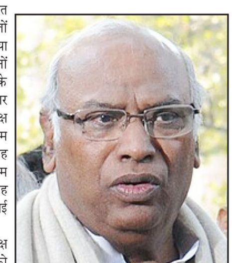

दरअसल विपक्ष की मांग थी कि बिल को सिलेक्ट कमेटी को भेजा जाए, लेकिन सरकार ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। बिल पर चर्चा के दौरान विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा में जोरदार नारेबाजी की। जब उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। इसके बाद विपक्ष की गैरमौजूदगी में सदन ने बिल को पारित कर दिया। इससे पहले बुधवार को लोकसभा में करीब 14 घंटे की लंबी बहस के बाद यह बिल ध्वनिमत से पास हुआ था।

बिल के विरोध में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर रातभर धरना दिया। टीएमसी सांसदों का आरोप है कि यह कानून महात्मा गांधी के नाम और उनके सिद्धांतों का अपमान है। उनका कहना है कि यह बिल ग्रामीण मजदूरों, किसानों और गरीब तबके के हितों को कमजोर करता है। टीएमसी नेताओं ने इसे 卐जनविरोधी कानून卐 बताते हुए केंद्र सरकार पर गरीबों की अनदेखी का आरोप लगाया।

मुंबई एयरपोर्ट ने रिकॉर्ड पैसेंजर ट्रैफिक दर्ज किया

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (सीएसएमआईए) ने नवंबर 2025 में रिकॉर्ड पैसेंजर ट्रैफिक परफॉर्मेंस दर्ज किया। इस महीने 48 लाख 88 हजार से ज़्यादा पैसेंजर आए, जो त्योहारों के मौसम और सर्दियों में ट्रैवल की बढ़ती डिमांड की वजह से हुआ। बताया गया है कि सीएसएमआईए ने नवंबर महीने में तीन तारीखों- 15, 22 और 29 को टॉप पैसेंजर ट्रैफिक रिकॉर्ड बनाए हैं। एयरपोर्ट ने 29 नवंबर 2025 को 1 लाख 76 हजार पैसेंजर के साथ एक दिन में अब तक का सबसे ज़्यादा पैसेंजर वॉल्यूम दर्ज किया। अंतरराष्ट्रीय यात्रा में, दुबई 2,09,714 पैसेंजर के साथ सबसे बिज़ी डेस्टिनेशन रहा, उसके बाद लंदन हीथ्रो (1,12,043 पैसेंजर) और अबू धाबी (1,00,284 पैसेंजर) रहे। घरेलू यात्रा के मामले में, दिल्ली 6,09,646 पैसेंजर के साथ लिस्ट में सबसे ऊपर रहा, उसके बाद बेंगलुरु (4,36,301 पैसेंजर) और चेन्नई (2,07,692 पैसेंजर) रहे। 29 नवंबर को यात्रा करने वाले कुल 1.76 लाख यात्रियों में से लगभग 1.22 लाख घरेलू यात्री थे, जबकि 54,000 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय यात्री थे। इस मील के पत्थर से पहले, सीएसएमआईए ने 21 नवंबर 2025 को 1,036 का अपना अब तक का सबसे अधिक डेली एयर ट्रैफिक मूवमेंट रिकॉर्ड किया था, जो पीक यात्रा अवधि के दौरान हवाई अड्डे की उत्कृष्ट परिचालन तत्परता को दर्शाता है। 29 नवंबर को सबसे अधिक यात्री मात्रा वाले अंतर्राष्ट्रीय गंतव्य दुबई (7,200 यात्री), लंदन हीथ्रो (4,766 यात्री), अबू धाबी (3,213 यात्री), सिंगापुर (3,054 यात्री) और दोहा (2,369 यात्री) थे। घरेलू नेटवर्क में, दिल्ली (22,703 यात्री), बेंगलुरु (11,565 यात्री), चेन्नई (7,578 यात्री), कोलकाता (6,667 यात्री) और हैदराबाद (6,507 यात्री) जैसे प्रमुख गंतव्यों में मजबूत मांग दर्ज की गई। भारत के सबसे बिज़ी और सबसे अच्छे कनेक्टेड एयरपोर्ट में से एक, सीएसएमआईए बढ़ते पैसेंजर वॉल्यूम को पूरा करता रहता है, साथ ही पीक ट्रैफिक पीरियड के दौरान भी आसान ऑपरेशन पक्का करता है। नवंबर 2025 में एयरपोर्ट के अच्छे परफॉर्मेंस ने मुंबई की पसंदीदा डोमेस्टिक और इंटरनेशनल गेटवे के तौर पर जगह को और पक्का किया है, जो आने वाले महीनों में बढ़ती ट्रैवल डिमांड को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में है।

शनि शिंगनापुर मंदिर के प्रबंधन पर सुप्रीम कोर्ट, मंदिर की सुरक्षा के लिए न्यायिक हस्तक्षेप जरुरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के मशहूर शनि शिंगनापुर मंदिर के प्रबंधन पर गंभीर चिंता जताकर कहा कि मंदिर ट्रस्ट ने प्रशासन को लेकर इतना संदेह पैदा कर दिया है कि मंदिर की सुरक्षा के लिए न्यायिक हस्तक्षेप जरुरी है। महाराष्ट्र सरकार और मंदिर प्रबंधन ट्रस्ट के बीच चल रहे विवाद की सुनवाई कर सुप्रीम कोर्ट ने 12 दिसंबर को बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले और अहिल्यानगर कलेक्टर द्वारा जारी आदेश पर रोक लगा दी। यह मामला मंदिर के प्रशासन और वित्त पर नियंत्रण से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के तीर्थस्थल के प्रशासन में तत्काल सुरक्षा उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया। सुनवाई के दौरान, महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि मंदिर में 2,400 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं और वेतन एवं संबंधित खर्चों पर प्रति माह 2.5 करोड़ से अधिक खर्च होते हैं। राज्य ने गंभीर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाकर कहा कि ट्रस्ट के सदस्य चैरिटी कमिश्नर के समक्ष आरोपों का सामना कर रहे हैं। वहीं ट्रस्ट के वकील ने आरोपों को खारिज कर उन्हें राजनीतिक रूप से प्रेरित और आगामी चुनावों से जुड़ा बताया। उन्होंने कहा कि मंदिर का प्रबंधन वर्षों से ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा है और चैरिटी कमिश्नर पहले ही खातों की जांच कर चुके हैं। वकील ने बताया कि कलेक्टर ने सितंबर में खातों का जिम्मा ले लिया था और 12 दिसंबर को ट्रस्ट को नोटिस जारी किया था।भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कामकाज के पैमाने पर सवाल उठाकर पूछा कि मंदिर को 2,400 कर्मचारियों की क्या जरुरत है और टिप्पणी की कि न्यासियों की राजनीतिक पृष्ठभूमि काफी मजबूत प्रतीत होती है। उन्होंने कहा आप करोड़ों रुपये के मामले को संभाल रहे हैं। आपका कार्यकाल वैसे भी 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि अदालत इस स्तर पर कोई अनुमान नहीं लगा रही है। सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को बताया कि मंदिर ट्रस्ट के नियम 12 दिसंबर को बने और लागू हुए थे। मुख्य न्यायाधीश ने कर्मचारियों के बायोमैट्रिक रिकॉर्ड मौजूद होने की बात कही और उचित प्रबंधन की आवश्यकता पर जोर दिया।

आप ने बीएमसी में सभी 227 वार्डों में उम्मीदवार उतारने की घोषणा की

मुंबई। आम आदमी पार्टी (आप) ने बृहन्मुंबई महानगर पालिका यानी बीएमसी में सभी 227 वार्डों में अपने उम्मीदवार उतारने की घोषणा करते हुए कहा है की वह किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होगी। पार्टी ने आरोप लगाया कि मुंबई की हालत खराब है। सभी पार्टियों ने बीएमसी को लूटा है। ऐसे में मुंबई को भारत की सबसे युवा राष्ट्रीय पार्टी आप की जरूरत है। पार्टी ने 21 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट भी जारी कर दी है। आम आदमी पार्टी ने दावा किया कि भारत का प्रमुख शहर होने के बावजूद मुंबई बदहाल है। बीएमसी का सालाना बजट 74,447 करोड़ रुपये है, जो एशिया में सबसे अधिक है। मुंबईकर देश में सबसे ज्यादा टैक्स देते हैं और फिर भी उन्हें घटिया सार्वजनिक सेवाएं मिलती हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि बीएमसी भ्रष्टाचार और अयोग्यता का अड्डा बन गई है। बीएमसी के स्कूल बंद हो रहे हैं। शिक्षा की गुणवत्ता खराब है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र न के बराबर हैं। अस्पतालों पर बोझ है और बेस्ट की बसों की संख्या कम करके उसे सुनियोजित तरीके से खत्म किया जा रहा है। शहर में कचरा निस्तारण की व्यवस्था खराब है और चारों तरफ गंदगी पड़ी है। दुनिया की कुछ सबसे महंगी रियल एस्टेट भी गंदगी से घिरी हुई हैं। पार्टी ने प्रदूषण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि पेड़ों की संख्या तेजी से कम होने से पर्यावरण का स्तर गिर गया है। प्रदूषण अब तक के उच्चतम स्तर पर है। हम दुनिया के एकमात्र ऐसे शहर में रहते हैं, जो बिना ट्रीट किया हुआ सीवेज खुले समुद्र में छोड़ता है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 8 प्रतिशत बढ़ा

17.04 लाख करोड़ रुपये हुआ आंकड़ा

नई दिल्ली। 1 अप्रैल से 17 दिसंबर के बीच प्रत्यक्ष कर की शुद्ध वसूली में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ ?र 17.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई, क्योंकि रिफंड जारी करने की प्रक्रिया धीमी हो गई थी। आयकर विभाग की ओर से जारी आंकड़ों में इसकी पुष्टि होती है। इसमें कॉर्पोरेट कर से प्राप्त शुद्ध राजस्व 8.17 लाख करोड़ रुपये से अधिक और गैर-कॉर्पोरेट कर से प्राप्त राजस्व लगभग 8.47 लाख करोड़ रुपये शामिल है। चालू वित्त वर्ष की 17 दिसंबर तक प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) से प्राप्त शुद्ध राजस्व 40,195 करोड़ रुपये रहा। पिछले वर्ष की तुलना में रिफंड जारी करने में 14 प्रतिशत की गिरावट आई और यह राशि 2.97 लाख करोड़ रुपये से अधिक रही। आयकर विभाग के आंकड़ों के अनुसार, रिफंड को समायोजित करने से पहले, सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह में 4.16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 20.01 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। चालू वित्त वर्ष (2025-26) में सरकार ने प्रत्यक्ष कर संग्रह का अनुमान 25.20 लाख करोड़ रुपये लगाया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12.7 प्रतिशत अधिक है। सरकार का लक्ष्य वित्त वर्ष 2026 में एसटीटी से 78,000 करोड़ रुपये एकत्र करना है।

सीएम धामी ने बेहतर काम करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजधानी देहरादून में आयोजित राज्य स्तरीय सम्पूर्णता अभियान सम्मान समारोह में प्रदेश के उन अधिकारियों को सम्मानित किया, जिन्होंने विकास के मानकों पर बेहतर प्रदर्शन किया है। नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए ये पदक और प्रशस्ति पत्र आकांक्षी जनपद और आकांक्षी विकास खंड कार्यक्रमों के तहत निर्धारित लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करने के लिए दिए गए। आकांक्षी जनपदों की श्रेणी में ऊधम सिंह नगर का दबदबा देखने को मिला। यहाँ के जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया को 6 में से 5 विकास संकेतकों को हासिल करने के लिए रजत पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। वहीं, हरिद्वार जिलाधिकारी मयूर दीक्षित को 3 संकेतकों की सफलता के लिए कांस्य पदक से नवाजा गया। विकास खंड स्तर पर भी अधिकारियों ने अपनी कार्यकुशलता का लोहा मनवाया। गदरपुर (ऊधम सिंह नगर) के लिए डीएम नितिन सिंह भदौरिया और मोरी (उत्तरकाशी) के लिए डीएम प्रशांत आर्या को 5-5 संकेतकों के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए रजत पदक दिए गए। स्याल्दे (अल्मोड़ा) के लिए जिलाधिकारी अंशुल सिंह को 4 संकेतकों पर बेहतर कार्य के लिए कांस्य पदक मिला। शासन के वरिष्ठ अधिकारियों में आलोक कुमार पाण्डे (पूर्व जिलाधिकारी अल्मोड़ा) और मेहरबान सिंह बिष्ट (पूर्व जिलाधिकारी उत्तरकाशी) को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। गदरपुर की खंड विकास अधिकारी आतिया परवेज, मोरी के शशि भूषण बिंजोला को रजत पदक और स्याल्दे के खंड विकास अधिकारी शैलेन्द्र जोशी को कांस्य पदक से सम्मानित किया गया।

भोपाल के आईएएस सर्विस मीट छोड़ दिन भर ताबड़तोड़ मैदानी दौरे पर रहे कलेक्टर मृणाल

कलेक्टर ने सालेटेका, रजेगांव एवं बोलेगांव के धान खरीदी केंद्रो की व्यवस्था को देखा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भोपाल में चल रहे आईएएस सर्विस मीट जैसे एक बड़े आयोजन को छोड़कर आज कलेक्टर मृणाल मीना ने 19 दिसम्बर को किरनापुर तहसील के अंतर्गत सालेटेका, रजेगांव एवं लांजी तहसील के अंतर्गत ग्राम बोलेगांव के धान खरीदी केंद्रो का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान उन्होंने धान लेकर आए किसानों से भी चर्चा की।

धान खरीदी केंद्रो के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर मीना ने केंद्र में धान की बिक्री के लिए पंजीयन कराने वाले किसानों, स्लॉट बुक कराने वाले किसानों एवं धान विक्रय कर चुके किसानों की जानकारी ली। उन्होंने खरीदी केंद्रो में बारदाने की उपलब्धता, सीसीटीवी कैमरे से निगरानी एवं तौल के संबंध में केंद्र प्रभारी से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने तीनों केंद्रो पर तौल कर रखी गई बोरियों में से कुछ बोरियों का चुनाव कर अपने सामने फिर से तौल करायी और देखा कि धान की सही मात्रा में तौल की जा रही है या नहीं। तीनों केंद्रो में जांच के दौरान बोरियों में निर्धारित मात्रा में ही धान पाया गया।

कलेक्टर श्री मीना ने केंद्र प्रभारी एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर को सख्त निर्देश दिये कि धान की खरीदी में किसी भी तरह की गड़बड़ी न होने दे अन्यथा उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिस दिन धान की खरीदी की गई है उसकी उसी दिन ऑनलाइन एंट्री हो जाना चाहिए। यदि दूसरे दिन एंट्री किया जाना पाया जाता है तो दोषी व्यक्ति के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। बोलेगांव धान खरीदी केंद्र के निरीक्षण के दौरान पूर्व विधायक रमेश भटेरे भी उपस्थित थे। धान केंद्रो के निरीक्षण के दौरान एसडीएम एमआर कोल, कमल सिंहसार एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी भी उपस्थित थे।

सालेटेका के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 19 दिसम्बर को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सालेटेका का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ चिकित्सकों एवं स्टॉफ की उपस्थिति, स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए प्रतिदिन आने वाले मरीजों एवं उन्हें दी जाने वाली दवाओं की जानकारी ली। इस दौरान बताया गया कि स्वास्थ्य केंद्र में प्रतिदिन 40 से 50 मरीज उपचार के लिए आते है। कलेक्टर श्री मीना ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सालेटेका के स्टोर रूम का भी निरीक्षण किया और वहॉ पर उपलब्ध दवाओं की जानकारी ली। इस दौरान बताया गया कि स्वास्थ्य केंद्र में 299 दवा दी जाना है, इनमें से ऑनलाईन प्रदाय 264 दवा और आफलाइन प्रदाय 17 दवा उपलब्ध है। कलेक्टर मीना ने इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य केंद्र में सभी दवा उपलब्ध करा। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र के स्टॉफ को भी निर्देशित किया कि वे निर्धारित समय पर अपनी ड्यूटी पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्र की साफ-सफाई और स्वच्छता संतोषप्रद पायी गई।

सांदीपनि स्कूल रजेगांव का किया निरीक्षण

कलेक्टर मृणाल मीना 19 दिसम्बर को धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण करने रजेगांव पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने रजेगांव के सांदीपनि स्कूल में अचानक पहुंचकर स्कूल का निरीक्षण किया। सांदीपनि स्कूल के निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षकों की एप्प के माध्यम से लगायी गई ऑनलाईन ई-अटेंडेंस की जानकारी ली और निर्देशित किया कि शाला बंद होने के समय भी हमारे शिक्षक एप्प पर शिक्षकों को लागआउट अनिवार्य रूप से करना है। इस दौरान उन्होंने कक्षा 09 में जाकर बच्चों से संवाद किया और विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षको से कमजोर बच्चों के लिए लगायी जा रही रेमेडियल क्लास के बारे में जानकारी ली। उन्होंने प्राचार्य एवं शिक्षको से कहा कि जो बच्चे पढ़ाई में कमजोर है उनके स्तर में सुधार के लिए विशेष प्रयास करें। कलेक्टर श्री मीना ने सांदीपनि स्कूल रजेगांव में स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार किये जा रहे मध्यान्ह भोजन और खाद्यान्न रखने के स्टोर रूम का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भोजन तैयार करने वाले समूह की महिलाओं से कहा कि वे बच्चों को निर्धारित मैन्यू के अनुसार ही भोजन प्रदाय करें।

बिनोरा प्राथमिक शाला का किया आकस्मिक निरीक्षण

कलेक्टर मृणाल मीना ने 19 दिसम्बर को किरनापुर तहसील के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला बिनोरा का आकस्मिक निरीक्षण किया और वहॉं की व्यवस्थाओ को देखा। कलेक्टर श्री मीना जब प्राथमिक शाला में पहुंचे तो उस समय बच्चों को मध्यान्ह भोजन देने की तैयारी चल रही थी और भोजन परोसा जा रहा था। शाला में 04 शिक्षकों की पदस्थापना है और निरीक्षण के दौरान चारों शिक्षक उपस्थित पाये गए। कलेक्टर श्री मीना ने मध्यान्ह भोजन के खाद्यान्न के लिए बनाये गए स्टोर रूम का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन देने और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने शाला के शिक्षको से ई-अटेंडेंस के बारे में जानकारी ली और कहा कि शाला बंद करते समय भी हमारे शिक्षक एप्प में अपनी उपस्थिति अवश्य लगाए। उन्होंने बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। शाला परिसर की स्वच्छता एवं सुरक्षित बगीचे को लेकर कलेक्टर श्री मीना ने शिक्षको की सराहना की और कहा कि इसे हमेशा इसी तरह बनाए रखे।

न्यूज गैलरी

प्रधानमंत्री का जन्मदिन मनाने घर से निकली महिला 3 महीने बाद भी नहीं लौटी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तीन माह पहले प्रधानमंत्री का जन्मदिन मनाने के लिए घर से निकली एक महिला अपने घर नहीं लौटी। यह महिला

प्रीति पति ओमप्रकाश वराडे 36 वर्ष वार्ड नंबर 13 गंगानगर बूढ़ी बालाघाट निवासी है।जिसकी तलाश कोतवाली पुलिस के अलावा उसके परिवार के द्वारा भी की जा रही है।

कोतवाली पुलिस के मुताबिक देवी प्रसाद वशीचंद 65 वर्ष वार्ड नंबर 13 गंगानगर बूढ़ी बालाघाट निवासी किसानी करते हैं। जिनकी बेटी प्रीति वराडे की तबीयत खराब होने के कारण वह अपने ससुराल भिलाई छत्तीसगढ़ से अपने मायके के घटना दिनांक से एक माह पहले बच्चों के साथ आई थी। जिसके 10 दिन बाद ही देवीप्रसाद के दामाद ने बच्चों को पढ़ाई का नुकसान होता है कहकर अपने साथ ले गए थे। उनमें किसी प्रकार का विवाद नहीं था। 17 सितंबर देवी प्रसाद की पत्नी ड्यूटी चली गई थी घर में देवी प्रसाद अपनी बेटी प्रीति के साथ में थे। 11ः00 प्रीति टहल कर आता हूं बोलकर घर से निकली थी। किंतु आधे घंटे होने के बाद भी घर नहीं लौटी। तब देवी प्रसाद ने मोबाइल से अपनी बेटी प्रीति से बात किया तो उसने प्रधानमंत्री का जन्मदिन मना कर आती हु बोली थी। देवी प्रसाद ने आधे घंटे बाद फोन किये तो प्रीति ने बताई की मैं बीजेपी कार्यालय के बाजू कमला नेहरू में हूं।जिसके बाद देवी प्रसाद, सुरेंद्र कावरे के साथ अपनी स्कूटी में लड़की को देखने के लिए गए। किंतु प्रीति कही दिखाई नही दी। उसके नंबर पर फोन किये तो फोन भी नहीं उठाई। इसके बाद देवी प्रसाद ने बालाघाट शहर के अलावा नदी नाले, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन में प्रीति को तलाश किये किंतु प्रीति नहीं मिली। देवी प्रसाद ने दामाद को फोन करके पूछे तो उन्होंने बताया कि प्रीति नहीं आई है। रिश्तेदारी में पूछताछ करने पर भी कोई पता नहीं चला। प्रीति के घर वापस नहीं लौटने और उसका पता नहीं चलने पर उसके पिता देवी प्रसाद ने उसी दिन रात में कोतवाली में प्रीति के गुम होने की रिपोर्ट की थी। कोतवाली पुलिस ने गुम इंसान 111/025 कायम किया और प्रीति की तलाश की किंतु 3 महीने के बाद भी प्रीति का कोई पता नहीं चला। जिसकी तलाश लगातार की जा रही है।

परसवाड़ा में धान व्यापारी की जांच, 765 क्विंटल धान स्टॉक सील

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर 19 दिसंबर को तहसील परसवाड़ा अंतर्गत ग्राम कश्मीरी में धान व्यापारी यशवंत किराना एंड अनाज भंडार की संयुक्त जांच दल द्वारा जांच की गई। यह कार्रवाई खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान धान के अवैध रिसाइकल की आशंका को लेकर की गई है। जांच दल में परसवाड़ा एसडीएम श्रीश प्यासी, जिला आपूर्ति अधिकारी आर. के. ठाकुर, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनील किरार तथा मंडी के सहायक उपनिरीक्षक मनोज पटले शामिल रहे। जांच के दौरान व्यापारी के पास कुल 765 क्विंटल धान का स्टॉक पाया गया। उपार्जन केंद्रों में धान की रिसाइकलिंग को रोकने के उद्देश्य से उपार्जन अवधि समाप्त होने तक उक्त 765 क्विंटल धान स्टॉक को सील कर दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धान उपार्जन प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने तथा शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार की जांच और कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों। हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-

हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता

यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।

आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]

स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

आवश्यकता है

पद	संख्या	योग्यता
अकाउंटेंट	1	M com/Tally का ज्ञान आवश्यक
मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव्ह	1	MBA मार्केटिंग
सेल्स एक्जीक्यूटिव	1	ऑनलाइन मार्केटिंग का अनुभव
वेल्डर	1	2 वर्ष का कार्य अनुभव
स्टोरकीपर	1	ग्रेजुएट तथा MS एक्सल का ज्ञान
सुपरवाइजर	3	ग्रेजुएट
सिक्युरिटी गार्ड	3	बारहवीं पास

कृपया अपने रिज्यूम व्हाट्स ऐप नंबर 7974104139 पर प्रेषित करें।
प्रबंधक
रिभा टाइल्स
मेन रोड, बालाघाट

पार्ट टाइम जॉब

हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय में सांय 6 से 11 बजे तक कार्य हेतु हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है।
पार्ट टाइम जॉब को प्राथमिकता देने वाले तत्काल संपर्क करें।
वेतन-योग्यतानुसार
सम्पर्क- कार्यालय दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस
काली पुतली चौक, बालाघाट (मप्र)मो.9425138710
ईमेल :-balaghate&press@gmail.com

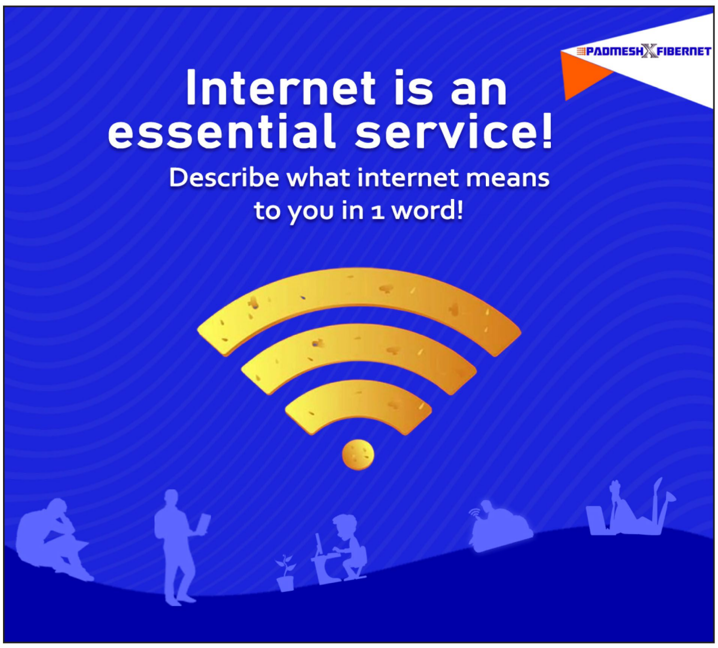

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :**9425138710**,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट